

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 63। पेज: 12 mahanagarmetro7@gmail.co || अहमदाबाद, 30 अक्टूबर 2026(शुक्रवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

30 साल से MP होने के बावजूद साउथ गुजरात के किसान पानी के लिए क्यों तरस रहे हैं?

आम आदमी पार्टी के निरंजन वसावा ने BJP MP मनसुख वसावा पर निशाना साधा!

सिंचाई के पानी और आदिवासी अधिकारों के मुद्दे पर भरूच-नर्मदा पंथक में भयानक राजनीतिक गरमाहट

AAP का दावा है कि चैतर वसावा की बढ़ती लोकप्रियता से BJP घबरा रही है

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

भरूच/राजपीपला। किसानों के लिए सिंचाई के पानी की गंभीर समस्या और आदिवासी राजनीति के कारण साउथ गुजरात के भरूच और नर्मदा जिलों समेत आदिवासी इलाके में राजनीतिक माहौल चरम पर पहुंच गया है। आम आदमी पार्टी के राज्य नेता निरंजन वसावा ने लगातार तीन दशकों से भरूच लोकसभा सीट से BJP MP चुने जा रहे मनसुख वसावा पर तीखे सवाल उठाते हुए तीखा हमला किया है। AAP नेता ने सीधा हमला करते हुए पूछा है, 'पिछले 30 सालों से सत्ता और संसद में होने के बावजूद, इस इलाके के आम किसानों को अभी भी पर्याप्त पानी क्यों नहीं मिल रहा है?'

30 साल की सत्ता को AAP की सीधी चुनौती

इस तरह, आम आदमी पार्टी के नेता निरंजन वसावा ने मीडिया के सामने BJP और MP मनसुख वसावा पर निशाना साधा और कहा कि BJP ने आदिवासी और किसान वोटरों को सिर्फ़ वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया है। नर्मदा डैम जैसे बड़े प्रोजेक्ट अपने देश में होने के बावजूद, भरूच और नर्मदा ज़िलों के दूर-दराज़ के इलाकों के किसानों को अपने खेतों तक सिंचाई का पानी पहुँचाने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। 30 साल तक MP के तौर पर राज करने वाले नेता के पास इसका कोई जवाब नहीं है। किसान आज भी अपनी फ़सल सूखने के डर से पानी के लिए तरस रहे हैं। दावा है कि चैतर वसावा की लोकप्रियता से BJP घबरा गई है आदिवासी राजनीति के मुद्दे पर आगे बोलते हुए, निरंजन वसावा ने



AAP MLA और आदिवासी नेता चैतर वसावा की ज़मीनी लोकप्रियता का ज़िक्र किया। उन्होंने दावा किया कि जिस तरह से चैतर वसावा डेडियापाड़ा और पूरे आदिवासी इलाके में लोगों के हक़ और अधिकार के लिए आवाज़ उठा रहे हैं, उससे लोगों के बीच उनकी लोकप्रियता बहुत ज़्यादा बढ़ रही है। आम आदमी पार्टी का आरोप है कि चैतर वसावा की बढ़ती पॉपुलैरिटी और आदिवासी कम्युनिटी से मिले सपोर्ट की वजह से BJP के दशकों पुराने लोकल लीडर और MP मनसुख वसावा मेंटली डर गए हैं और अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए तरह-तरह के बयान दे रहे हैं। किसानों के पानी और आदिवासियों के फंडामेंटल राइट्स के मुद्दे पर AAP के इस अग्रेसिव रुख ने लोकल पॉलिटिक्स को गरमा दिया है। BJP जहां अपने दशकों पुराने गढ़ को बचाने की कोशिश कर रही है, वहीं आम आदमी पार्टी किसानों के गुस्से और आदिवासी मुद्दों का फायदा उठाकर BJP के गढ़ में सेंध लगाने की तैयारी कर रही है। यह टकराव आने वाले दिनों में भरूच और नर्मदा की पॉलिटिक्स में बहुत एक्सप्लोसिव सिचुएशन के साफ संकेत दे रहा है।

भरूच-नर्मदा में गरमाई सियासत

आम आदमी पार्टी के नेता निरंजन वसावा ने भाजपा सांसद मनसुख वसावा पर निशाना साधते हुए किसानों को सिंचाई का पर्याप्त पानी नहीं मिलने पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि आदिवासी और किसान लंबे समय से समस्याओं से जूझ रहे हैं। आप ने विधायक चैतर वसावा की बढ़ती लोकप्रियता से भाजपा में बेचैनी होने का भी दावा किया है।

AAP 15 नवंबर से पहले जारी कर सकती है उम्मीदवारों की पहली सूची



महानगर मेट्रो ब्यूरो

चंडीगढ़। पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज होने लगी हैं। आम आदमी पार्टी (आप) 15 नवंबर से पहले उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर सकती है। इस संबंध में दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की अगुवाई में उच्चस्तरीय बैठक बुलाई गई है, जिसमें मुख्यमंत्री भगवंत मान भी शामिल होंगे। वहीं, गठबंधन की चर्चाओं के बीच भाजपा ने अकाली दल को झटका दिया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष केवल ढिल्लों की मौजूदगी में खरड़ से अकाली दल के पिछड़ा वर्ग (बीसी) विंग के अध्यक्ष चौधरी श्यामलाल पार्टी में शामिल हो गए। दूसरी ओर, सांसद अमृतपाल सिंह की पार्टी अकाली दल-वारिस पंजाब दे ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में पांच नेताओं को निष्कासित कर दिया है। राज्य में चुनाव आचार संहिता दिसंबर के मध्य के बाद लागू होने की संभावना जताई जा रही है, जबकि मतदान फरवरी में हो सकता है। हालांकि, चुनाव कार्यक्रम की आधिकारिक घोषणा अभी नहीं हुई है। पंजाब विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल मार्च 2027 में समाप्त होना है। भाजपा सांसद तरुण चुघ ने पंजाब की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि राज्य में अपराध और नशे की समस्या गंभीर है। उन्होंने पुलिस थानों पर ग्रेनेड हमलों और पुलिस मुख्यालय पर रॉकेट लॉन्चर से हमले का जिक्र करते हुए दावा किया कि पुलिसकर्मियों में भी भय का माहौल है। चुघ ने मुख्यमंत्री भगवंत मान पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार अपराध और नशे पर नियंत्रण करने में विफल रही है। हालांकि, ये आरोप भाजपा सांसद के राजनीतिक बयान हैं। चुनाव से पहले कानून-व्यवस्था, नशे और गठबंधन की राजनीति पंजाब में प्रमुख मुद्दे बनते नजर आ रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट का केंद्र से सवाल, 100% एथेनॉल वाली गाड़ियों को ईंधन कैसे मिलेगा?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को केंद्र सरकार से पूछा कि 100 प्रतिशत एथेनॉल से चलने वाली गाड़ियों के लिए ईंधन की आपूर्ति कैसे सुनिश्चित की जाएगी। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी. वराले की पीठ एथेनॉल सप्लाई ईयर 2025-26 से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने हाल की खबरों का उल्लेख करते हुए कहा कि 100 प्रतिशत एथेनॉल पर चलने वाले वाहनों को मंजूरी दिए जाने की बात सामने आई है। अदालत ने पूछा कि यदि ऐसे वाहनों को अनुमति मिलती है, तो उनके लिए ईंधन उपलब्ध कराने की व्यवस्था क्या होगी। इस पर अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने कहा कि इसके लिए विनिर्माण व्यवस्था में बड़े पैमाने पर बदलाव करने होंगे। दरअसल, 26 अक्टूबर को सड़क परिवहन मंत्रालय ने केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 में संशोधन की अधिसूचना जारी की थी। इससे E100 यानी लगभग शुद्ध एथेनॉल पर चलने वाली फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियों को मंजूरी मिली।



गरीबी में बच्चियों का सौदा, गोदनामे की आड़ में दूसरे राज्यों तक पहुंचाने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजस्थान-मध्यप्रदेश सीमा। गरीबी और कर्ज के दबाव में छोटी बच्चियों को कथित तौर पर दूसरे परिवारों के हवाले करने के मामले सामने आए हैं। आरोप है कि तीन-चार साल की बच्चियों को स्टांप पेपर पर 'गोदनामा' बनाकर सौंपा जाता है। बाद में इनमें से कुछ बच्चियों को मुंबई, पुणे और नागपुर जैसे शहरों तक ले जाया जाता है, जहां उनकी पहचान और उम्र बदलने के भी आरोप हैं। करीब एक महीने की पड़ताल में राजस्थान और मध्यप्रदेश की सीमा से जुड़े 16 स्थानों तथा 100 से अधिक बस्तियों में ऐसे मामलों की कड़ियां तलाशने का दावा किया गया है। पड़ताल में परिवारों से बातचीत के साथ कथित गोदनामों, स्कूल रिकॉर्ड, प्राथमिकी और बच्चियों के बचाव से जुड़े दस्तावेजों का मिलान किया गया। मुंबई में भी पुलिस रिकॉर्ड और बालिका गृहों से संबंधित दस्तावेजों की जांच की गई।

छत्तीसगढ़ में नेताओं की सुरक्षा घटाने की तैयारी, चरणबद्ध तरीके से कम होंगे सुरक्षाकर्मी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद समाप्त होने की घोषणा के बाद राज्य सरकार नेताओं और जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा व्यवस्था में कटौती की तैयारी कर रही है। गृह मंत्री विजय शर्मा ने बताया कि सुरक्षा घटाने का फैसला हो चुका है और अंतिम सूचना जारी होना बाकी है। सरकार एक साथ पूरी सुरक्षा हटाने के बजाय चरणबद्ध तरीके से सुरक्षाकर्मियों की तैनाती कम करेगी। विजय शर्मा के अनुसार, 31 मार्च 2026 तक सशस्त्र नक्सलवाद समाप्त करने का लक्ष्य रखा गया था। इसके बाद सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के लिए छह महीने तक निगरानी की गई। अब सुरक्षा श्रेणियों में एक स्तर की कटौती की गई है। 'Y+ सुरक्षा वालों को 'Y' श्रेणी वालों को Z+ और Z+ श्रेणी वालों को Z श्रेणी में किया गया है। अगले छह महीनों में फिर समीक्षा कर एक स्तर की कटौती की जाएगी। वहीं, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि सुरक्षा घटाने में जल्दबाजी नहीं होनी चाहिए। किसी जनप्रतिनिधि के साथ घटना होने पर सरकार जिम्मेदार होगी। आंकड़ों के मुताबिक, प्रदेश में करीब 400 नेताओं की सुरक्षा में 1,550 से अधिक पुलिसकर्मी और 500 से ज्यादा वाहन तैनात हैं। इस व्यवस्था पर सालाना करीब 150 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। अकेले बस्तर में 250 से अधिक नेताओं की सुरक्षा में 1,000 से ज्यादा जवान तैनात हैं।



सुप्रीम कोर्ट से अनीता आडवाणी को झटका, राजेश खन्ना के साथ रिश्ते को शादी की मान्यता देने की याचिका खारिज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अभिनेत्री अनीता आडवाणी की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने दिवंगत अभिनेता राजेश खन्ना के साथ अपने रिश्ते को शादी के रूप में कानूनी मान्यता देने की मांग की थी। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी. वराले की पीठ ने मामले में आगे सुनवाई से इनकार करते हुए इसे 'लक्जरी लिटिगेशन' बताया। इसके साथ ही बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा गया। अनीता आडवाणी का दावा था कि वह राजेश खन्ना के साथ दस साल से अधिक समय तक लिव-इन रिलेशनशिप में रही थीं। सुनवाई के दौरान उनके वकील ने कहा कि यह कानूनी लड़ाई किसी आर्थिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि अनीता के आत्मसम्मान और गरिमा के लिए है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर विचार करने का आधार नहीं पाया। इससे पहले बॉम्बे हाईकोर्ट ने 1 अप्रैल को अनीता की अपील खारिज कर दी थी। हाईकोर्ट ने मुंबई की डिंडोशी सत्र अदालत के 2017 के आदेश को सही ठहराया था, जिसमें राजेश खन्ना के निधन के बाद दायर उनका सिविल मुकदमा खारिज किया गया था। राजेश खन्ना का जुलाई 2012 में निधन हो गया था। इसके बाद अनीता ने आरोप लगाया था कि उन्हें बांद्रा स्थित अभिनेता के बंगले 'आशीर्वाद' से बाहर कर दिया गया।



राज्य के सभी थानों में सीसीटीवी लगाने के लिए 1.17 करोड़ रुपये

झारखंड कैबिनेट के 62 प्रस्तावों को मंजूरी, 25-26 नवंबर को विधानसभा का विशेष सत्र

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई झारखंड कैबिनेट की बैठक में कुल 62 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में विकास योजनाओं, पुलिस व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति और विभिन्न विभागों से जुड़े महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। वहीं, झारखंड विधानसभा का विशेष सत्र 25 और 26 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। इसमें एमएमडीआर और एसआईआर जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। कैबिनेट ने राज्य के सभी थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए झारखंड पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड को 1 करोड़ 17 लाख 52 हजार 800 रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी। सरकारी सेवकों को विदेश यात्रा की अनुमति देने के प्रस्ताव को भी मंजूरी मिली पेयजल और पशु आहार परियोजना को मंजूरी राज्य के 263 प्रखंडों में पेयजल समस्या दूर करने के लिए 7,890 चापाकल लगाने की योजना को मंजूरी दी गई। इसके लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 में करीब 96.55 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। वहीं, गोड्डा में झारखंड मिल्क फेडरेशन के माध्यम से प्रतिदिन 50 मीट्रिक टन क्षमता का पशु आहार कारखाना स्थापित किया जाएगा। इस परियोजना की कुल लागत 51.49 करोड़ रुपये है, जिसमें चालू वित्तीय वर्ष के लिए 30 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। बैठक में झारखंड विशेषज्ञ समिति के गठन और कार्यप्रणाली नियमावली-2026, राज्य प्रोबेशन सेवा संशोधन नियमावली तथा राज्य आयुष शैक्षणिक स्वास्थ्य सेवा नियमावली को भी मंजूरी दी गई। इसके अलावा विकसित



भारत-जी राम जी योजना के तहत संविदाकर्मियों के मासिक मानदेय में संशोधन, राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान को निःशुल्क भूमि हस्तांतरण और राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना से जुड़े भुगतान को स्वीकृति दी गई। मयूराक्षी और दामोदर उप-बेसिन के जल संसाधनों तथा बांधों के संयुक्त नियंत्रण को लेकर झारखंड और पश्चिम बंगाल के बीच समझौते के प्रारूप पर भी सहमति बनी।

मां-बेटी हत्याकांड के दोषियों को फांसी देने के लिए खुद जल्लाद बनने को तैयार पुलिस संघ के अध्यक्ष

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर में हुए मां-बेटी हत्याकांड के दोषियों को फांसी देने के लिए जल्लाद की व्यवस्था करने की मांग उठी है। संयुक्त पुलिस कर्मचारी एवं परिवार कल्याण संघ के अध्यक्ष उज्ज्वल दीवान ने मुख्यमंत्री और गृहमंत्री को पत्र लिखकर खुद जल्लाद बनने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा कि कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद फांसी की सजा पर अमल किया जाता है, तो वे बिना किसी मानदेय के यह जिम्मेदारी निभाने को तैयार हैं। दीवान ने पत्र में दुष्कर्म और हत्या के मामले में दोषी ठहराए गए कुलदीप साहू, चंद्रकांत चौधरी और रिंकू विश्वकर्मा को फांसी देने की बात कही है। उन्होंने इस पेशकश को पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना और न्याय की मांग से जोड़ते हुए पुलिसकर्मियों तथा उनके परिवारों की सुरक्षा और सम्मान का मुद्दा भी उठाया। ह मामला 14 अक्टूबर 2024 का है, जब हेड कांस्टेबल की पत्नी के साथ दुष्कर्म के बाद उनकी और बेटी की हत्या कर दी गई थी। मामले में विशेष अदालत ने तीन दोषियों



को फांसी और चौथे आरोपी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। फांसी की सजा पर अमल निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के तहत ही होगा। उज्ज्वल दीवान वर्ष 2010 में धमतरी जिला पुलिस बल में आरक्षक भर्ती हुए थे। बाद में उन्होंने नौकरी छोड़ दी और वर्तमान में संयुक्त पुलिस कर्मचारी एवं परिवार कल्याण संघ के अध्यक्ष हैं।

हरियाणा में गन्ने का भाव 450 प्रति क्विंटल हुआ, दो साल में 35 रुपये की बढ़ोतरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने दिवाली से पहले गन्ना किसानों को राहत देते हुए अगले दो पेराई सत्रों के लिए गन्ने के भाव में बढ़ोतरी की घोषणा की है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुवार को बताया कि वर्ष 2026-27 के लिए गन्ने का भाव 415 रुपये से बढ़ाकर 430 रुपये प्रति क्विंटल किया जाएगा, जबकि 2027-28 में किसानों को 450 रुपये प्रति क्विंटल मिलेंगे। इस तरह दो वर्षों में कुल 35 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान संगठनों ने मुलाकात के दौरान गन्ने का भाव बढ़ाने की मांग की थी।



संजौली-भट्टाकुफर सुरंग के ऊपर मकानों में दरारों की शिकायत

शिमला ट्विन ट्यूब टनल पर हाईकोर्ट सख्त, NHAI से पूछा- 600 करोड़ खर्च के बाद योजना क्यों बदली?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शिमला। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने संजौली से भट्टाकुफर के बीच बन रही ट्विन ट्यूब टनल को लेकर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से जवाब मांगा है। अदालत ने पूछा कि जब शिमला बाईपास के लिए जमीन अधिग्रहित कर करीब 600 करोड़ रुपये मुआवजा बांटा जा चुका था, तो सतही सड़क की योजना छोड़कर घनी आबादी वाली पहाड़ी के नीचे सुरंग बनाने का फैसला क्यों लिया गया। अदालत ने यह भी पूछा कि मुआवजे पर खर्च हुई राशि की भरपाई कौन करेगा। न्यायमूर्ति संदीप शर्मा की पीठ ने गुरुवार को स्थानीय निवासी विनीत शर्मा और अन्य की याचिका पर सुनवाई की। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि सुरंग निर्माण के दौरान सुरक्षा उपायों की अनदेखी से ऊपर बने मकानों में दरारें आई हैं और कुछ घर असुरक्षित घोषित किए गए हैं। NHAI ने अदालत को बताया कि स्थानीय शिकायतों और तकनीकी टीम की चिंताओं के बाद 18 सितंबर 2026 से निर्माण कार्य बंद है। IIT रुड़की की रिपोर्ट आने और सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम होने तक काम शुरू नहीं किया जाएगा। इस आश्वासन के बाद अदालत ने अलग से रोक का आदेश नहीं दिया, लेकिन उम्मीद जताई कि अगली सुनवाई तक निर्माण बंद रहेगा। याचिका के अनुसार, पहले सतही सड़क के



लिए जमीन अधिग्रहित की गई थी, जिसमें करीब 88 परिवार प्रभावित हुए। वहीं, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट का हवाला देते हुए सुरंग के ऊपर सैकड़ों मकान होने और कुछ स्थानों पर सुरंग व सतह के बीच केवल 14 मीटर दूरी होने की चिंता जताई गई है। IIT रुड़की की टीम ने 1 अक्टूबर को मौके का निरीक्षण किया था। मामले की अगली सुनवाई 17 नवंबर को होगी। अदालत ने NHAI से योजना बदलने और मुआवजे से जुड़े सवालों पर जवाब मांगा है।

कुरुक्षेत्र आश्रम फायरिंगः शूटर को मिले थे 5 हजार रुपये, विदेश से फंडिंग का खुलासा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के कुरुक्षेत्र स्थित रामपाल के सतलोक आश्रम पिपली पर फायरिंग के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। जांच के अनुसार, वारदात को अंजाम देने के लिए आरोपी अनिल उर्फ सोपू उर्फ तोतला को 5 हजार रुपये दिए गए थे। पुलिस पूछताछ में विदेश से फंडिंग होने की बात भी सामने आई है। जिस देसी पिस्टल से फायरिंग की गई, वह हथियार सप्लायर प्रेमचंद के जरिए उपलब्ध कराई गई थी। पुलिस के मुबिक, करनाल जिले के अरजेहड़ी गांव निवासी प्रेमचंद की गिरफ्तारी के बाद अनिल का नाम सामने आया। इसके बाद पुलिस अब अनिल से पूछताछ कर वारदात के पीछे की साजिश और दूसरे आरोपियों की भूमिका का पता लगाने की तैयारी कर रही है। जांच में वंश नाम के युवक का भी जिक्र सामने आया है, जिसे पुलिस शूटर समाना के नाम से जोड़ रही है। पुलिस का दावा है कि वह त्रिशूल गैंग से जुड़ा है और फर्जी दस्तावेजों के जरिए विदेश चला गया। उसके विदेश से इंटरनेट कॉलिंग और सोशल मीडिया के जरिए गतिविधियां संचालित करने की आशंका की जांच की जा रही है। करनाल पुलिस ने 23 अक्टूबर को भैणी खुर्द और रुकनपुर गांव के बीच नाकाबंदी के दौरान अनिल को पकड़ने की कोशिश की थी।



सूरत में एसीबी का ट्रैपः 9 हजार की रिश्वत लेते बिचौलिया गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। सूरत जिले से भ्रष्टाचार का एक और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। प्रदेश में एसीबी की सख्त कार्रवाई के बावजूद खाकी वर्दी की आड़ में चल रहे भ्रष्टाचार के धंधे नहीं रुक रहे हैं. सूरत ग्रामीण यातायात शाखा में कार्यरत एक एएसआई (एएसआई) की ओर से ट्रक चालकों से किस्त मांगते हुए बिचौलिए को एसीबी की टीम ने रंगे हाथों पकड़ लिया, जबकि एसीबी की छापेमारी के बाद भ्रष्ट पुलिसकर्मी के फरार होने की खबर है। प्राप्त विवरण के अनुसार, रिश्वत का यह खेल सूरत जिले के मांडवी रोड पर करंज टोलनाका के पास चल रहा था। सूरत ग्रामीण यातायात शाखा के सशस्त्र एएसआई किरणभाई रमनभाई रोहित ने क्षेत्र से गुजरने वाले वाहनों और ट्रकों को परेशान नहीं करने और जुर्माना नहीं लगाने के लिए अवैध रूप से पैसे की मांग की। सभी मामलों में प्रति ट्रक रु. कुल 6 ट्रकों के हिसाब से 1,500 वस्तुएं रु. 9,000 रुपये की रिश्वत तय हुई. एएसआई ने रिश्वत की यह रकम स्वीकार करने की जिम्मेदारी एक निजी व्यक्ति और सिविल ठेकेदार अमितकुमार नगीनभाई प्रजापति को सौंपी। ब शिकायतकर्ता ने एसीबी से संपर्क किया, तो वडोदरा ग्रामीण एसीबी पुलिस स्टेशन के पुलिस निरीक्षक के.एन. वाघेला और उनकी टीम ने पूर्व नियोजित जाल (एसीबी ट्रैप) बिछाया. मांडवी रोड पर करंज टोलनाका के पास सहयोग होटल में, जब निजी बिचौलिए अमित प्रजापति को रुपये की रिश्वत मिली।



लिस्टेड बूटलेगर भावला झाला के घर से बड़ी मात्रा में 2160 विदेशी शराब और बीयर की बोतलें ज़ब्त!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। ज़िले के दहेगाम शहर में पुलिस की एक्टिविटी की वजह से शराब के धंधेबाजों के खिलाफ़ बड़ी कार्रवाई शुरू की गई है। पुलिस ने दहेगाम के एक बदनाम और लिस्टेड बूटलेगर के घर पर अचानक रेड मारी और त्योहारों के मौसम में बेचने के लिए स्टोर की गई भारी मात्रा में विदेशी शराब और बीयर ज़ब्त की। इस कार्रवाई से दहेगाम और आस-पास के इलाकों के बूटलेगरों में दहशत फैल गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, दहेगाम के मशहूर 'जोशी की खड़की' इलाके में रहने वाला लिस्टेड बूटलेगर भावसिंह उर्फ भावलो झाला अपने घर का इस्तेमाल गैर-कानूनी कामों के लिए कर रहा था। पुलिस को जानकारी मिली थी कि इस बूटलेगर ने आने वाले त्योहारों को देखते हुए बाहर से बड़ी मात्रा में विदेशी शराब मंगवाई है और उसे अपने घर में छिपा रखा है।



आम आदमी पार्टी के निरंजन वसावा ने BJP MP मनसुख वसावा पर निशाना साधा!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच/राजपीपला। किसानों के लिए सिंचाई के पानी की गंभीर समस्या और आदिवासी राजनीति के कारण साउथ गुजरात के भरूच और नर्मदा जिलों समेत आदिवासी इलाके में राजनीतिक माहौल चरम पर पहुंच गया है। आम आदमी पार्टी के राज्य नेता निरंजन वसावा ने लगातार तीन दशकों से भरूच लोकसभा सीट से BJP MP चुने जा रहे मनसुख वसावा पर तीखे सवाल उठाते हुए तीखा हमला किया है। AAP नेता ने सीधा हमला करते हुए पूछा है, 'पिछले 30 सालों से सत्ता और संसद में होने के बावजूद, इस इलाके के आम किसानों को अभी भी पर्याप्त पानी क्यों नहीं मिल रहा है?' 30 साल की सत्ता को AAP की सीधी चुनौती इस तरह, आम आदमी पार्टी के नेता निरंजन वसावा ने मीडिया के सामने BJP और MP मनसुख वसावा पर निशाना साधा और कहा कि BJP ने आदिवासी और किसान वोटरों को सिर्फ़ वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया है। नर्मदा डैम जैसे बड़े प्रोजेक्ट अपने देश में होने के बावजूद, भरूच और नर्मदा ज़िलों के दूर-दराज़ के इलाकों के किसानों को अपने खेतों तक सिंचाई का पानी पहुँचाने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। 30 साल तक MP के तौर पर राज करने वाले नेता के पास इसका कोई जवाब नहीं है। किसान आज भी अपनी फ़सल सूखने के डर से पानी के लिए तरस रहे हैं। दावा है कि चैतर वसावा की लोकप्रियता से MP घबरा गई है आदिवासी राजनीति के मुद्दे पर आगे बोलते हुए, निरंजन वसावा ने AAP MLA और आदिवासी नेता चैतर वसावा की ज़मीनी लोकप्रियता का ज़िक्र किया।

गुजरात में रजिस्टर्ड गैर-मान्यता प्राप्त पार्टियों का अरबों रुपये का काला घोटाला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/गांधीनगर। पिछले कुछ समय से भारतीय लोकतंत्र और चुनावी प्रक्रिया में ट्रांसपेरेंसी लाने की बहुत बातें हो रही हैं, लेकिन एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की एक हालिया रिपोर्ट ने बताया है कि ज़मीनी हकीकत कितनी उलझी हुई और संदिग्ध है। फाइनेंशियल ईयर 2024-25 के दौरान रजिस्टर्ड लेकिन गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टियों को मिले पैसे के बारे में चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। इस बात पर गंभीर सवाल उठे हैं कि इन पार्टियों, खासकर गुजरात के नाम पर या गुजरात से जुड़ी पार्टियों को करोड़ों-अरबों रुपये का फंड कैसे मिला और यह पैसा कहां से आया। चुनाव आयोग की किताबों में दर्ज आंकड़ों ने उड़ा दी नींद,छक्कऔर चुनाव आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, अगर आप साल 2024-25 में गुजरात में एक्टिव या कागजों पर लिखी गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टियों को मिले फंड और डोनेशन के आंकड़े देखेंगे, तो आपके होश उड़ जाएंगे। आम जनता चुनाव के दौरान एक-एक रुपये के लिए परेशान होती है, जबकि इन छोटी या अनजान पार्टियों के अकाउंट में करोड़ों रुपये जमा हो चुके हैं। अरबों रुपये के इस फंड के पीछे क्या राज है? क्यों उठ रहे हैं गंभीर सवाल? ये आंकड़े आम नहीं हैं, लेकिन ये डेमोक्रेसी की आड़ में खेले जा रहे सबसे बड़े फाइनेंशियल गेम की ओर इशारा करते हैं। पॉलिटिकल एनालिस्ट और इकोनॉमिस्ट हैरान हैं कि अचानक ऐसी पार्टियों को सैकड़ों करोड़ रुपये कौन डोनेशन दे रहा है जिनका ज़मीन पर कोई नाम नहीं है, न ही चुनावों में कोई बड़ा पब्लिक मेंबर या बड़ा लीडर है, न कोई मास मूवमेंट या पॉपुलैरिटी है? अगर हम इन पार्टियों के इनकम और खर्च का हिसाब देखें, तो साफ हो जाता है कि यह सिर्फ कागजी कंपनियों या शेल कंपनियों की तरह हवाला/ब्लैक मनी लॉन्ड्रिंग का खेल है? यह शक बढ़ रहा है कि इन बिना पहचान वाली पॉलिटिकल पार्टियों को इलेक्शन फंडिंग नियमों की आड़ में ब्लैक मनी को लॉन्ड्र करने के लिए 'सेफ हेवन' के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा है।

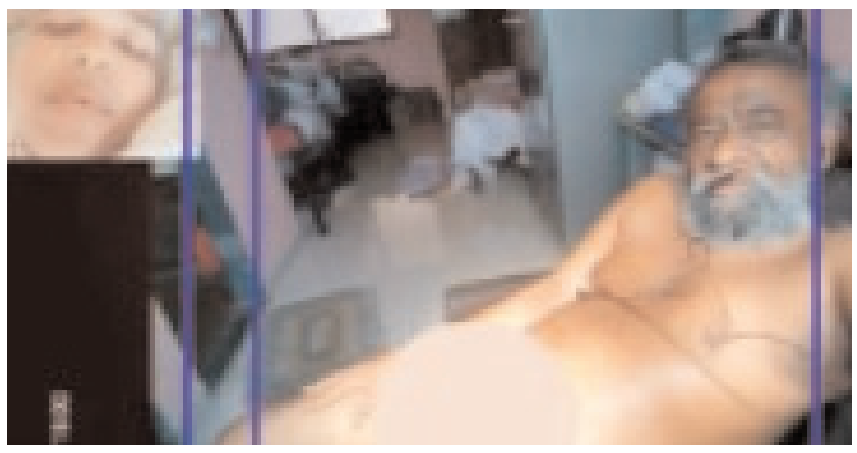
जैन समाज में आक्रोश का ज्वालामुखी, कुकर्मी 'कुसाधु' के खिलाफ आर-पार की जंग!

पालीताणा तीर्थधाम की पवित्रता पर काला कलंक बनता कथित आचार्य सागरचंद्र सागरः

दान के करोड़ों रुपयों से ऐशगाह और संपत्ति खड़े करने का घिनौना आरोपः अश्लील फोटो और साध्वियों पर अत्याचार के पर्दाफाश के बाद भी मौन साधे बैठा आचार्य!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद/उज्जैन। जैन धर्म की अनंत श्रद्धा और आस्था का परम पवित्र धाम यानी भावनगर जिले में स्थित शाश्वत तीर्थ पालीताणा। जहां भगवान महावीर स्वामी के चरण और अनंत मुनि भगवंतों की तपोभूमि प्रकाशमान है, उसी पवित्र गिरिराज और दर्शनधाम पर साधु के वेश में छिपे एक कथित आचार्य सागरचंद्र सागर द्वारा अपने संघ के साथ जाकर तीर्थ की पवित्रता को अपवित्र किए जाने की खबरों से देश भर के जैन समाज में भारी आक्रोश भड़क उठा है। धर्म की आड़ में अधर्म करने वाले इस कुसाधु को पालीताणा में प्रवेश करने से रोकने के लिए जैन संघों और श्रद्धालुओं ने मोर्चा खोल दिया है।



यदि सच्चा है तो सामने क्यों नहीं आ रहा? अंधभक्तों की ओट और मौन ही गुनाह की कबूलियत!

सागरचंद्र सागर पर लगे गंभीर आरोपों के बाद वह क्यों एक शब्द भी बोलने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा? यदि वह निर्दोष है तो सच्चाई के साथ सामने आकर अपना पक्ष क्यों नहीं रखता? अपने कुकर्मों को छुपाने के लिए अपने अंधभक्तों को आगे करके मीडिया और समाज को गुमराह करने की उसकी चाल अब पूरी तरह बेनकाब हो चुकी है। उसकी अंतरात्मा की आवाज और उसका यह मौन ही साबित करता है कि उसपर लगे तमाम आरोप सौ फीसदी सही हैं। वायरल हुए उसके अश्लील फोटो, मासूम साध्वियों के साथ किए गए कुकर्मों और महिलाओं के साथ हुए शोषण का कच्चा चिट्ठा अब बाहर आ चुका है। इस तथाकथित भगवाधारी के पापों का घड़ा अब पूरी तरह भर चुका है!

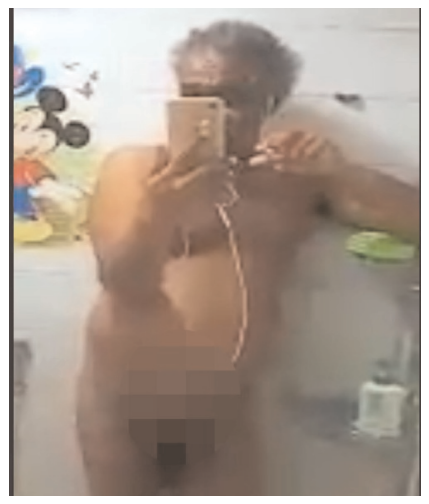
श्रद्धालुओं के दान के करोड़ों रुपयों से ऐशो-आराम और अवैध संपत्ति का खेल!

जैन समाज के श्रद्धालु अपनी मेहनत की कमाई से धर्म, जीवदया और समाज के कल्याण के लिए जो दान देते हैं, उस दान के पैसों का इस कुसाधु ने अपने निजी सुख-सुविधाओं, ऐशगाह और करोड़ों रुपए की बेनामी संपत्ति बनाने में दुरुपयोग किया है। 'महानगर मेट्रो' जैन समाज से खुली अपील करता हैः

1. साधु के वेश से बाहर फेंकोः इस कथित आचार्य को तुरंत साधु के वेश से बेदखल किया जाए।

2. दान के पैसे वापस वसूलोः श्रद्धा से दिए गए दान की तिजोरी इस कुकर्मी से छीनकर समाज हित में उपयोग की जाए।

3. स्कूल, कॉलेज और अस्पताल बनाओः उन पैसों से जैन समाज और आम जनता के लिए मुफ्त चिकित्सा सेवा देने वाले अस्पतालों, स्कूलों और कॉलेजों का निर्माण किया जाए। पीड़ित साध्वियाँ और महिलाएं आगे आएं–हम पहचान पूरी तरह गुप्त रखेंगे! जिनशासन को कलंकित करने वाले इस कुसाधु के अत्याचार का शिकार बनीं मासूम साध्वियों या महिलाओं यदि अपनी आवाज बुलंद करना चाहती हैं, तो 'महानगर मेट्रो' उनके साथ चट्टान की तरह खड़ा है। जो भी पीड़िता सामने आएगी, उसका नाम, पता और पहचान पूरी तरह गुप्त रखी जाएगी। यदि आपके पास इस कुसाधु के कारनामों और काली कमाई के अन्य सबूत हैं, तो हमारी टीम से संपर्क करें। हम इस काले चिट्ठे को देश के सामने लाकर इसके खिलाफ सख्त पुलिस केस दर्ज करवाएंगे।



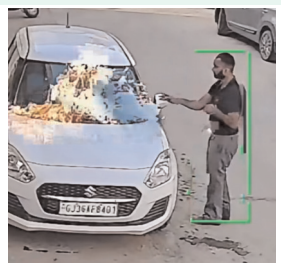
उज्जैन और पालीताणा में महाविरोधः प्रेस कॉन्फ्रेंस में होगा पक्के सबूतों का पर्दाफाश

आगामी दिनों में इस कुसाधु का उज्जैन और पालीताणा में अभूतपूर्व और उग्र विरोध किया जाएगा। उज्जैन में आयोजित होने वाली विशाल प्रेस कॉन्फ्रेंस में पक्के और पुख्ता सबूतों के साथ तमाम मीडिया के समक्ष इस घोटाले का पर्दाफाश किया जाएगा, ताकि मध्य प्रदेश सहित देश भर की जनता और जैन समाज इस भ्रष्ट आचार्य और उसके सागर समुदाय में छिपे अन्य कुसाधुओं के काले धंधों को पहचान सके। जैन समाज अब पाई-पाई का हिसाब मांग रहा है! सागरचंद्र सागर की कामलीला और उसके अधर्म का अंत अब तय है!

मोरबी में हंगामाः वकालत कर रही महिला वकील की कार में रात भर आग लगा दी गई! पड़ोसी शिखर गोहेल के खिलाफ शिकायत दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मोरबी। कहावत है कि 'जब रक्षक ही भक्षक बन जाए या पड़ोसी ही दुश्मन बन जाए, तो सुरक्षा कहां मिलेगी?' मोरबी शहर से एक बहुत ही चौंकाने वाली और डरावनी घटना सामने आई है। गंभीर आरोप लगाया गया है कि मोरबी कोर्ट में वकालत कर रही महिला वकील की कार को किसी असामाजिक तत्व ने या जानबूझकर दुश्मनी में आग लगा दी। इस घटना के बाद मोरबी के वकील आलम और स्थानीय इलाके में काफी हंगामा हुआ है। मिली जानकारी के मुताबिक, मोरबी के वाघपारा इलाके में एक महिला वकील ने हमेशा की तरह अपनी स्विफ्ट कार एक सोसायटी या गली में पार्क की थी। देर रात अचानक इस कार में आग लग गई। आग इतनी भयानक थी कि पलक झपकते ही पूरी कार आग की लपटों में घिर गई और पूरी तरह जलकर राख हो गई। कार की मालिक, जो एक महिला वकील है, को शक है कि यह कोई हादसा नहीं बल्कि जानबूझकर किया गया काम है। पड़ोसी शिखर गोहेल का नाम सामने आया घटना की गंभीरता को देखते हुए, आस-पास के इलाके के CCTV फुटेज की जांच की गई। CCTV फुटेज सामने आते ही पूरे रहस्य से पर्दा उठ गया। दावा किया जा रहा है किCCTV फुटेज में साफ दिख रहा है कि पड़ोस में रहने वाला शिखर जयेशभाई गोहेल इस कार के आस-पास अजीब हरकतें कर रहा है और उसी ने जानबूझकर



इस स्विफ्ट कार में आग लगाई है! इस गंभीर आरोप से कि पड़ोसी ने दुश्मनी या किसी और वजह से कार में आग लगाई है, पूरे इलाके में मातम छा गया है। इस आग हादसे में महिला वकील की कार जलकर राख हो गई, जिससे करीब 3.50 लाख रुपये से ज़्यादा का नुकसान होने का अनुमान है। मोरबी सिटी डिवीजन पुलिस ने केस दर्ज किया और जांच जारी है। महिला वकील ने इस पूरे मामले में अपने पड़ोसी शिखर जयेशभाई गोहेल के खिलाफ मोरबी सिटी A डिवीजन पुलिस स्टेशन में ऑफिशियली लिखित शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत मिलते ही मोरबी पुलिस एक्शन में आ गई है। पुलिस ने CCTV फुटेज के सबूत और फोरेंसिक एंगल से जांच शुरू कर दी है। अगर वकील जैसे सुरक्षित और कानून का पालन करने वाले परिवार के साथ खुलेआम द्वेष से कार जलाने की ऐसी घटना होती है, तो आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर बड़ा सवाल उठता है। फिलहाल, पुलिस ने आरोपी शिखर गोहेल को पकड़ने के लिए जांच तेज कर दी है और आने वाले दिनों में इस मामले में बड़े खुलासे होने की संभावना है।

'इंस्पेक्टर साहब, यह कोर्ट है, आपका पुलिस स्टेशन नहीं! ': भद्रा कोर्ट कंपाउंड में पार्किंग के मुद्दे पर वकील से भिड़े पुलिस ऑफिसर को वकीलों ने कानून का पाठ पढ़ाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद के ऐतिहासिक भद्रा कोर्ट कंपाउंड से एक बहुत ही चौंकाने वाली और दिलचस्प घटना सामने आई है। क्या होता है जब कोर्ट परिसर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने की ज़िम्मेदारी रखने वाली पुलिस मनमानी पर उतर आती है और कानून के रखवाले ही बदतमीज़ी करने लगते हैं? भद्रा कोर्ट कंपाउंड में एक पुलिस इंस्पेक्टर के ड्यूटी पर मौजूद एक वकील के साथ मामूली पार्किंग के मुद्दे पर बदतमीज़ी करने के बाद भारी हंगामा हो गया है। हालांकि, जब वकील आलम इस मामले पर चुप नहीं रहे, तो गुस्साए वकीलों ने इकट्ठा होकर इंस्पेक्टर साहब को कानून और पुलिस ऑफिसर होने की हदें सिखाईं। पूरी घटना की डिटेल्स क्या हैं? मिली जानकारी के मुताबिक, हमेशा की तरह वकील भद्रा कोर्ट कंपाउंड में अपनी गाड़ियां पार्क करके कोर्ट के अंदर जा रहे थे। इसी बीच, एक पुलिस इंस्पेक्टर वहां मौजूद एक वकील से पार्किंग को लेकर बदतमीज़ी से बात करने लगा। मामला तब गरमा गया जब पुलिस ऑफिसर ने अपनी यूनिफॉर्म का गलत हिस्सा दिखाकर वकील के साथ बदतमीज़ी की। पुलिस इंस्पेक्टर यह भूल गया था कि यह कोई पुलिस स्टेशन या नाकाबंदी पॉइंट नहीं है, बल्कि इस देश का इंसाफ़ का मंदिर है, यानी कोर्ट परिसर, जहां वकीलों और कोर्ट के अधिकारियों का बराबर सम्मान और इज्ज़त होती है। इंस्पेक्टर साहब की यह बदमाशी देखकर आस-पास के दूसरे वकील भी बड़ी संख्या में वहां पहुंच गए। मौके पर जमा गुस्साए वकीलों ने पुलिस इंस्पेक्टर की इस बदमाशी का ज़ोरदार विरोध किया।



वकीलों ने इंस्पेक्टर को साफ़-साफ़ कहा और कहा, 'इंस्पेक्टर साहब, यह कोर्ट है, आपका पुलिस स्टेशन नहीं, वरना यहां आपकी मनमानी होगी! आपको वकीलों को गाली देने का हक़ किसने दिया? ' वकीलों की एकता और गुस्सा देखकर पुलिस इंस्पेक्टर अपना आपा खो बैठे और माहौल तनावपूर्ण हो गया। मुवक्किलों के साथ पुलिस का ऐसा गलत व्यवहार बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

'हम जंगल और वाइल्डलाइफ की रक्षा करते हैं, लेकिन हमारी सुरक्षा का क्या?' गुजरात की महिला फॉरेस्ट ऑफिसर्स का दर्दनाक सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर/जूनागढ़। एशियाई शेरों के एकमात्र घर, गुजरात के गिर और दूसरे जंगल के इलाकों में खतरों के बीच दिन-रात काम करने वाली महिला फॉरेस्ट ऑफिसर्स और स्टाफ की सुरक्षा को लेकर एक बहुत ही सेंसिटिव और गंभीर मुद्दा सामने आया है। जंगल और वाइल्डलाइफ की रक्षा के लिए अपनी जान जोखिम में डालने वाली गुजरात की इन महिला ऑफिसर्स ने अब खुलकर यह सवाल उठाया है, 'हम जंगल और शेरों की रक्षा करते हैं, लेकिन हमारी सुरक्षा का क्या? ' गुजरात फॉरेस्ट डिपार्टमेंट देश-विदेश में शेरों की सुरक्षा के लिए जाना जाता है, जिसमें कई महिला फॉरेस्ट रेंज ऑफिसर्स, फॉरेस्टर और बीट गार्ड्स भी अपनी ड्यूटी पूरी लगन से निभा रही हैं। रात में घने जंगल में पेट्रोलिंग करना, गैर-कानूनी कामों को रोकना, जंगली जानवरों के हमलों के खतरे के बीच काम करना और कभी-कभी असामाजिक तत्वों का सामना करना–ये सब उनकी रोज़मर्रा की ज़िंदगी का हिस्सा हैं।लेकिन, इतना खतरनाक काम करने के बावजूद, फील्ड में काम करने वाली इन महिला अधिकारियों को बहुत दुख और चिंता का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि उनके पास मजबूत सुरक्षा इंतजाम, अलग से बुनियादी सुविधाएं और इमरजेंसी में तुरंत मदद का कोई सिस्टम नहीं है महिला फॉरेस्ट वर्कर्स के बार-बार दावों के बावजूद, रात में दूर-दराज के जंगली इलाकों में पेट्रोलिंग करते समय सही सेफ्टी गियर, सही ट्रांसपोर्टेशन और कम्युनिकेशन नेटवर्क की कमी जैसी समस्याएं हमेशा उनकी चिंता बढ़ाती हैं। जंगल के बीच क्वार्टर या रेंज ऑफिस में रहने वाली महिला कर्मचारी अक्सर अपनी सुरक्षा को लेकर असुरक्षित महसूस करती हैं। जब वे शेर और तेंदुए जैसे शिकारियों के बीच ड्यूटी पर होती हैं तो वे जंगली जानवरों की रक्षा करती हैं, लेकिन यह मांग बढ़ रही है कि उन्हें इंसानों के बनाए खतरों और अंदरूनी सुरक्षा के मुद्दों के सामने असहाय नहीं होना चाहिए। महिला



अधिकारियों द्वारा उठाए गए इस सवाल ने अब फॉरेस्ट डिपार्टमेंट और सरकार के सीनियर अधिकारियों का ध्यान खींचा है। नागरिकों और वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की ज़िम्मेदारी है, जंगल की रक्षा करने वाली इन महिला योद्धाओं की सुरक्षा के लिए भी ठोस और कड़े कदम उठाए जाएं। अगर जंगल के राजा 'जंगली' की रक्षा करने वाले इन अधिकारियों की सुरक्षा को खतरा है, देखना यह है कि इस मामले में महिला वन कर्मचारियों की सुरक्षा और सुविधाओं के लिए सरकार क्या खास पॉलिसी या सुरक्षा कवर देती है।

Rs. 1.75 करोड़ के कथित फ्रॉड स्कैम में बड़ा खुलासाः नकली वज़न घटाने की दवाएँ बेचकर ठगी करने वाले 5 आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। डायमंड और टेक्सटाइल हब शहर सूरत से साइबर क्राइम से जुड़ा एक बहुत ही चौंकाने वाला और बड़ा मामला सामने आया है। पता चला है कि सूरत में चमत्कारी वज़न घटाने वाली दवाएँ और प्रोडक्ट बेचने के बहाने नागरिकों के साथ लगभग ऋ्ध. 1.75 करोड़ की बड़ी धोखाधड़ी की गई है। सूरत साइबर क्राइम ब्रांच ने इस मामले में गहरी जाँच करने के बाद इंटरस्टेट स्कैम में शामिल पाँच मुख्य आरोपियों को पकड़ने में बड़ी सफलता हासिल की है। मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपियों ने 'Qures Science' जैसी नकली कंपनियाँ या ऑर्गनाइज़ेशन बना रखे थे। वज़न घटाने वाली आयुर्वेदिक या हर्बल दवाओं को सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के ज़रिए लुभावने और गुमराह करने वाले विज्ञापनों के ज़रिए प्रमोट किया जा रहा था। जब देश भर और सूरत के लोग वज़न घटाने के लिए ये प्रोडक्ट ऑर्डर करते थे, तो ये जालसाज़ कस्टमर्स को नकली या खूनी असर वाली नकली दवाइयाँ भेजकर उनसे ऑनलाइन लाखों रुपये ठग लेते थे। धीरे-धीरे यह नेटवर्क इतना बड़ा हो गया कि कुल 1.75 करोड़ रुपये से ज़्यादा की ठगी करने की बात सामने आई है। इतनी बड़ी रकम की ठगी की शिकायतें मिलने के बाद सूरत पुलिस कमिश्नर और साइबर क्राइम ब्रांच की टीम हरकत में आई। टेक्निकल सर्विलांस, बैंक अकाउंट डिटेल्स और कॉल डिटेल्स के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की।



दिवाली पर यूनिवर्सिटी पुलिस स्टेशन में 'वसूली': P.I. S.R. बावा साहेब के नाम पर पैसे वसूलते हुए वीडियो में पकड़ा गया पुलिसवाला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। खाकी वर्दी को शर्मसार करने वाली और पुलिस सिस्टम के भ्रष्ट चेहरे को सामने लाने वाली एक और चौंकाने वाली घटना ने अहमदाबाद शहर में हलचल मचा दी है। त्योहारों का मौसम आते ही पुलिसवाले कैसे शिकारी बन जाते हैं और वसूली पर उतर आते हैं, इसका एक चौंकाने वाला वीडियो वायरल हुआ है। अहमदाबाद के पॉश इलाके माने जाने वाले यूनिवर्सिटी पुलिस स्टेशन की हद में एक पुलिसवाला बावा साहेब के नाम पर खुलेआम 'दिवाली के पैसे' वसूलते हुए कैमरे में कैद हुआ है! पूरा वीडियो क्या है? 'मुझे अपने दिवाली के पैसे दो! ' सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक धमाकेदार वीडियो की डिटेल्स के मुताबिक, यूनिवर्सिटी पुलिस स्टेशन में ड्यूटी पर तैनात एक पुलिसवाला सीधे व्यापारियों या लोकल लोगों के पास जाकर घमंड से कह रहा है, 'यूनिवर्सिटी पुलिस स्टेशन के' श्री S.R. बावा साहेब, मुझे अपने दिवाली के पैसे दे दो! ' त्योहार के नाम पर यूनिफॉर्म का गलत हिस्सा दिखाकर इस खुलेआम वसूली से व्यापारियों में बहुत गुस्सा और डर है। पुलिस पोस्ट या पुलिस स्टेशन के नाम पर या बोनस के नाम पर खुलेआम पैसे वसूलने की इस हरकत ने पूरी अहमदाबाद पुलिस की इमेज पर बड़ा दाग लगा दिया है इस मामले में सबसे चौंकाने वाला और विवादित मोड़ तब आया जब पूरी घटना की जानकारी यूनिवर्सिटी पुलिस स्टेशन के P.I. S.R. बावा साहेब को दी गई। एक जूनियर लेवल के कर्मचारी द्वारा उनके नाम पर खुलेआम कैश मांगने की डिटेल्स होने के बावजूद, P.I. साहेब इस मामले में कोई सख्त एक्शन लेने के बजाय चुप रहे! सवाल यह उठता है कि क्या P.I. साहब को यह जानते हुए भी चुप क्यों रहना पड़ा कि उनके नाम पर वसूली हो रही है? क्या इस चुप्पी के पीछे उनकी अपनी सहमति है या अंदर ही अंदर कोई बड़ा खेल चल रहा है? यह 'सचिनभाई' कौन है? बार-बार नाम आने से सस्पेंस बढ़ गया वायरल वीडियो में वसूली करने वाला पुलिस ऑफिसर बार-बार 'सचिनभाई' नाम के किसी व्यक्ति का ज़िक्र कर रहा है। इस डिटेल ने पुलिस फोर्स में बड़ी बहस छेड़ दी है। सवालों का सिलसिला शुरू हो गया कि क्या ह 'सचिनभाई' पुलिस स्टेशन का ही एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ है या कोई बाहरी बिचौलिया सीनियर पुलिस अधिकारियों के सामने सवालः क्या एक्शन लिया जाएगा? अहमदाबाद सिटी पुलिस कमिश्नर जहां अक्सर करप्शन के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की बात करते हैं, वहीं यूनिवर्सिटी पुलिस स्टेशन में यह खुला एक्सटॉर्शन का खेल लॉ एंड ऑर्डर की चिंता बढ़ा रहा है। या हर बार की तरह कागजों पर जांच दिखाकर मामले को दबा दिया जाएगा?



गुजरात के हेल्थ सिस्टम को सबसे बड़ा झटका, ऑर्गनाइज़र पर गंभीर सवाल!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात की पॉलिटिक्स और हेल्थ डिपार्टमेंट से एक शर्मनाक और सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसे देखकर पूरे सिस्टम पर सवालिया निशान लग गए हैं। गंभीर आरोप लगे हैं कि राज्य के हेल्थ मिनिस्टर ने एक ऐसे व्यक्ति को सरेआम सम्मानित किया, जिसकी चर्चा फर्जी डॉक्टर के तौर पर हो रही है। सवाल यह है कि क्या यह सम्मान स्टेज पर बैठे ज़िम्मेदार मंत्रियों की आंखों में धूल झोंककर दिया गया, या फिर मोटी रकम देकर यह अवॉर्ड 'बेचा' गया? जैसे ही यह पूरी घटना सामने आई, ऑर्गनाइज़र चारों तरफ से घिर गए और विवाद बढ़कर दिल्ली तक पहुंच गया।



मिली जानकारी के मुताबिक, हाल ही में मेडिकल फील्ड से जुड़ा एक सम्मान समारोह रखा गया था। इस बड़े फोरम में एक डॉक्टर को राज्य के हेल्थ मिनिस्टर ने सम्मानित किया। लेकिन, इस सम्मान के कुछ ही देर में अंदर से चौंकाने वाली बातें सामने आने लगीं। क्या जिस व्यक्ति को सम्मानित किया गया, उसके पास सच में कोई असली मेडिकल डिग्री है? और उसकी प्रैक्टिस या बैकग्राउंड क्या है? उसे सवालों के बादल ने घेर लिया। सोशल मीडिया और मेडिकल की दुनिया में यह चर्चा शुरू हो गई कि क्या यह 'फर्जी डॉक्टर' पैसों के लेन-देन से या किसी ताकतवर एडमिनिस्ट्रेशन की ताकत से मंत्री तक पहुंचा था? अगर यह सच है, तो इस तरह से अपने फायदे के लिए सरकारी फोरम का गलत इस्तेमाल कितना खतरनाक है?

सरकार के खिलाफ विरोध या प्रदर्शन किया तो नहीं मिलेगी सरकारी नौकरी!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने राज्य में सरकारी नौकरियों की भर्ती और पॉलिसी में इतना बड़ा और विवादित बदलाव किया है, जिससे राजनीतिक और सामाजिक हलकों में भारी हलचल मच गई है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सरकारी नौकरी भर्ती नियमों में किए गए नए बदलाव के अनुसार, अगर कोई युवा उम्मीदवार सरकार के खिलाफ विरोध, आंदोलन या किसी विवादित गतिविधियों में शामिल होता है या पुलिस वेरिफिकेशन में उसके खिलाफ किसी विरोध का रिकॉर्ड है, तो उसे सरकारी नौकरियों के लिए अयोग्य माना जाएगा और उसे नौकरी नहीं मिलेगी। सरकार के इस नए पॉलिसी फैसले के पीछे तर्क यह है कि सरकारी सेवाओं में शामिल होने वाले युवा अनुशासित और कानून का पालन करने वाले हों। हालांकि, जैसे ही यह फैसला सामने आया, पूरे देश और खासकर उत्तर प्रदेश की राजनीति में भारी हंगामा मच गया। विपक्षी पार्टियों ने सरकार के इस कदम को एंटी-डेमोक्रेटिक और तानाशाही बताया है। विपक्षी पार्टियां इन नए नियमों के खिलाफ आक्रामक मूड में आ गई हैं। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पार्टी ने उत्तर प्रदेश सरकार के इस फैसले की कड़ी आलोचना की है। समाजवादी पार्टी लीडरशिप ने आरोप लगाया है कि BJP सरकार युवाओं की आवाज दबाने और शांति से विरोध करने के उनके बुनियादी अधिकारों को छीनने के लिए ऐसे काले कानून ला रही है।

वडोदरा के चार दरवाज़ा इलाके में दिल दहला देने वाली ट्रिपल सुसाइड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। संस्कारी शहर वडोदरा के बीचों-बीच रूद रोड पर चार दरवाज़ा इलाके में नरसिंहजी की पोल के पास दला पटेल की पोल में एक बहुत ही चौंकाने वाली और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक ही परिवार के तीन सदस्यों ने एक साथ सुसाइड कर लिया, जिससे पूरे पोल और वडोदरा शहर में गहरा मातम छा गया। दो दिन से घर बंद होने के बाद दरवाजा तोड़ा गया तो तीनों की लाशें मिलीं। जांच की जानकारी के मुताबिक, डाला पटेल की 50 साल की मां आरतीबेन सोनी, उनका 24 साल का बेटा नीलकंठ सोनी और 22 साल की बेटी जेनी (झलक) सोनी पिछले दो दिनों से घर के बाहर नहीं दिखे। उनका तीन मंजिला घर लगातार अंदर से बंद रहता था और उसमें से बदबू आने लगी, तो आस-पास के लोगों और रिश्तेदारों को शक हुआ। आस-पास के लोगों ने तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम को खबर दी। सिटी पुलिस और जोन-4 के DCP समेत पुलिस की एक बड़ी टीम FSL टीम के साथ मौके पर पहुंची। दरवाजा तोड़कर अंदर चेक करने पर तीनों सदस्य घर में अलग-अलग जगहों पर लटके हुए मिले इस घटना के पीछे सबसे दुखद बात यह है कि परिवार के मुखिया चेतनभाई सोनी की करीब एक से दो साल पहले अचानक हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। पिता की मौत के बाद उनका बेटा नीलकंठ सोनी कनाडा से भारत लौट आया था और परिवार का बिजनेस और आयुर्वेदिक हॉस्पिटल संभाल रहा था। जिस दिन यह चौंकाने वाली घटना हुई, उसी दिन स्वर्गीय चेतनभाई सोनी का जन्मदिन भी था, इसलिए परिवार इमोशनल हो गया और पिता के जन्मदिन पर ही यह गंभीर कदम उठा लिया। पुलिस ने शुरुआती जांच की है कि परिवार ने ऐसा आखिरी कदम क्यों उठाया। सिटी पुलिस की जांच के दौरान, घर के अंदर बैंकिंग और फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन से जुड़े कुछ डॉक्यूमेंट मिले, जिसमें कार लोन का बकाया चुकाने का नोटिस भी शामिल है।



अहमदाबाद रूरल SOG की बड़ी कार्रवाई: बगोदरा के कनोतर गांव में एक घर से कोडीन वाली कफ सिरप की 600 बोतलें ज़ब्त की गईं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद रूरल पुलिस ने गुजरात के युवाओं को बर्बाद करने के लिए ड्रग्स और बैन ड्रग्स का काला धंधा करने वाले लोगों पर बड़ी कार्रवाई की है। एक टिप-ऑफ पर कार्रवाई करते हुए, अहमदाबाद रूरल स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप और एंटी-नारकोटिक्स विंग ने बगोदरा इलाके के बावला तालुका के कनोतर गांव में अचानक छापा मारा और लाखों रुपये की ड्रग कोडीन वाली कफ सिरप ज़ब्त की। इस कार्रवाई से तस्करों और ड्रग्स के धंधे में शामिल लोगों में काफी कन्फ्यूजन है। घर में बड़ी मात्रा में ड्रग्स छिपाई गई थी मिली जानकारी के मुताबिक, अहमदाबाद रूरल स्क्वॉड टीम को खास जानकारी मिली थी कि बगोदरा इलाके के कनोतर गांव का रहने वाला अमृत प्रभुभाई राठौर अपने घर में गैर-कानूनी तरीके से बड़ी मात्रा में कोडीन वाला कफ सिरप छिपाकर



रखा है। इस सिरप का इस्तेमाल आम बीमारियों के लिए नहीं बल्कि नशे के लिए किया जाना था और इसे ऊंचे दाम पर बेचा जाना था। जानकारी के आधार पर, SOG टीम ने सरकारी पंचायतों और FSL टीम के साथ मिलकर जानकारी देने वाले के घर पर छापा मारा। पुलिस जांच के दौरान घर में रखे तीन बैग में कुल 600 बोतल बैन कोडीन कफ सिरप मिला। पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला कि जब्त कफ सिरप का इस्तेमाल नशे के लिए ड्रग्स के विकल्प के तौर पर किया जा रहा था। पुलिस ने मौके से कुल 1,28,800 रुपये नकद जब्त किए हैं, जिसमें 600 बोतल कफ सिरप (कीमत करीब 1,18,800 रुपये) और एक मोबाइल फोन (कीमत 10,000 रुपये) शामिल है। गिरफ्तार आरोपी अमृत प्रभुभाई राठौड़ के खिलाफ बगोदरा पुलिस स्टेशन में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट की धारा 8, 21 और 29 के तहत गंभीर मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। इस काले नेटवर्क की जड़ तक पहुंचने के लिए पुलिस की गहन जांच जारी है। आरोपियों को इतनी बड़ी मात्रा में कफ सिरप कहां से मिला? इस सप्लाई चेन के पीछे और कौन से बड़े लोग शामिल हैं? और यह मात्रा किन इलाकों में बेची जानी थी? इन सभी दिशाओं में अहमदाबाद ग्रामीण SOG द्वारा गहन जांच की गई है।

जीवराज चौकी के PSI दरबार साहेब इलाके में कानून का उल्लंघन LIVE: अपराधियों को खुली छूट और मामले में घूमते बेगुनाह नागरिकों को फंसाने की धमकी?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। स्मार्ट सिटी अहमदाबाद के पश्चिमी हिस्से में कानून और व्यवस्था की हालत कितनी खराब हो गई है, इसका एक जीता-जागता और चौंकाने वाला सबूत सामने आया है। वासना इलाके के मशहूर मालव लेक गार्डन से एक पब्लिक जगह पर खुलेआम शराब पार्टी का वीडियो वायरल हुआ है, जिससे पूरे शहर में भारी हंगामा मच गया है। जहां गांधी परिवार गुजरात में शराबबंदी को सख्ती से लागू करने के बड़े-बड़े दावे कर रहा है, वहीं अहमदाबाद के बीचों-बीच एक पब्लिक गार्डन में चल रही एक शानदार शराब पार्टी और डिनर गेम के वीडियो ने पुलिस सिस्टम की नींद उड़ा दी है। ायरल वीडियो की डिटेल्स के मुताबिक, वासना के मालव तालाब गार्डन के अंदर कुछ एंटी-सोशल एलिमेंट्स बिना किसी डर के खुलेआम शराब का मज़ा ले रहे हैं। इतना ही नहीं, गार्डन के पवित्र और पब्लिक माहौल में शराब पीते हुए मौके पर खाना बनाने (पकाने) के सीन कैमरे में कैद



हुए हैं। जिस गार्डन में सुबह-शाम बच्चे खेलते हैं, औरतें और बुजुर्ग ताज़ी हवा और टहलने आते हैं, वह गैंगस्टर्स का अड्डा बन गया है, जिससे जागरूक नागरिक परेशान हैं। यह पूरा मामला सीधे जीवराज चौकी के PSI दरबार साहिब के अधिकार क्षेत्र में आता है। आम तौर पर लोग चर्चा करते हैं कि 'PSI दरबार साहिब कानून को सख्ती से लागू करते हैं और किसी भी क्रिमिनल को नहीं छोड़ते।' लेकिन अगर मालव तालाब में, जो उनकी ही पोस्ट की हद में है, ऐसी खुलेआम शराब पार्टियां हो रही हैं, तो क्या यह ठंडा डर सिर्फ कागज़ों पर है? क्या जीवराज चौकी या वासना पुलिस स्टेशन को पुलिस की नाक के नीचे चल रहे इन गैर-कानूनी कामों की जानकारी नहीं थी? या वे जानबूझकर आंखें मूंदे हुए थे? लोग अब ऐसे कई तीखे सवाल पूछ रहे हैं। इस मामले में सबसे चौंकाने वाला और विवादित मोड़ स्थानीय निवासियों के आरोपों से आया है। मालव झील के आसपास रहने वाले और रेगुलर टहलने वालों ने आरोप लगाया है कि जब वे इन असामाजिक तत्वों और बगीचे में चल रही गलत हरकतों के बारे में बताने जाते हैं, तो वासना पुलिस स्टेशन के PSI दरबार साहेब अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय, बेगुनाह टहलने वालों को झूठे मामलों में फंसाने की धमकी देते हैं! अगर स्थानीय लोगों के ये आरोप सच हैं, तो अहमदाबाद पुलिस के लिए इससे ज़्यादा शर्मनाक कुछ नहीं हो सकता। जब गार्ड ही शिकारी बन जाएं, अपराधियों को पनाह दें और कानून का पालन करने वाले नागरिकों को धमकाएं, तो जनता न्याय के लिए कहां जाए?

कागज़ों पर शराब बैन के दावों की पोल खुली जामनगर में BJP की महिला पार्षद के बेटे के गोदाम से 53.78 लाख रुपये की विदेशी शराब ज़ब्त की गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। हाईवे पर खुलेआम चल रहे खेल पर पुलिस की कार्रवाईः भारी मात्रा में 19,522 बोतलें ज़ब्त करने के बाद पार्षद के बेटे हितेश उर्फ वंगा समेत 10 शराब तस्कर फरार हो गए। पक्को गुजरात न्यूज़, जामनगरः गुजरात में शराब बैन को सख्ती से लागू करने के दावे कैसे कागज़ों पर सिर्फ़ दिखावा साबित हो रहे हैं, इसका एक और जीता-जागता और चौंकाने वाला उदाहरण जामनगर से सामने आया है। सत्ता के नशे में चूर, कानून तोड़कर शराब पीने वाले अब बेलगाम हो गए हैं, और इसकी पुष्टि तब हुई जब सत्ताधारी पार्टी BJP की एक महिला पार्षद के बेटे के गोदाम से लाखों रुपये की विदेशी शराब ज़ब्त की गई। इस घटना ने पूरे राज्य की राजनीति और पुलिस फोर्स में बड़ा भूचाल ला दिया है। क्या है पूरी घटना? पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी और डिटेल्स के मुताबिक, जामनगर-राजकोट हाईवे पर मानसी होटल के पीछे के इलाके में एक गोदाम है। लोकल पुलिस को जानकारी मिली



कि इस गोदाम में बड़ी मात्रा में विदेशी शराब की पेटियां काटी (अनलोड) जा रही हैं। जानकारी के आधार पर पुलिस ने तुरंत इस गोदाम पर छापा मारा। जब पुलिस ने अचानक छापा मारा तो वहां शराब की पेटियां उतारने का काम चल रहा था। पुलिस ने हैरानी की बात है कि मौके से कुल 19,522 बोतल विदेशी शराब जब्त की है, जिसकी मार्केट में कीमत 53.78 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस की शुरुआती जांच में हुए खुलासों ने सबको चौंका दिया है। इस बड़े गोदाम और इस काले शराब के कारोबार का मास्टरमाइंड कोई और नहीं बल्कि जामनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के वार्ड नंबर 10 की BJP महिला कॉर्पोरेटर मंजूबेन बांभानिया का बेटा हितेश उर्फ ??वंगा है। सत्ताधारी पार्टी के एक पदाधिकारी के परिवार से इतने बड़े और करोड़ों के अवैध शराब के कारोबार के पकड़े जाने के बाद अब राजनीतिक गलियारों में काफी चर्चा और विवाद हो गया है। सवाल उठ रहे हैं कि क्या सत्ता की आड़ में इस तरह का बेलगाम अवैध शराब का धंधा चल रहा था? क्या स्थानीय प्रशासन और पुलिस को इसकी जानकारी नहीं थी या वे जानबूझकर आंखें मूंदे हुए थे? पुलिस की छापेमारी के दौरान अंधेरे का फायदा उठाकर और पुलिस को देखकर पार्षद के बेटे हितेश उर्फ ??वंगा समेत कुल 10 आरोपी मौके से भागने में कामयाब हो गए। पुलिस ने इस मात्रा में शराब के साथ गाड़ियों और अन्य सामान को जब्त कर लिया है और मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल, जामनगर पुलिस ने मुख्य मास्टरमाइंड हितेश उर्फ वंगो और उसके साथियों को गिरफ्तार करने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है

वडोदरा में बेकरी प्रोडक्ट्स ज़हरीले होते जा रहे हैं: तंडालजा में 'सुपर बेकर्स' के सीलबंद आटा ब्रेड से मक्खियां निकलने पर हंगामा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा सांस्कृतिक शहर माने जाने वाले वडोदरा शहर में क्या खाने के प्रोडक्ट्स की क्वालिटी सिर्फ कागजों पर ही बनी रहती है? यह सवाल एक बार फिर गंभीर रूप से उठा है। आम नागरिक, अपनी और अपने परिवार की सेहत की चिंता करते हुए ब्रांडेड और पौष्टिक खाने पर भरोसा करते हैं, लेकिन फूड मैन्युफैक्चरर्स इस भरोसे को कैसे चकनाचूर कर रहे हैं, इसका एक जीता-जागता और चौंकाने वाला उदाहरण तंडालजा इलाके से सामने आया है। एक जागरूक कस्टमर द्वारा खरीदे गए ब्रेड के सीलबंद पैकेट से कीड़े और मरी हुई मक्खियां निकलने की इस घटना ने न सिर्फ परिवार बल्कि वडोदरा के पूरे फूड सेफ्टी सिस्टम की पोल खोल दी है। इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों में काफी गुस्सा और गुस्सा है। पूरी घटना की डिटेल्ड जानकारी क्या है? लोकल सोर्स से मिली जानकारी और डिटेल्स के मुताबिक, तंडालजा इलाके में रहने वाले एक नागरिक ने अपने घर के पास एक लोकल किराना स्टोर से 'सुपर बेकर्स' कंपनी का 'आटा होल व्हीट ब्रेड' का पैकेट अपने रोज़ाना इस्तेमाल के लिए खरीदा था। क्योंकि ब्रेड को न्यूट्रिशियस होने के दावे के साथ बेचा जा रहा था, इसलिए कस्टमर ने उस पर भरोसा कर लिया। लेकिन, जब परिवार घर पहुंचा और नाश्ते के लिए इस पैकेट को खोलने की तैयारी की और प्लास्टिक रैपर से ब्रेड को देखा, तो सब हैरान रह गए। सीलबंद पैकेट के अंदर ब्रेड के एक स्लाइस के साथ एक मक्खी साफ दिख रही थी, जो ज़िंदा नहीं बल्कि मरी हुई थी और ब्रेड के अंदर फंसी हुई थी। पैकेट खोले बिना अंदर मक्खी को देखकर परिवार डर गया कि अगर अनजाने में यह ब्रेड खा ली गई होती, तो इसके हेल्थ पर कितने गंभीर असर होते! प्रोडक्शन यूनिट में गंदगी और सफाई इस घटना ने साबित कर दिया है कि शहर में चल रही कुछ बेकरी और फूड मैन्युफैक्चरिंग यूनिट में सफाई और सैनिटेशन के स्टैंडर्ड्स को नज़रअंदाज़ किया जा रहा है। इस पैकेट को फैक्ट्री ने पूरी तरह से सील किया हुआ था, जिसका सीधा मतलब है कि यह मक्खी दुकान से या बाहर से नहीं गई, बल्कि अजवा रोड पर मौजूद फैक्ट्री में जब प्रोडक्ट बनाया और पैक किया जा रहा था, तो बड़ी लापरवाही हुई।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कैबिनेट के 19 ऐतिहासिक जनकल्याणकारी फैसले : दक्ष वैद्य साहू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश सह प्रभारी एवं हिंद सेना यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष दक्ष वैद्य साहू ने इन ऐतिहासिक फैसलों के लिए मुख्यमंत्री एवं पूरे कैबिनेट का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि साय सरकार ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि यह सरकार गरीबों, किसानों, जवानों एवं मजदूरों की सरकार है। श्री साहू जी ने कहा कि सरकार ने 15 नवम्बर से 21 रुपए प्रति एकड़ की दर से धान खरीदने का ऐतिहासिक फैसला लेकर 27 लाख से ज्यादा अन्नदाताओं को बड़ी सौगात दी है। साथ ही कृषक उन्नति योजना के तहत प्रति एकड़ आदान सहायता देकर फसल विविधीकरण को बढ़ावा दिया है। वहीं, घरेलू बिजली कंज्यूमर्स के लिए एम-ऊर्जा योजना के तहत राहत मार्च 2027 तक 7.25 लाख परिवारों तक बढ़ा दी गई है। कैबिनेट ने सरकारी कर्मचारियों और उनके डिपेंडेंट परिवारों के लिए कैशलेस मेडिकल सुविधा लागू करने का भी ऐतिहासिक फैसला लिया है, जिससे कर्मचारियों को गंभीर बीमारी होने पर अब पैसे की तंगी का सामना नहीं करना पड़ेगा। इसके साथ ही, राज्य के इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए 500 करोड़ का चीफ मिनिस्टर इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन, टूरिज्म को ग्लोबल मैप पर स्थापित करने के लिए 500 करोड़ का चीफ मिनिस्टर टूरिज्म डेवलपमेंट मिशन और स्पोर्ट्स टैलेंट को डेवलप करने के लिए 100 करोड़ का चीफ मिनिस्टर खेल उत्कर्ष मिशन शुरू करने का फैसला दूर की सोच को दिखाता है। श्री साहू ने कहा कि बस्तर से सरगुजा तक कनेक्टिविटी मजबूत करने के लिए 8000 करोड़ रुपये की लागत वाली 295 किलोमीटर लंबी कटघोरा-डोंगरगढ़ रेल परियोजना, सड़क निर्माण में डामर की बढ़ती कीमतों से जूझ रहे ठेकेदारों को राहत, राजनांदगांव में 400 करोड़ रुपये की मल्टी-फ्रूट



प्रोसेसिंग सुविधा, औद्योगिक विकास के लिए कोल गैसीफिकेशन को विशेष बढ़ावा, नगर पंचायत कुंरा का नाम बदलकर कुंवरगढ़ करने और इससे जुड़े जनहित के 9 राजनीतिक केस वापस लेने जैसे फैसलों से यह साफ है।

सुरक्षित बचपन अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, श्री विजय कुमार होता जी के मार्गदर्शन में तथा तालुका विधिक सेवा समिति/न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, छुईखदान, श्रीमती श्वेता पटेल के द्वारा दिनांक 26.10.2026 को स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल, छुईखदान में 'सुरक्षित बचपन अभियान' के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्रीमती श्वेता पटेल ने बच्चों को पोक्सो अधिनियम, 2012 के प्रावधानों के संबंध में जागरूक करना, गुड टच एवं बैड टच के बारे में जानकारी प्रदान करना तथा बच्चों की सुरक्षा एवं संरक्षण के उपायों से अवगत कराना था। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को पोक्सो अधिनियम, 2012 के अंतर्गत बाल यौन शोषण से बचाव, अधिकार एवं कानूनी उपचारों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। बच्चों को गुड टच व बैड टच की पहचान, स्वयं की सुरक्षा, तथा ऐसे कृत्य होने पर बिना संकोच शिकायत करने हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में चाइल्डलाइन हेल्पलाइन 1098 के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि किसी भी बालक/बालिका के साथ दुर्व्यवहार, शोषण या आपात स्थिति में 24&7 निःशुल्क सेवा हेतु 1098 पर संपर्क किया जा सकता है। साथ ही जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजनंदगांव द्वारा निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराये जाने की जानकारी दी गई। इच्छुक व्यक्ति/परिजन तालुका विधिक सेवा समिति, छुईखदान व नालसा टोल फ्री नंबर 15100 में संपर्क कर निःशुल्क कानूनी परामर्श एवं सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर विधिक सेवा समिति छुईखदान के पी. एल. व्ही श्री सनील कुमार, स्कूल के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन बच्चों को उनके अधिकारों एवं सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने के संदेश के साथ किया गया।

प्रयास आवासीय विद्यालय की चौथी चयन सूची में साल्हेवारा के शनि शुक्ला एवं हाबिल चौहान का चयन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साल्हेवारा। प्रतिभा जब परिश्रम से मिलती है और उसे उचित मार्गदर्शन का संबल मिलता है, तो सफलता की नई इबारत लिखी जाती है। कुछ ऐसा ही गौरवपूर्ण क्षण वनांचल साल्हेवारा के लिए सामने आया है। प्रयास आवासीय विद्यालय की चौथी चयन सूची में साल्हेवारा के दो होनहार विद्यार्थियों शनि शुक्ला, पिता श्री दिलीप शुक्ला एवं हाबिल चौहान, पिता श्री दीपक चौहान का चयन होने की जानकारी सामने आने से क्षेत्र में हर्ष, उल्लास और उत्साह का वातावरण है। दोनों विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से परिजनों, मित्रों, शुभचिंतकों और शिक्षा जगत से जुड़े लोगों में खुशी की लहर है। यह सफलता न केवल दोनों परिवारों के लिए गौरव का विषय है, बल्कि साल्हेवारा के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का संदेश है कि निरंतर मेहनत, अनुशासन और सही दिशा में किया गया प्रयास सफलता के द्वार खोल सकता है। शनि शुक्ला शुरू से ही पढ़ाई में अव्वल रहने वाला मेधावी विद्यार्थी रहा है। उसकी इस उपलब्धि ने परिवार की खुशियों को कई गुना बढ़ा दिया है। पिता दिलीप शुक्ला, माता ऊषा शुक्ला, दादा राम अवतार शुक्ला, भाई हिमांशु शुक्ला एवं रोहित शुक्ला सहित समस्त परिजन अत्यंत प्रसन्न और आनंदित हैं। परिवार की लाड़ली भतीजी तृषा शुक्ला सहित अन्य पारिवारिक सदस्यों के लिए भी यह उपलब्धि अपार खुशी और गर्व का अवसर बनी है। परिवार के लिए यह केवल चयन की खबर नहीं, बल्कि शनि की मेहनत, लगन और उज्ज्वल भविष्य की दिशा में बढ़ते कदमों का सुखद परिणाम है।

शिक्षा के प्रति समर्पण को नमनः प्रधान पाठक प्रदीप उइके को भावभीनी विदाई, संकुल परिवार ने सम्मान के साथ दी विदाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साल्हेवारा। शिक्षा के क्षेत्र में वर्षों तक अपनी सेवाएँ समर्पित करने वाले सेवानिवृत्त प्रधान पाठक श्री प्रदीप उइके का विदाई एवं सम्मान समारोह 24 अक्टूबर 2026 को प्राथमिक शाला कोसमर्रा में भावुक, गरिमामय और आत्मीय वातावरण में आयोजित किया गया। संकुल रामपुर परिवार के तत्वावधान में आयोजित इस समारोह में ग्राम पंचायत कोसमर्रा, ग्रामवासियों, विद्यार्थियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं सहकर्मियों ने उनकी शैक्षणिक सेवाओं, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण को याद करते हुए उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया। समारोह में संकुल प्राचार्य श्री पटेल ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में श्री उइके के साथ बिताए कार्यकाल के अनुभवों को साझा किया। उन्होंने शिक्षा के प्रति उनकी लगन, कार्यशैली और समर्पित भाव की सराहना करते हुए कहा कि एक शिक्षक का योगदान केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं होता, बल्कि वह विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण और समाज के भविष्य को दिशा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वहीं, संकुल समन्वयक श्री मनोज मरकाम ने श्री उइके के शिक्षा जगत से जुड़े जीवन, उनके त्याग, सेवाभाव और समर्पण का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया। उनके सेवाकाल को याद करते हुए उपस्थितजनों ने उनके योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। समारोह के दौरान संकुल परिवार की ओर से श्री उइके को श्रीफल, शाल एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी की उपस्थिति ने कार्यक्रम को पारिवारिक आत्मीयता भी प्रदान की। कार्यक्रम में संकुल के व्याख्याताओं, प्रधान पाठकों एवं शिक्षक साथियों के साथ ग्राम पंचायत के सरपंच, पंचगण, ग्रामवासी तथा श्री उइके से शिक्षा प्राप्त कर चुके विद्यार्थी भी उपस्थित रहे। आमगांव संकुल समन्वयक श्री खुशरो, श्री एम.एस. मरकाम एवं प्रधान पाठक श्री विनेश बांसरी सहित अन्य गणमान्यजनों की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन की शोभा बढ़ाई। समारोह का मंच संचालन संकुल समन्वयक श्री मनोज मरकाम ने किया। कार्यक्रम की समाप्ति के बाद ग्रामवासियों एवं शिक्षक साथियों ने बाजे-गाजे के साथ श्री प्रदीप उइके को उनके निज निवास तक ससम्मान पहुँचाया। यह आत्मीय विदाई उनके प्रति सहकर्मियों और ग्रामीण समुदाय के स्नेह, आदर तथा कृतज्ञता का प्रतीक बनी।

कोयली पुलिस चौकी के बाहर पटाखे फोड़कर और केक काटकर जन्मदिन मनाने का वीडियो वायरल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। सांस्कृतिक शहर वडोदरा में पुलिस डिपार्टमेंट के कानून-व्यवस्था के दावों पर एक बार फिर गंभीर सवाल उठे हैं। वडोदरा शहर में मानो कानून का कोई डर नहीं है, असामाजिक तत्व और बेकाबू युवा अब पुलिस चौकी की बाहरी सीमा से बाहर नहीं निकल रहे हैं। वडोदरा में कोयली पुलिस चौकी के ठीक बाहर पटाखे फोड़कर और केक काटकर सरेआम जन्मदिन मनाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसने पुलिस की काबिलियत पर बहस छेड़ दी है। मिली जानकारी के मुताबिक, वडोदरा के कोयली पुलिस चौकी इलाके में एक आदमी का जन्मदिन उसके दोस्तों ने अनोखे और गैर-कानूनी तरीके से मनाया। इन युवकों ने पुलिस पोस्ट के ठीक बाहर अपनी गाड़ियां खड़ी कीं और सबके सामने एक बड़ा केक काटा और पटाखे फोड़े और खूब हंगामा किया। क्या पुलिस पोस्ट के अंदर बैठे स्टाफ या बाहर मौजूद एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम को इसकी भनक तक नहीं लगी या उन्होंने जानबूझकर आंखें मूंद लीं, यह एक बड़ा सवाल है। पुलिस पोस्ट या पुलिस स्टेशन को आम तौर पर सुरक्षा, शांति और कानून लागू करने का प्रतीक माना जाता है।



अजमेर दरगाह में पंजाब के 50 जायरीनों ने चढ़ाई चादर, अमिताभ बच्चन की सेहत के लिए मांगी दुआ



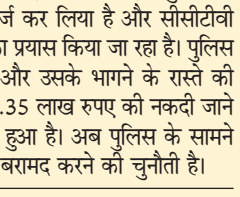
महानगर मेट्रो ब्यूरो

अजमेर। ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह में गुरुवार को पंजाब के होशियारपुर से पहुंचे 50 जायरीनों ने मखमली चादर और अकीदत के फूल पेश किए। इस दौरान उन्होंने बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन की अच्छी सेहत और लंबी उम्र के लिए विशेष दुआ मांगी। साथ ही देश में अमन-चैन, शांति और भाईचारा कायम रहने की अरदास की। जायरीनों ने ख्वाजा गरीब नवाज की मजार पर चादर चढ़ाकर जियारत की और सभी लोगों की सलामती तथा खुशहाली की कामना की। दरगाह में इस दौरान जायरीनों ने अपनी आस्था प्रकट करते हुए देश में शांति और सद्भाव बनाए रखने की दुआ की। पंजाब से आए जायरीनों को बॉलीवुड खादिम सैयद कुतुबुद्दीन सखी ने दरगाह में जियारत करवाई। जायरीनों ने मजार पर चादर और फूल पेश कर अपनी अकीदत जाहिर की। जियारत के बाद खादिम की ओर से जायरीनों की दस्तारबंदी की गई और उन्हें तबर्रुक भेंट किया गया। होशियारपुर से आईं जायरीन बेबी ने बताया कि वे ख्वाजा गरीब नवाज के दरबार में सभी की सलामती और खुशहाली की दुआ मांगने पहुंची हैं। उन्होंने अमिताभ बच्चन की अच्छी सेहत और लंबी उम्र की कामना करते हुए उनके जल्द स्वस्थ और तंदुरुस्त रहने की दुआ की। बेबी ने कहा कि उनकी अरदास केवल अभिनेता की सेहत तक सीमित नहीं है, बल्कि वे देश के सभी लोगों की खुशहाली और सुरक्षा की भी कामना करती हैं। जायरीनों ने दरगाह में देश में शांति, आपसी भाईचारे और सद्भाव का माहौल बनाए रखने की भी प्रार्थना की। उनकी इस यात्रा में आस्था के साथ-साथ समाज में अमन-चैन और सभी लोगों की सलामती का संदेश भी प्रमुख रहा।

जोधपुर में ट्रेवल एजेंसी का गेट तोड़कर 2.35 लाख रुपए चोरी, 7 मिनट में वारदात कर बाइक से फरार हुआ चोर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। शहर के उदयमंदिर थाना क्षेत्र में ट्रेवल एजेंसी के कार्यालय में चोरी का मामला सामने आया है। यहां एक युवक ने कार्यालय का गेट तोड़कर काउंटर के गल्ले में रखे 2 लाख 35 हजार रुपए चोरी कर लिए। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी कार्यालय से बाहर निकला और पैदल मोहनपुरा पुलिया की तरफ चला गया। वहां उसका साथी बाइक लेकर पहले से इंतजार कर रहा था। इसके बाद दोनों बाइक पर सवार होकर रातानाड़ा की तरफ फरार हो गए। चोरी की पूरी वारदात आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, हाजी बिल्डिंग, स्टेशन रोड निवासी अब्दुल राहिल ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। उनकी मिनर्वा सेंटर के सामने ताज ट्रेवलर्स के नाम से ट्रेवल एजेंसी है, जिसे वे पिछले 13 साल से संचालित कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 24 अक्टूबर की रात करीब 10:51 बजे अब्दुल राहिल कार्यालय को लॉक करके चाय पीने के लिए बाहर गए थे। उन्हें उम्मीद नहीं थी कि कुछ ही देर में कार्यालय में चोरी हो जाएगी। अब्दुल राहिल जब चाय पीकर कार्यालय वापस पहुंचे तो दरवाजे की हालत देखकर हैरान रह गए। कार्यालय का दरवाजा टूटा हुआ था। अंदर जाकर जांच करने पर काउंटर के गल्ले में रखी नकदी गायब मिली। इसके बाद उन्होंने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी, जिसमें एक युवक कार्यालय में घुसकर चोरी करता दिखाई दिया। फुटेज के आधार पर पता चला कि आरोपी ने पहले दरवाजा तोड़ा और फिर अंदर घुसकर नकदी पर हाथ साफ किया। सीसीटीवी फुटेज के मुताबिक, टोपी पहने युवक ने वारदात को अंजाम देने के लिए करीब सात मिनट कार्यालय के अंदर बिताए। इस दौरान उसने काउंटर का गल्ला तोड़ा और उसमें रखे 2 लाख 35 हजार रुपए निकाल लिए। नकदी समेटने के बाद वह कार्यालय से बाहर निकला और पैदल मोहनपुरा पुलिया की तरफ बढ़ गया। वारदात को अंजाम देने के लिए आरोपी ने ऐसा समय चुना, जब कार्यालय संचालक चाय पीने के लिए बाहर गया हुआ था। पुलिस में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार, कार्यालय से निकलने के बाद आरोपी मोहनपुरा पुलिया की तरफ गया, जहां उसका एक साथी बाइक लेकर पहले से मौजूद था। दोनों वहां से बाइक पर सवार होकर रातानाड़ा की दिशा में निकल गए। इससे आशंका जताई जा रही है कि वारदात के दौरान आरोपी को बाहर से मदद मिल रही थी। हालांकि, आरोपियों की पहचान और उनकी भूमिका की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी। घटना के बाद अब्दुल राहिल ने उदयमंदिर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। रिपोर्ट में एक युवक पर शक जताया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस वारदात के दौरान युवक की गतिविधियों और उसके भागने के रास्ते की जांच कर रही है। चोरी की इस घटना में 2.35 लाख रुपए की नकदी जाने से एजेंसी संचालक को आर्थिक नुकसान हुआ है। अब पुलिस के सामने आरोपियों की पहचान कर चोरी की रकम बरामद करने की चुनौती है।



राजस्थान में कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 3% बढ़ाने की तैयारी, दिवाली बोनस भी मिलेगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान सरकार राज्य कर्मचारियों और पेंशनर्स के महंगाई भत्ते (डीए) में 3 प्रतिशत बढ़ोतरी की तैयारी कर रही है। प्रस्तावित बढ़ोतरी के बाद डीए 60 प्रतिशत से बढ़कर 63 प्रतिशत हो सकता है। इसके साथ ही कर्मचारियों को दिवाली बोनस देने की भी तैयारी चल रही हैीए बढ़ाने और बोनस को लेकर वित्त विभाग में प्रक्रिया चल रही है। मुख्यमंत्री की मंजूरी मिलने के बाद इस संबंध में आदेश जारी किए जा सकते हैं। हालांकि, बढ़ोतरी और बोनस की आधिकारिक घोषणा होना अभी बाकी है। राजस्थान में करीब 8 लाख सरकारी कर्मचारी और 5.44 लाख पेंशनर्स हैं। प्रस्तावित बढ़ोतरी का लाभ राज्य कर्मचारियों के साथ पंचायत समितियों और जिला परिषदों के कर्मचारियों को भी मिल सकता है। इससे सरकारी खजाने पर करीब 1,500 करोड़ रुपये का अतिरिक्त आर्थिक भार पड़ने का अनुमान है इससे पहले अप्रैल में राज्य सरकार ने कर्मचारियों और पेंशनर्स का डीए 2 प्रतिशत बढ़ाकर 58 से 60 प्रतिशत किया था। अब केंद्र के अनुरूप फिर से बढ़ोतरी की तैयारी की जा रही है। यदि डीए में 3 प्रतिशत की वृद्धि होती है, तो वेतनमान के अनुसार कर्मचारियों को हर महीने करीब 500 से 4,500 रुपये तक अतिरिक्त लाभ मिल सकता है। वास्तविक बढ़ोतरी कर्मचारी के मूल वेतन और लागू नियमों पर निर्भर करेगी।



परेश धनाणी ने चुनावी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर उठाए सवाल, कांग्रेस नेताओं ने संगठनात्मक तैयारियों और अभियान की रणनीति पर की चर्चा

जालोर में 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान की बैठक, दिल्ली रैली में भागीदारी बढ़ाने पर जोर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से बुधवार शाम राजीव गांधी भवन में 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान के तहत बैठक आयोजित की गई। इसमें 1 नवंबर को दिल्ली में प्रस्तावित रैली में अधिक से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया। बैठक में एआईसीसी पर्यवेक्षक एवं गुजरात विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष परेश धनाणी, पूर्व मंत्री पुखराज पाराशर और जिला कांग्रेस अध्यक्ष रमिला मेघवाल सहित पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता ौजूद रहे। बैठक के बाद अभियान को लेकर प्रेस वार्ता भी आयोजित की गई।

बैठक में अभियान की रणनीति पर चर्चा

बैठक परेश धनाणी के मुख्य आतिथ्य, पूर्व मंत्री पुखराज पाराशर के विशिष्ट आतिथ्य और जिलाध्यक्ष रमिला मेघवाल की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान अभियान की गतिविधियों, संगठनात्मक तैयारियों और आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की गई। नेताओं ने कार्यकर्ताओं से अभियान के उद्देश्यों को आमजन तक पहुंचाने और संगठन को सक्रिय बनाने का आह्वान किया। साथ ही दिल्ली में प्रस्तावित रैली में अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

'वोट चोरी' के आरोपों पर भाजपा और चुनाव आयोग को घेरा

प्रेस वार्ता में परेश धनाणी ने कथित वोट चोरी के मुद्दे को लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास कर रही है और चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है। धनाणी ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने तथ्यों और साक्ष्यों के साथ इस मुद्दे को उठाकर चुनावी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने मतदाता सूचियों से नाम हटाने और अपनी पसंद के नाम जुड़वाने से जुड़े आरोपों का उल्लेख करते हुए कहा कि मतदाता सूची की निष्पक्षता और पारदर्शिता लोकतंत्र के लिए जरूरी है। हालांकि, बैठक में लगाए गए ये आरोप कांग्रेस नेताओं के बयान हैं।

मताधिकार की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने की बात

धनाणी ने कहा कि संविधान की शपथ लेने वाले लोगों की ओर से ही संविधान की भावना को कमजोर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक के वोट का समान महत्व है, चाहे वह गरीब हो या अमीर। मताधिकार जनता की ताकत है और इसकी रक्षा करना जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर अपना अभियान जारी रखेगी। बैठक में मौजूद नेताओं ने कार्यकर्ताओं से अभियान को जन-जन तक पहुंचाने और दिल्ली रैली को सफल बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। पार्टी की ओर से आगामी दिनों में संगठनात्मक स्तर पर तैयारियां तेज करने पर भी जोर दिया गया।



माउंट आबू में तेंदुए 'बघेरा' और भालू 'जामवंत' की अनोखी दोस्ती, साथ खेलते वीडियो ने खींचा लोगों का ध्यान

बचपन से साथ रह रहे दोनों वन्यजीव, आवाज लगाने पर पास आ जाते हैं बघेरा और जामवंत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। राजस्थान के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल माउंट आबू में इन दिनों तेंदुए और भालू का एक वीडियो लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। वीडियो में तेंदुआ और भालू एक-दूसरे के करीब नजर आ रहे हैं। दोनों की सहज मौजूदगी और साथ दिखाई देने वाले व्यवहार को देखकर लोग इस अनोखे मेल में दिलचस्पी ले रहे हैं। आमतौर पर जंगल में तेंदुए और भालू जैसे वन्यजीवों को अलग-अलग परिस्थितियों में देखा जाता है, लेकिन यहां दोनों को साथ देखकर लोगों के मन में उत्सुकता बढ़ गई है। मोगली वन के संचालक के अनुसार, तेंदुए का नाम बघेरा और भालू का नाम जामवंत है। दोनों बचपन से साथ रह रहे हैं और अक्सर एक-दूसरे के आसपास दिखाई देते हैं। संचालक का कहना है कि दोनों को लंबे समय से साथ देखने के कारण उनके व्यवहार और आपसी तालमेल से परिचित हैं। यही वजह है कि दोनों का साथ नजर आना यहां आने वाले लोगों के लिए आकर्षण का विषय बन जाता है। मोगली वन के संचालक ने बताया कि जब भी वे वहां जाते हैं और बघेरा को आवाज लगाते हैं, तो कुछ ही देर में तेंदुआ उनके पास आ जाता है। इसी तरह जामवंत भालू भी आवाज देने पर उनके करीब पहुंच जाता है। दोनों का इस तरह परिचित आवाज पर प्रतिक्रिया देना संचालक के लिए भी खास अनुभव है। उनके मुताबिक, दोनों अक्सर साथ खेलते दिखाई देते हैं, जिससे उनकी आपसी पहचान और लंबे समय से साथ रहने की आदत का पता चलता है। तेंदुए और भालू का यह वीडियो सोशल मीडिया पर लोगों की दिलचस्पी बढ़ा रहा है। वन्यजीवों के व्यवहार को लेकर उत्सुक रहने वाले लोग दोनों को एक साथ देखकर हैरानी जता रहे हैं। बघेरा और जामवंत की यह जोड़ी इसलिए भी चर्चा में है, क्योंकि दोनों अलग-अलग प्रजातियों के वन्यजीव होने के बावजूद लंबे समय से एक ही स्थान पर साथ रह रहे हैं। हालांकि, वीडियो में दिखाई देने वाले व्यवहार को सीधे तौर पर प्राकृतिक जंगलों में तेंदुए और भालू के सामान्य संबंधों का उदाहरण नहीं माना जा सकता। वन्यजीवों का व्यवहार उनके वातावरण, परिस्थितियों और आपसी परिचय के अनुसार अलग हो सकता है। फिर भी माउंट आबू के मोगली वन में बघेरा और जामवंत की यह अनोखी संगत लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।



जयपुर SMS अस्पताल में 62 वर्षीय मरीज के अंडकोष से निकाली विशाल गांठ, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए भेजा मामला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। सवाई मानसिंह अस्पताल में डॉक्टरों की टीम ने 62 वर्षीय मरीज के अंडकोष से करीब 153म140म80 मिलीमीटर की विशाल एपिडिडिमल सिस्ट निकाली है। दौसा निवासी मरीज जंगली राम मीणा पिछले पांच साल से इस गांठ से परेशान था। गांठ का आकार काफी बड़ा होने के कारण कई अस्पतालों में डॉक्टरों ने ऑपरेशन करने से इनकार कर दिया था। इसके बाद मरीज ने एसएमएस अस्पताल की ओपीडी में सर्जरी विभाग के डॉक्टरों से संपर्क किया। सर्जरी विभाग की अध्यक्ष डॉ. ऋचा जैन के अनुसार, मरीज की जांच के बाद गांठ के आकार और स्थिति का आकलन किया गया। इसके बाद डॉ. नरेंद्र शर्मा, डॉ. मोहम्मद साहिद, डॉ. ऐश्वर्या और डॉ. आशीष भारद्वाज की टीम ने 7 अक्टूबर को ऑपरेशन कर गांठ निकाल दी। सर्जरी के बाद मरीज की हालत में सुधार है और वह स्वस्थ है। डॉक्टरों का दावा है कि अंडकोष से इतनी बड़ी एपिडिडिमल सिस्ट निकालने का यह पहला मामला है। इसी दावे के आधार पर प्रकरण को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराने के लिए भेजा गया है। हालांकि, रिकॉर्ड में नाम दर्ज होने की आधिकारिक पुष्टि अभी सामने नहीं आई है।



40 विला-कॉटेज खरीदने-बेचने के स्कैम में सीनियर IAS शिखर अग्रवाल, एडमिनिस्ट्रेशन की नज़र!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान की पॉलिटिक्स और एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम में बड़े पैमाने पर करप्शन और आय से ज़्यादा संपत्ति का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसने पूरे देश के ब्यूरोक्रेट्स की नींद उड़ा दी है। एक बड़े और विवादित फैसले में, राजस्थान सरकार ने राज्य के सीनियर ट्रूस् ऑफिसर शिखर अग्रवाल को 28 अक्टूबर, 2026 को तुरंत प्रभाव से APO (वेटिंग फॉर पोस्टिंग ऑर्डर) पर डाल दिया है। सनसनीखेज रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक सीनियर IES ऑफिसर और उनके परिवार के सदस्यों पर अपने पद का इस्तेमाल करके करोड़ों रुपये की बेनामी प्रॉपर्टी खरीदने, बेचने और लीज़ पर देने का एक बड़ा नेटवर्क चलाने का आरोप लगा है। ढाई साल में 40 प्रॉपर्टी! करोड़ों रुपये का अंधाधुंध इन्वेस्टमेंट एजेंसियों से मिली जानकारी और रिपोर्ट के मुताबिक, IAS शिखर अग्रवाल और उनके परिवार के सदस्यों ने ढाई साल के कम समय में एक-दो नहीं बल्कि 40 महंगी प्रॉपर्टी (जिसमें शानदार विला और कॉटेज शामिल हैं) खरीदीं। अकेले इन प्रॉपर्टी की बुक वैल्यू करीब 6.16 करोड़ है! हैरानी की बात यह है कि सरकारी पॉलिसी और नियमों और ऑफिशियल इनकम लिमिट के बीच इतनी बड़ी संख्या में प्रॉपर्टी खरीदने के लिए करोड़ों रुपये का इन्वेस्टमेंट कहां से आया? यह सवाल फिलहाल जांच के सेंटर में है। घोटाले की डिटेल्स यहीं खत्म नहीं होतीं। इन विला और कॉटेज को खरीदने के बाद, अग्रवाल परिवार ने इन्हें ऊंचे दामों पर लीज पर देकर एक बड़ा रेवेन्यू मॉडल बनाया। रिपोर्ट के मुताबिक, वे इन 40 प्रॉपर्टी को किराए पर देकर हर साल 1.80 करोड़ की भारी रेंटल इनकम कमा रहे थे! एक तरफ देश का आम नागरिक अपनी पूरी ज़िंदगी एक छोटा सा घर बनाने या लोन चुकाने में लगा देता है.



जालोर में पंचायत चुनाव की सरगर्मियां तेज, पोषाणा में अनिरुद्ध देव सिंह निर्विरोध सरपंच निर्वाचित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर। पंचायतीराज चुनाव के तहत जिले में सरपंच और वार्डपंच पदों को लेकर चुनावी हलचल तेज हो गई है। सायला पंचायत समिति की पोषाणा ग्राम पंचायत में ग्रामीणों की आपसी सहमति से अनिरुद्ध देव सिंह को निर्विरोध सरपंच चुना गया है। खास बात यह है कि पंचायत के सभी 11 वार्डों में भी वार्डपंच निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। वहीं, जालोर पंचायत समिति की सियाणा, चांदना, वीरजी नगर और उम्मेदाबाद सहित अन्य ग्राम पंचायतों में सरपंच पद के लिए उम्मीदवारों के बीच मुकाबला होने की स्थिति बनी हुई है। पोषाणा ग्राम पंचायत में सरपंच पद के लिए अनिरुद्ध देव सिंह के साथ भैरू जैन ने भी नामांकन दाखिल किया था। बाद में भैरू जैन ने अनिरुद्ध देव सिंह के समर्थन में अपना नामांकन वापस ले लिया। इसके बाद अनिरुद्ध देव सिंह निर्विरोध सरपंच निर्वाचित हो गए। पंचायत के सभी 11 वार्डों में भी वार्डपंचों का निर्विरोध निर्वाचन हुआ है। ग्रामीणों की सहमति से हुए इस फैसले के बाद पोषाणा ग्राम पंचायत में चुनावी मुकाबले की स्थिति समाप्त हो गई। सियाणा में 14 उम्मीदवारों ने भरा नामांकन जालोर पंचायत समिति की सियाणा ग्राम पंचायत में सरपंच पद के लिए सबसे अधिक हलचल दिखाई दे रही है। यहां 25 वार्ड हैं और सरपंच पद के लिए 14 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किए हैं। इतनी बड़ी संख्या में उम्मीदवारों के मैदान में उतरने से चुनावी मुकाबला दिलचस्प होने की संभावना है। उम्मीदवारों ने नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद मतदाताओं से संपर्क करना शुरू कर दिया है। चांदना ग्राम पंचायत में सरपंच पद के लिए तीन उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किए हैं। यहां सरपंच का पद सामान्य महिला वर्ग के लिए आरक्षित है। वहीं, वीरजी नगर ग्राम पंचायत में सरपंच पद के लिए आठ उम्मीदवारों ने नामांकन जमा किए हैं। यहां वार्डपंच पदों के लिए भी नामांकन दाखिल किए गए हैं। वार्ड संख्या दो में वार्डपंच निर्विरोध चुने गए हैं। उम्मेदाबाद ग्राम पंचायत में सरपंच पद के लिए नौ उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किए हैं। इन पंचायतों में अब चुनाव प्रचार और मतदाताओं को अपने पक्ष में करने की कोशिशें तेज होने लगी हैं। जिले में पंचायतीराज चुनाव के तहत सात पंचायत समितियों की 220 ग्राम पंचायतों और 2,186 वार्डपंच पदों के लिए मतदान होगा। इसके लिए प्रशासन ने आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। नामांकन, जांच, नाम वापसी और चुनाव चिह्न आवंटन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद उम्मीदवार प्रचार में जुट गए हैं। अब ग्रामीण क्षेत्रों में चुनावी चर्चाओं का दौर तेज हो गया है।



जोधपुर की 441 ग्राम पंचायतों में आज सरपंच-पंच चुनाव, कई जगह निर्विरोध निर्वाचन

शुक्रवार सुबह 7 से शाम 6 बजे तक होगा मतदान, इसके बाद मतगणना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

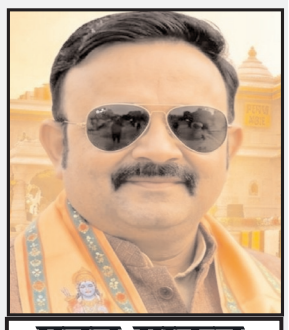
जोधपुर। जिले में पंचायत राज चुनाव को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में हलचल तेज हो गई है। दूसरे चरण में जिले की 441 ग्राम पंचायतों में शुक्रवार को सरपंच और वार्ड पंच के चुनाव होंगे। मतदान सुबह 7 बजे शुरू होकर शाम 6 बजे तक चलेगा। मतदान समाप्त होने के बाद मतगणना शुरू होगी, जिसके साथ ही चुनाव परिणाम सामने आने लगेंगे। इससे पहले गुरुवार को सरपंच पदों के लिए नामांकन प्रक्रिया पूरी की जाएगी। जांच और नाम वापसी के बाद दोपहर 3 बजे से अंतिम प्रत्याशी सूची जारी कर चुनाव चिह्न आवंटित किए जाएंगे। तिंवरी पंचायत समिति की नवगठित ग्राम पंचायत चौधरी चरणसिंह नगर में ग्रामीणों ने आपसी सहमति से सरपंच सहित सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन का निर्णय लिया। लंबी बैठक के बाद पप्पू देवी को सरपंच बनाने पर सहमति बनी। वहीं मांगीलाल भाखर, कुम्भाराम जाखड़, साग सिंह, मीमो देवी, बाबूराम खोत, नोजी देवी और चम्पा राम वार्ड पंच निर्विरोध चुने गए। सरपंच पद अन्य पिछड़ा वर्ग की महिला के लिए आरक्षित था। ग्रामीण अमेश चौधरी के अनुसार, पहली बार गठित पंचायत में सभी प्रतिनिधियों का निर्विरोध चुना जाना गांव की एकजुटता का उदाहरण है। तिंवरी क्षेत्र की नवसृजित ग्राम पंचायत चैनसिंह नगर में सरपंच सहित छह वार्ड पंच निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। सरपंच पद पर किरण भगाराम मेघवाल को निर्विरोध चुना गया। हालांकि वार्ड नंबर 6 में पुखराज और हपाराम के बीच मुकाबला होगा। केरू चावण्डा ग्राम पंचायत में भी ग्रामीणों ने किशन सिंह राजपुरोहित को निर्विरोध सरपंच चुना है। कई गांवों में आपसी सहमति से प्रतिनिधि चुने जाने से चुनावी मुकाबले की तस्वीर अलग नजर आ रही है। वहीं अन्य ग्राम पंचायतों में प्रत्याशियों के बीच मुकाबले को लेकर तैयारियां पूरी की जा रही हैं। जिले की 17 पंचायत समितियों के अंतर्गत आने वाली 441 ग्राम पंचायतों में शुक्रवार को मतदान होगा। मतदान केंद्रों पर सुबह से ही ग्रामीणों के पहुंचने की संभावना है। प्रशासन की ओर से चुनाव प्रक्रिया को निर्धारित समय में संपन्न कराने की तैयारियां की गई हैं। मतदान पूरा होने के बाद मतगणना शुरू होगी और इसके आधार पर सरपंच तथा वार्ड पंच के परिणाम घोषित किए जाएंगे। इससे पहले बुधवार को जिले की 17 पंचायत समितियों आसोप, बावड़ी, सालवा खुर्द, सामराऊ, तिंवरी और उम्मेदनगर में मतदान हुआ था। इस चरण में जिले का मतदान प्रतिशत 68.82 रहा।





सम्पादकीय

मोदी सरकार के एक कानून से पत्रकारिता खत्म होने का डर क्यों है?



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

नई दिल्ली। लोकतंत्र में अगर कोई चीज़ सरकार या सिस्टम को आईना दिखाती है, तो वो है पत्रकारिता यानी मीडिया। मीडिया को लोकतंत्र का चौथा पिलर माना जाता है, जो जनता से सवाल पूछता है और सरकार को जवाबदेह बनाता है। लेकिन, अगर यह चौथा पिलर ही कानून की सलाखों के पीछे बंधा हो या इतना डरा हुआ हो कि चुपचाप बैठने को मजबूर हो जाए, तो लोकतंत्र का क्या होगा?

इन दिनों यही सवाल देश भर के बुद्धिजीवियों, पत्रकारों और नागरिकों के मन में गूंज रहा है। केंद्र की मोदी सरकार द्वारा लाए गए डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट (DPDP एक्ट) को लेकर देश में बड़ा विवाद छिड़ गया है। हालात इतने बिगड़ गए हैं कि देश के 21 जाने-माने और बड़े मीडिया ऑर्गनाइज़ेशन और जर्नलिस्ट इस तानाशाही कानून से लड़ने के लिए सीधे सुप्रीम कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाने पर मजबूर हो गए हैं।

इस कानून में ऐसा क्या है जिससे जर्नलिज़्म खत्म होने का डर पैदा हो गया है? आइए डिटेल में समझते हैं। DPDP एक्ट क्या है और जर्नलिस्ट इस पर एतराज़ क्यों करते हैं? डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट का मुख्य मकसद नागरिकों के डिजिटल डेटा की प्राइवेसी बनाए रखना है, जो कागज़ पर तो बहुत अच्छा और जनता के लिए फायदेमंद लगता है। लेकिन इस कानून के कुछ नियम ऐसे हैं जो सीधे जर्नलिज़्म, इन्वेस्टिगेटिव रिपोर्टिंग और पब्लिक इंटरेस्ट के खुलासों पर हमला करते हैं।

जर्नलिस्ट ऑर्गनाइज़ेशन का मुख्य विरोध यह है कि यह कानून सरकार को बहुत ज़्यादा पावर देता है। अगर कोई मीडिया हाउस या जर्नलिस्ट किसी करप्शन, पॉलिटिकल स्कैम या सरकारी लापरवाही की रिपोर्ट करता है और उसमें किसी पर्सनल डेटा या जानकारी का इस्तेमाल होता है, तो इस कानून के तहत संबंधित व्यक्ति सरकार से शिकायत कर सकता है। और सबसे डरावनी बात यह है कि इस कानून का उल्लंघन करने पर सरकार ने 250 करोड़ रुपये तक का जुर्माना लगाने का प्रावधान किया है! पत्रकारिता खत्म होने का डर क्यों है? मीडिया जगत में इस कानून को लेकर इतना बड़ा डर क्यों है? इसके मुख्य कारण इस प्रकार हैं:

1. खोजी पत्रकारिता पर पूरी तरह रोक:
आज असली पत्रकार घोटालों, राजनीतिक भ्रष्टाचार या अपराधों का दरवाज़ा खोलने के लिए डेटा और डॉक्यूमेंट्स का सहारा लेते हैं। अगर किसी भ्रष्ट नेता या अधिकारी को बेनकाब करते समय प्राइवेसी या डेटा के नाम पर कानूनी
रोक लगाई जाती है, तो कोई भी पत्रकार या मीडिया हाउस बड़ा जोखिम उठाकर सच सामने लाने की हिम्मत नहीं करेगा।

2. करोड़ों रुपये के जुर्माने की तलवार:
छोटे या मीडियम साइज़ के न्यूज़ चैनल, डिजिटल पोर्टल या अखबारों के पास करोड़ों रुपये की पेमेंट कैपेसिटी नहीं है। अगर सरकार विरोधी रिपोर्ट छापने पर करोड़ों रुपये का जुर्माना लगा दिया जाए, तो वह मीडिया संस्थान रातों-रात बंद हो जाएगा। यह एक तरह की आर्थिक गुलामी है और साइकोलॉजिकल डर पैदा करने की चाल है।

3. सेंसरशिप और सरकारी कंट्रोल:
इस कानून के लागू होने से सरकार अपने खिलाफ हर रिपोर्ट या जांच को 'डेटा प्राइवेसी का उल्लंघन' कहकर दबा सकती है। मीडिया सरकार की इजाज़त के बिना कोई भी जानकारी छापने से डरेगा, जो डेमोक्रेसी में अघोषित इमरजेंसी जैसा है।

देश के 21 बड़े मीडिया ऑर्गनाइज़ेशन कोर्ट क्यों पहुँचे? जब सरकार के खिलाफ़ आवाज़ उठाने के सारे रास्ते बंद होते दिखे, तो देश के बड़े डिजिटल न्यूज़ पब्लिशर्स और मीडिया ऑर्गनाइज़ेशन्स ने एक होकर सुप्रीम कोर्ट में पिटीशन फाइल की है। इन ऑर्गनाइज़ेशन्स का साफ़ कहना है कि यह कानून भारतीय संविधान द्वारा दी गई बोलने और बोलने की आज़ादी (आर्टिकल 19) पर सीधा हमला है। पत्रकार ऑर्गनाइज़ेशन्स ने कोर्ट में दलील दी है कि अगर सरकार इस कानून से पत्रकारों के हाथ-पैर बाँध देगी, तो जनता तक कभी सही जानकारी नहीं पहुँच पाएगी। डेमोक्रेसी में सरकारें आती-जाती रहती हैं, लेकिन अगर मीडिया ही डर के मारे गुलाम बन जाए, तो जनता के फंडामेंटल राइट्स की रक्षा कौन करेगा? सत्ता की सोचः सवालों से डरती सरकार? पॉलिटिकल एनालिस्ट्स का मानना है कि आज सत्ता में बैठी सरकारें मीडिया के सवालों से बचना चाहती हैं। ऐसे कानूनों का इस्तेमाल सरकार की इमेज खराब करने वाली या उसकी पॉलिसीज़ को एक्सपोज़ करने वाली रिपोर्ट्स को रोकने के लिए हथियार के तौर पर किया जा रहा है। 'डेटा प्रोटेक्शन' की खूबसूरत आड़ में, सरकारें असल में नागरिकों के अधिकारों की रक्षा की आड़ में अपनी आलोचना को दबाना चाहती हैं। यह लड़ाई अब सिर्फ़ कानूनी नहीं रही, बल्कि भारतीय लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई बन गई है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर क्या रुख अपनाता है और प्रेस की आज़ादी बची रहेगी या नहीं, यह तो समय ही बताएगा, लेकिन इस कानून ने पूरे देश में सरकार की नीयत पर गंभीर सवाल ज़रूर खड़े कर दिए हैं।

आज का राशिफल

(शुक्रवार)30 अक्टूबर 2026

मेष — परिवार में सुखद माहौल रह सकता है। किसी पुराने मामले का समाधान मिलने की उम्मीद है, खर्चों पर नियंत्रण रखें

वृषभ — कामकाज की जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। अपनी प्राथमिकताएं तय करके आगे बढ़ें और आर्थिक मामलों में अनावश्यक जोखिम लेने से बचें

मिथुन — नए लोगों से संपर्क लाभदायक हो सकते हैं। कामकाज में व्यस्तता रहेगी, लेकिन अपनी सेहत और आराम का भी ध्यान रखें।

कर्क — शिक्षा और करियर से जुड़े मामलों में आगे बढ़ने का अवसर मिल सकता है। अनुभवी व्यक्ति की सलाह उपयोगी रहेगी, परिवार को समय दें।

सिंह — आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें। नौकरी और कारोबार में धैर्य से काम लेने पर अच्छे परिणाम मिल सकते हैं।

कन्या — मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलने की उम्मीद है। महत्वपूर्ण कामों में धैर्य रखें और किसी भी निर्णय से पहले सभी पहलुओं पर विचार करें

तुला — कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। रुके हुए काम पूरे करने के लिए प्रयास बढ़ाएं, परिवार का सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक — नए विचारों और योजनाओं पर काम करने का अवसर मिल सकता है। मित्रों का सहयोग मिलेगा, लेकिन किसी भी वादे से पहले अपनी स्थिति समझ लें

धनु — आत्मविश्वास के साथ काम करने का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में अपनी बात स्पष्ट रखें और जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचें

मकर — रिश्तों में तालमेल बनाए रखने का दिन है। नौकरी या कारोबार में नई संभावनाओं पर विचार कर सकते हैं, अनावश्यक विवादों से दूर रहें

कुंभ — दिन सामान्य से अनुकूल रह सकता है। रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी और परिवार का साथ मिलेगा। महत्वपूर्ण फैसलों में भावनाओं के बजाय व्यावहारिकता को महत्व दें

मीन — योजनाबद्ध तरीके से काम करने पर सफलता मिल सकती है। धन से जुड़े मामलों में सावधानी बरतें और जिम्मेदारियों को समय पर पूरा करें

फालतू ज्ञान के ज़हर और 'WhatsApp Universit 4' के खिलाफ़ लाल आँख

अहमदाबाद आजकल सोशल मीडिया के ज़माने में एक बहुत ही जानलेवा और बिगड़ा हुआ ट्रेंड शुरू हो गया है–किसी भी समाज को नीचा दिखाना, इतिहास के महापुरुषों का अपमान करना और सस्ती अटेंशन पाने या पॉलिटिकल रोटियाँ सेंकने के लिए अफवाहें फैलाना। आज इस समाज की बारी है, कल किसी और समाज की बारी है! लेकिन, अगर आज के WhatsApp University के तथाकथित विद्वानों ने, जो बिना थोड़ा इतिहास पढ़े और सच जाने ज्ञान परोसते हैं, दो अच्छी किताबें पढ़ी होतीं, तो शायद आज उन्हें देश और राज्य के महापुरुषों के खिलाफ़ ज़हर उगलने का मौका नहीं मिलता। प्रजावत्सल महाराजा कृष्णकुमारसिंहजीः किसी एक समाज का नहीं, पूरे भारत का गौरव

जो नासमझ लोग आजकल भावनगर के अमर और आदरणीय प्रजावत्सल महाराजा कृष्णकुमारसिंहजी के बारे में अपनी आधी-अधूरी जानकारी के आधार पर हंगामा कर रहे हैं, उन्हें यह जान लेना चाहिए कि अगर आप महाराजा के कामों की लिस्ट बनाने बैठेंगे, तो आपकी पूरी ज़िंदगी छोटी पड़ जाएगी! इस महान राजा ने, जिन्होंने देश की एकता और अखंडता के लिए सबसे पहले अपना पूरा अटूट राज, अपार धन और ताकत देश के चरणों में न्यौछावर कर दी, उन्हें किसी एक जाति या समाज की सीमाओं में नहीं बांधा जा सकता। वे लोगों के रक्षक थे और उन्होंने पूरे समाज के लिए काम किया।

जो लोग किसी महान व्यक्ति को जाति के चश्मे से देखने की गलती करते हैं, वे उनकी छोटी सोच का उदाहरण हैं। माफी मांगने से गुनाह मिटता नहीं है, लेकिन सिस्टम में ऐसा वायरस कब तक टिका रहेगा, यह एक बड़ा सवाल है। प्रोफेसर, कॉलमिस्ट और पत्रकारों का 'WhatsApp Universit4' गैंग के साथ गठबंधन? दुख की बात यह है कि यह सोच सिर्फ सोशल मीडिया ट्रोल्स तक ही सीमित नहीं है। समाज को दिशा देने का काम करने वाले तथाकथित प्रोफेसर, लेखक, कॉलमिस्ट और कुछ बिके हुए या औसत दर्जे के पत्रकार भी इसी 'WhatsApp Universit4' के सदस्य बन गए हैं।

अपने मतलब और घटिया लॉजिक से इस गैंग ने पूज्य महापुरुषों को बदनाम करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है:

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की अहिंसा और त्याग पर सवाल उठाना,

सरदार वल्लभभाई पटेल की आयरनमैन जैसी इमेज और फैसलों पर बेबुनियाद विवाद खड़ा करना,

डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के संवैधानिक और सामाजिक योगदान को एक छोटे दायरे में बांधना,

पंडित नेहरू या रियासतों के त्याग और समर्पण की बेतुकी आलोचना करना।

ऐसे महापुरुषों और राजाओं-महाराजाओं के त्याग, तपस्या और बलिदान के सामने आज के ये तथाकथित ज्ञानी उनके पैरों की धूल के लायक भी नहीं हैं!

कभी भावनगर या वडोदरा भी आइए! जो लोग रियासतों के काम और महाराजाओं की दरियादिली के बारे में नहीं जानते, उन्हें कभी भावनगर या वडोदरा जैसे ऐतिहासिक शहरों में कदम रखना चाहिए। वहां के हॉस्पिटल, यूनिवर्सिटी, झील, सड़कें और टाउन हॉल देखकर आपको पता चल जाएगा कि प्रजावत्सल राज किसे कहते हैं! अगर आपके पास वहां जाने का मौका या समय नहीं है, तो कम से कम गूगल करके या असली इतिहास की किताबें सॉल्व करके अपनी जानकारी बढ़ानी चाहिए।

हमारी बातों से कोई छोटा नहीं होगा! WhatsApp फैक्ट्री में बनने वाले ज़हरीले मैसेज और आधा-अधूरा ज्ञान देश के करोड़ों लोगों के दिलों में रहने वाले महान लोगों का कद कभी कम नहीं कर पाएगा। वे कल भी देश के हीरो थे और आज भी लाखों-करोड़ों देशवासियों के दिलों में अमर हैं और रहेंगे। 'पाको गुजरात' ऐसे सभी लोगों को साफ चेतावनी देता है कि वे अपने छोटे स्वार्थ या सस्ती पब्लिसिटी स्टंट के लिए देश की विरासत और महान लोगों के बलिदान का अपमान करना बंद करें!

खाकी की शान, जनसुरक्षा का संकल्प और सेवाभाव की पहचानः सागर बागमार की कार्यशैली!



किसी भी जिले के विकास, शांति और सुरक्षा के लिए सुदृढ़ कानून-व्यवस्था अनिवार्य है। विशेष रूप से सीमावर्ती क्षेत्र, बंदरगाहों, औद्योगिक इकाइयों और व्यापारिक गतिविधियों से परिपूर्ण कच्छ जैसे विशाल जिले में पुलिस की जिम्मेदारियाँ कई गुना बढ़ जाती हैं। ऐसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच पूर्वी कच्छ के पुलिस अधीक्षक श्री सागर बागमार, आई.पी.एस. की कार्यशैली कानून के पालन, अपराधों के विरुद्ध कार्रवाई और जनसुरक्षा के प्रयासों के संदर्भ में विशेष ध्यान आकर्षित करती है।

अपराध के विरुद्ध सक्रिय पुलिस तंत्र पुलिस की वास्तविक परीक्षा केवल अपराध होने के बाद आरोपी को पकड़ने में नहीं, बल्कि अपराधों की रोकथाम, उनके मूल तक पहुँचने और नागरिकों में सुरक्षा की भावना मजबूत करने में भी होती है। पूर्वी कच्छ पुलिस द्वारा अपराध नियंत्रण, जाँच और अनसुलझे मामलों के समाधान के लिए किए जाने वाले प्रयासों में मार्गदर्शन, समन्वय और टीमवर्क का विशेष महत्त्व है। फरवरी 2026 में पूर्वी कच्छ पुलिस द्वारा आयोजित क्राइम कॉन्फ्रेंस में विभिन्न पुलिस थानों और शाखाओं के अधिकारियों के साथ अपराध की स्थिति की समीक्षा की गई थी। कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा अनसुलझे मामलों के समाधान के लिए आवश्यक निर्देश भी दिए गए थे। इस प्रकार की समीक्षा पुलिस तंत्र को अधिक जवाबदेह और परिणामोन्मुख बनाने में उपयोगी साबित होती है।

सीमावर्ती सुरक्षा में तकनीक का प्रभावी उपयोग कच्छ की भौगोलिक परिस्थितियों और अंतरराष्ट्रीय सीमा को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था में निरंतर सतर्कता आवश्यक है। पूर्वी कच्छ के गाँवों को सीसीटीवी कैमरों के नेटवर्क से जोड़ने के प्रयास इस दिशा में महत्त्वपूर्ण दम हैं। द टाइम्स ऑफ इंडिया में 25 दिसंबर, 2025 को प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, पूर्वी कच्छ के 300 गाँवों में से 221 गाँवों में 2,600 से अधिक सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए गए थे। इस व्यवस्था में स्थानीय ग्रामीणों का सहयोग भी महत्त्वपूर्ण रहा। गाँवों के प्रवेश द्वारों, बाजारों और संवेदनशील स्थानों पर कैमरे लगाने से संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने तथा अपराधों की जाँच में सहायता मिल सकती है।

यह पहल दर्शाती है कि आधुनिक तकनीक और जनभागीदारी का समन्वय सुरक्षा व्यवस्था को अधिक मजबूत बना सकता है। नशे के दुष्प्रभावों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई युवा पीढ़ी को नशे के दुष्प्रभावों से बचाना केवल पुलिस की ही नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई के साथ जनजागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है। पूर्वी कच्छ पुलिस द्वारा चलाए गए 'नो ड्रग्स इन ईस्ट कच्छ' अभियान के संबंध में 1 सितंबर, 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, 1 जनवरी से 31 अगस्त, 2026 के दौरान एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज 62 मामलों में कुल 105 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। ये आँकड़े मादक पदार्थों के विरुद्ध की गई कार्रवाई का स्तर दर्शाते हैं। ऐसी कार्रवाई के साथ-साथ स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता अभियान, अभिभावकों का सहयोग तथा युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करने के प्रयास भी आवश्यक हैं।

पुलिसकर्मियों का मनोबल और मानवीय दृष्टिकोण

पुलिस तंत्र की सफलता केवल किसी अधिकारी के नेतृत्व से नहीं, बल्कि मैदान में कर्तव्य निभाने वाले प्रत्येक कर्मचारी की निष्ठा और समर्पण से संभव होती है। यातायात नियंत्रण, दुर्घटनाओं की रोकथाम, त्योहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और नागरिकों की सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मी दिन-रात अपनी सेवाएँ देते हैं। 24 अक्टूबर, 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, पूर्वी कच्छ में यातायात पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों और ट्रैफिक रिजर्व पुलिस के जवानों को उनके कार्यों के लिए प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया था। कर्मचारियों के योगदान की सराहना करने से उनका मनोबल बढ़ता है और कर्तव्य के प्रति उनकी जिम्मेदारी और मजबूत होती है। इसी प्रकार, ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले एक हेड कांस्टेबल के परिवार को 14.16 लाख की आर्थिक सहायता दिए जाने की 26 अक्टूबर, 2026 की रिपोर्ट पुलिस तंत्र के मानवीय पक्ष को भी उजागर करती है। पुलिस परिवार के सदस्यों के प्रति संवेदना और सहायता की भावना समाज में विश्वास का वातावरण बनाने में सहायक होती है।

खाकी का वास्तविक अर्थः सख्ती के साथ संवेदनशीलता

किसी पुलिस अधिकारी की पहचान केवल वर्दी, पद या अधिकार से निर्धारित नहीं होती। कानून का निष्पक्ष पालन, नागरिकों की शिकायतों के प्रति संवेदनशीलता, अपराधियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई और निर्दोष नागरिकों के अधिकारों की रक्षा–ये सभी पुलिस की विश्वसनीयता के आधारभूत स्तंभ हैं। श्री सागर बागमार की कार्यशैली से संबंधित विभिन्न रिपोर्टों में सुरक्षा व्यवस्था को आधुनिक बनाने, मादक पदार्थों के विरुद्ध कार्रवाई करने, पुलिसकर्मियों को प्रोत्साहित करने और पुलिस तंत्र में समन्वय मजबूत करने जैसे पहलुओं का उल्लेख मिलता है। इन प्रयासों को व्यापक सफलता तब मिलेगी, जब नागरिक भी कानून का पालन करेंगे, संदिग्ध गतिविधियों के संबंध में जिम्मेदारीपूर्वक जानकारी देंगे और पुलिस के साथ सहयोग बनाए रखेंगे। जनविश्वास ही पुलिस की असली पूँजी पूर्वी कच्छ की सुरक्षा केवल पुलिस विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि पूरे समाज का साझा दायित्व है। पुलिस और जनता के बीच विश्वास का सेतु मजबूत हो, अपराधों के विरुद्ध समय पर कार्रवाई हो और आम नागरिक बिना किसी भय के अपनी शिकायत दर्ज करा सके–यही सुशासन की वास्तविक पहचान है। श्री सागर बागमार जैसे जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों के नेतृत्व में किए जाने वाले सकारात्मक प्रयासों का मूल्यांकन केवल प्रशंसा के शब्दों से नहीं, बल्कि उनके परिणामों, पारदर्शिता और नागरिकों के अनुभवों के आधार पर भी किया जाना चाहिए। कानून का शासन मजबूत हो, युवा नशामुक्त जीवन की ओर आगे बढ़ें, सीमावर्ती क्षेत्र सुरक्षित रहें और पुलिस के प्रति जनविश्वास निरंतर बढ़े–यही पूर्वी कच्छ की वास्तविक प्रगति का मार्ग है। खाकी का गौरव तभी निखरता है, जब उसके अधिकार के साथ सेवा, सख्ती के साथ न्याय और कर्तव्य के साथ मानवता जुड़ी हो।

कांग्रेस-मुक्त भारत का नारा देने वाली BJP खुद 'कांग्रेस-युक्त' हो गईः पार्टी की बदली सोच और नया चेहरा सामने आया

पावर पॉलिटिक्स के लिए बाहर से लाए गए नेताओं के आगे सरेंडरः BJP का रथ उन्हीं कांग्रेसियों के भरोसे क्यों चल रहा है जो कांग्रेस को भ्रष्ट कहते नहीं थकते थे?

गांधीनगर/अहमदाबाद भारतीय राजनीति में पिछले कुछ सालों से एक बहुत बड़ा और गूंजता हुआ नारा सबसे ज़्यादा चर्चा में रहा है–'कांग्रेस-मुक्त भारत'। देश की सत्ताधारी पार्टी भारतीय जनता पार्टी ने विपक्षी पार्टी कांग्रेस को खत्म करने के लिए पूरे देश में अभियान चलाया। देश के कोने-कोने से BJP नेता मंच से दहाड़ते दिखे कि देश को कांग्रेस की विचारधारा और उसके नेताओं के कथित भ्रष्टाचार से मुक्त करना है। लेकिन, समय का पहिया ऐसा घूमा कि आज जनता राजनीतिक समीकरण और ज़मीनी हकीकत देखकर हैरान है। आज हालात ऐसे हो गए हैं कि 'कांग्रेस-फ्री इंडिया' का सपना देखने वालीBJP खुद 'कांग्रेस-युक्त' हो गई है!

अगर आज की BJP की पॉलिसी, नियम, संगठन और सरकारों को देखें तो साफ हो जाएगा कि जिस पार्टी ने दशकों तक कांग्रेस कल्चर के खिलाफ लड़ाई लड़ी, आज उसी पार्टी में कांग्रेस के पुराने दिग्गजों, नेताओं और उनके काम करने के तरीकों ने सबसे बड़ा हिस्सा हासिल कर लिया है। इम्पोर्टेड कल्चर और सत्ता की भूखः BJP की बदली सोच पॉलिटिकल एनालिस्ट मानते हैं कि BJP की असली सोच और कैडर-बेस्ड पार्टी होने का दावा अब सिर्फ कागजों तक ही सीमित रह गया है। चुनाव जीतने के लिए किसी भी कीमत पर सत्ता पाने की सनक में BJP ने अपने पुराने, वफादार और जमीनी कार्यकर्ताओं को किनारे कर दिया है और दूसरी पार्टियों, खासकर कांग्रेस से आए दलबदलू नेताओं का रेड कार्पेट बिछाकर स्वागत किया है। नतीजा यह है कि जो पार्टी कभी 'अलग पार्टी' होने का दावा करती थी, वह आज दूसरी पार्टियों के नेताओं के लिए सेफ हाउस बन गई है। गुजरात समेत पूरे देश में आज हालत ये है कि BJP के कई बड़े मंत्री, MLA और पदाधिकारी वो हैं जो कभी कांग्रेस के मुख्य चेहरे थे। जिन्हें कल BJP नेता सरेआम भ्रष्ट और देशद्रोही कहते थे, आज BJP में आते ही 'पवित्र' हो जाते हैं! ये दोहरा रवैया और राजनीतिक अनैतिकता BJP की बदली हुई सोच को सामने लाती है। ईमानदार कार्यकर्ताओं की अनदेखी और सिद्धांतों की प्यास जो ज़मीनी कार्यकर्ता दशकों से कांग्रेस के खिलाफ पसीना बहा रहे हैं, वे आज ये सब चुपचाप देख रहे हैं। BJP को बनाने में अपनी ज़िंदगी लगाने वालों को टिकट या पद देने के बजाय, रातों-रात कांग्रेस छोड़कर आए लोगों को मलाईदार पद दिए जा रहे हैं। इससे साबित होता है कि BJP के लिए अब विचारधारा या नीतियां मायने नहीं रखतीं, सिर्फ 'जीत' और 'सत्ता' ही उनका एकमात्र एजेंडा बन गया है। जो पार्टी दूसरों पर भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार का आरोप लगाती थी, आज वही भाई-भतीजावाद और बेशुमार दौलत वाले नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल करके उनके खिलाफ डंडे उठाना भूल गई है। इसे राजनीतिक मजबूरी कहें या स्वार्थ, लेकिन इसी वजह से BJP की असली आत्मा मर रही है और वह अपने असली रूप में 'कांग्रेसी' हो गई है।

जनता के सामने बड़ा सवालः क्या यही बदलाव है?

आज की राजनीति को देखकर आम जनता के मन में सवाल उठ रहे हैं कि अगर आखिर में राजनीति ही करनी थी, अगर पार्टियां बदलकर ही नेता बदलने थे, तो 'कांग्रेस-मुक्त' करने के नाम पर बड़े-बड़े भाषण देकर लोगों को गुमराह क्यों किया गया? BJP की यह सोच अब जनता के सामने आ गई है। जनता सब कुछ देख रही है कि कैसे सत्ता की हवस में उसूलों की कुर्बानी दी जा रही है। अगर आज BJP के अंदर झांककर देखें, तो कांग्रेस के विचार और नेता ही सरकार चलाते दिखेंगे। यह बात दिखाती है कि भले ही नारा 'कांग्रेस मुक्त' हो, लेकिन असलियत यह है कि BJP खुद पूरी तरह से 'कांग्रेस युक्त' हो गई है।

राहुल गांधी का आरोप–टाटा समूह को योजनाबद्ध तरीके से किया जा रहा बर्बाद

टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन के कार्यकाल और समूह की शेयर बाजार में सूचीबद्धता को लेकर विवाद के बीच कांग्रेस-भाजपा आमने-सामने

नई दिल्ली टाटा समूह के भीतर चल रहे कारोबारी और प्रबंधन संबंधी विवाद ने अब राजनीतिक रूप ले लिया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि टाटा समूह को आपराधिक तरीके से बर्बाद किया जा रहा है और देश के कारोबारी सरकार के खिलाफ बोलने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। उनके बयान पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पलटवार करते हुए कहा कि राहुल गांधी अविश्वास फैलाने और हर मुद्दे का राजनीतिकरण करने की कोशिश कर रहे हैं। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि भारतीय कारोबार सरकार का खिलौना नहीं है और इन कथित अपराधों के लिए न्याय सुनिश्चित किया जाएगा। वित्त मंत्री ने जवाब में कहा कि केंद्र सरकार भारतीय उद्योगों को रोजगार सृजन और आर्थिक विकास का महत्वपूर्ण आधार मानती है। सरकार की नीतियां कारोबार को प्रोत्साहित करने, उद्योगों को समर्थन देने और निवेश बढ़ाने के उद्देश्य से बनाई गई हैं। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसके शासनकाल में लाइसेंस-कोटा व्यवस्था ने उद्यमियों की संभावनाओं को सीमित किया और बड़ी आबादी गरीबी से प्रभावित रही। सीतारमण के बयान के बाद राहुल गांधी ने दोबारा सवाल उठाया कि यदि टाटा समूह का विवाद केवल कानूनी और कारोबारी मामला है, तो इसे सुलझाने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री के सरकारी आवास पर बैठक बुलाने की जरूरत क्यों पड़ी। उन्होंने आरोप लगाया कि इस पूरे घटनाक्रम से सरकार के करीबी बड़े उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने की आशंका पैदा होती है। राहुल ने यह भी दावा किया कि सरकार के कुछ पसंदीदा उद्योगपतियों को छोड़कर अन्य कारोबारी वर्ग में नाराजगी है। हालांकि, उनके इन आरोपों पर स्वतंत्र पुष्टि सामने नहीं आई है। विवाद के केंद्र में टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा और टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन से जुड़ा प्रबंधन संबंधी मामला है। चंद्रशेखरन के दूसरे पांच वर्षीय कार्यकाल के विस्तार को लेकर कथित तौर पर असहमति सामने आई है। नोएल टाटा की ओर से नियुक्ति प्रक्रिया, मतदान नियमों और हितों के संभावित टकराव को लेकर



सवाल उठाए जाने की खबरें हैं। बताया गया है कि उन्होंने कंपनी सचिव से 17 सितंबर को हुई बोर्ड बैठक के रिकॉर्ड, मतदान संबंधी विवरण और संबंधित दस्तावेज मांगे हैं।

चुनाव से पहले 2000 से ज्यादा पुलिसकर्मियों के तबादले की तैयारी! दायरे में आ सकते हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो



लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले पुलिस महकमे में बड़े स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल की तैयारी शुरू हो गई है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के बाद पुलिस मुख्यालय ने एक ही जिले में लंबे समय से तैनात पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों का रिकॉर्ड जुटाना शुरू कर दिया है। शुरुआती अनुमान के मुताबिक, इस प्रक्रिया के तहत सिपाही से लेकर अपर पुलिस अधीक्षक स्तर तक के 2000 से अधिक पुलिसकर्मियों के तबादले हो सकते हैं। इसके साथ ही 20 से ज्यादा भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों के भी तबादलों के दायरे में आने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि, तबादलों की वास्तविक संख्या संबंधित जिलों से प्राप्त जानकारी और निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी। पुलिस मुख्यालय की स्थापना शाखा ने प्रदेश के सभी पुलिस कमिश्नरेट और जिलों से उन अधिकारियों एवं कर्मचारियों की तैनाती का विवरण मांगा है, जो एक ही जिले में तीन वर्ष या उससे अधिक समय से कार्यरत हैं। इस जानकारी के आधार पर निर्वाचन आयोग के निर्धारित मानकों के दायरे में आने वाले पुलिसकर्मियों की पहचान की जाएगी। इसके बाद पात्र मामलों की समीक्षा कर तबादलों से संबंधित आगे की कार्रवाई की जा सकती है। प्रक्रिया को व्यवस्थित तरीके से पूरा करने के लिए स्क्रीनिंग कमेटी गठित किए जाने की भी संभावना है। चुनाव से पहले पुलिसकर्मियों की तैनाती में बदलाव का उद्देश्य प्रशासनिक व्यवस्था को निष्पक्ष बनाए रखना और चुनावी प्रक्रिया के दौरान किसी प्रकार के पक्षपात की आशंका को कम करना है। लंबे समय से एक ही स्थान पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को दूसरी जगह भेजने से संबंधित निर्वाचन संबंधी मानकों का पालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया जा रहा है। इसी के तहत पुलिस मुख्यालय स्तर पर आंकड़ों का संकलन और उनकी समीक्षा की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। निर्वाचन आयोग के निर्देशों के तहत ऐसे मामलों पर भी विचार किया जा सकता है, जिनमें किसी पुलिस अधिकारी या कर्मचारी के खिलाफ राजनीतिक दल के प्रति पक्षपात अथवा पूर्वाग्रह को लेकर शिकायत दर्ज हो। अधिकारियों और कर्मचारियों की तैनाती बदली जाएगी।

प्रयागराज में जमीन खोदकर निकाले गए तीन नीले ड्रम, अंदर मिले 500-500 रुपये के नोटों के बंडल

महानगर मेट्रो ब्यूरो



प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में जमीन के नीचे छिपाकर रखी गई बड़ी रकम मिलने से हड़कंप मच गया। नवाबगंज थाना क्षेत्र के बरईपुर रामनगर गांव में पुलिस ने एक मकान के कमरे की जमीन खोदकर तीन नीले ड्रम बरामद किए। जब ड्रमों को खोला गया तो उनके अंदर 500-500 रुपये के नोटों के बंडल भरे मिले। शुरुआती अनुमान के मुताबिक, बरामद रकम 4 से 5 करोड़ रुपये के बीच हो सकती है। इतनी बड़ी मात्रा में नकदी मिलने के बाद इलाके में चर्चा तेज हो गई है। पुलिस ने मामले में चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। हालांकि, बरामद रकम की वास्तविक मात्रा और उसके स्रोत की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। जानकारी के अनुसार, बुधवार देर शाम मुंबई पुलिस और प्रयागराज पुलिस की संयुक्त टीम ने बरईपुर रामनगर गांव में राजेश यादव और राकेश यादव उर्फ महाकाल से जुड़े मकान पर दबिश दी। पुलिस टीम ने मकान की तलाशी के दौरान एक कमरे की जमीन खुदवाई। खुदाई में जमीन के अंदर छिपाकर रखे गए तीन नीले ड्रम निकले। ड्रमों को खोलने पर उनमें 500-500 रुपये के नोटों की गड्डियां दिखाई दीं। जमीन के नीचे इस तरह छिपाकर रखी गई नकदी मिलने से मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी भी जांच में जुट गए। सूचना मिलने पर एडीसीपी पुष्कर वर्मा समेत अन्य अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, मुंबई पुलिस एक आपराधिक मामले में आरोपी राकेश यादव की गिरफ्तारी और माल बरामदगी के सिलसिले में प्रयागराज पहुंची थी। इसी कार्रवाई के दौरान मकान में छिपाकर रखी गई नकदी का पता चला। पुलिस अब यह जानने का प्रयास कर रही है कि इतनी बड़ी रकम कहां से लाई गई थी, इसे जमीन के अंदर छिपाकर रखने के पीछे क्या कारण था और इस मामले में किन-किन लोगों की भूमिका है। हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, राजेश यादव का भाई बबलू यादव पिछले कई वर्षों से पुणे में रहता था। बताया जा रहा है कि वर्ष 2020 में कोरोना संक्रमण के दौरान लागू लॉकडाउन के समय वह गांव आया था। उस दौरान उसके साथ दो जीजा और एक साढू के भी आने की जानकारी सामने आई है। प्रारंभिक स्तर पर बरामद रकम को इन लोगों से जोड़कर देखे जाने की बात कही जा रही है, लेकिन इस संबंध में अभी कोई अंतिम निष्कर्ष सामने नहीं आया है। पुलिस सभी तथ्यों और स्थानीय स्तर पर मिली जानकारियों का सत्यापन कर रही है। डीसीपी गंगानगर सोनम कुमार के अनुसार, बरामद नकदी की ड्रम सहित वीडियोग्राफी कराई गई है और उसे मालखाने में सुरक्षित रखवाया गया है।

हिंसा में शामिल लोगों को सरकारी नौकरी नहीं देने के फैसले पर भाजपा-सपा आमने-सामने

महानगर मेट्रो ब्यूरो



लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सरकारी नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया और चरित्र सत्यापन के नियमों को लेकर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। योगी सरकार की नई भर्ती नीति के तहत अभ्यर्थियों को चरित्र सत्यापन पूरा होने से पहले अस्थायी नियुक्ति देने का प्रावधान किया गया है, लेकिन गंभीर आपराधिक मामलों में संलिप्त पाए जाने वाले अभ्यर्थियों को सरकारी नौकरी से वंचित रखा जा सकता है। इसके साथ ही हिंसा के जरिए सत्ता या व्यवस्था बदलने की मंशा रखने वाले संगठनों से जुड़े लोगों को सरकारी नौकरी के लिए अपात्र मानने के प्रावधान ने राजनीतिक विवाद को और बढ़ा दिया है। इस मुद्दे पर भाजपा और समाजवादी पार्टी आमने-सामने हैं। नई नीति के तहत हत्या, दुष्कर्म, परीक्षा में पेपर लीक, नकल गिरोह और साइबर ठगी जैसे गंभीर मामलों में संलिप्तता को नियुक्ति के लिए बाधा माना जाएगा। यदि कोई अभ्यर्थी अपने आपराधिक मामले से जुड़ी जानकारी छिपाता है, तो उसकी नियुक्ति रद्द किए जाने की कार्रवाई भी हो सकती है। सरकार की ओर से चरित्र सत्यापन की प्रक्रिया को अधिक व्यापक बनाने पर जोर दिया गया है, ताकि नियुक्ति से पहले अभ्यर्थियों की पृष्ठभूमि की जांच की जा सके। निर्धारित प्रक्रिया के तहत अभ्यर्थियों का पुलिस सत्यापन उनके गृह जिले के अलावा उन जिलों से भी कराया जाएगा, जहां वे पिछले पांच वर्षों के दौरान एक वर्ष से अधिक समय तक रहे हैं। इससे अभ्यर्थियों की पृष्ठभूमि से संबंधित जानकारी जुटाने में मदद मिलेगी। चरित्र प्रमाण पत्र जारी करने के नियमों को सख्त करने के पीछे नियुक्तियों में पारदर्शिता और सरकारी सेवाओं में उपयुक्त अभ्यर्थियों के चयन को प्रमुख आधार बताया जा रहा है। हालांकि, नई नीति को लेकर समाजवादी पार्टी ने सरकार पर सवाल उठाए हैं।

भोपाल के चौक बाजार में 8 माह की बच्ची के गले से सोने की हाय चोरी, भीड़ में धागा काटकर फरार हुआ युवक; वारदात सीसीटीवी में कैद

महानगर मेट्रो ब्यूरो



भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के व्यस्त चौक बाजार में चोरी की एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। यहां एक कॉस्मेटिक की दुकान पर मां की गोद में मौजूद महज 8 माह की बच्ची के गले से एक युवक सोने की हाय चुराकर फरार हो गया। आरोपी ने बाजार की भीड़ के बीच मौका देखकर बच्ची के गले में पहने आभूषण का धागा काटा और उसे लेकर वहां से निकल गया। हैरानी की बात यह है कि बाजार में लोगों की आवाजाही के बावजूद आरोपी ने कथित तौर पर वारदात को अंजाम दिया और तत्काल किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। हालांकि, दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में चोरी की घटना कैद हो गई। शिकायत मिलने के बाद कोतवाली थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, चौक बाजार स्थित एक कॉस्मेटिक की दुकान पर खरीदारी के दौरान एक महिला अपनी 8 माह की बच्ची को गोद में लेकर मौजूद थी। इसी दौरान एक युवक वहां पहुंचा। आरोप है कि उसने भीड़ का फायदा उठाते हुए बच्ची के गले में पहनी सोने की हाय पर नजर रखी और मौका मिलते ही उसका धागा काट दिया। इसके बाद वह आभूषण लेकर मौके से फरार हो गया। बाजार में लोगों की आवाजाही लगातार बनी रहने के कारण युवक की गतिविधियों पर तत्काल किसी का ध्यान नहीं गया। बाद में जब बच्ची के गले से सोने की हाय गायब होने का पता चला तो परिजनों को चोरी की जानकारी हुई। घटना सामने आने के बाद दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे की रिकॉर्डिंग खंगाली गई। बताया जा रहा है कि वारदात कैमरे में कैद हो गई है। अब पुलिस इसी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान करने और उसके घटनास्थल से निकलने के घटनाक्रम का पता लगाने में जुटी है। भीड़भाड़ वाले बाजार में इतनी छोटी बच्ची के गले से आभूषण चोरी होने की घटना ने लोगों को हैरान कर दिया है। आमतौर पर बाजारों में खरीदारी के दौरान लोगों का ध्यान सामान और दुकानों पर रहता है, जिसका फायदा उठाकर चोरी की घटनाओं को अंजाम दिए जाने की आशंका बनी रहती है। कोतवाली थाना प्रभारी अल्पना सिंह के अनुसार, चौक बाजार की कॉस्मेटिक दुकान में 8 माह की बच्ची के गले से सोने की हाय चोरी होने की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे की रिकॉर्डिंग के आधार पर आरोपी तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। फुटेज में दिखाई देने वाले व्यक्ति की पहचान करने के साथ ही उसकी गतिविधियों से जुड़े तथ्यों की पड़ताल की जा रही है। फिलहाल आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है और उसकी तलाश जारी है। पुलिस का प्रयास है कि सीसीटीवी फुटेज और अन्य उपलब्ध जानकारियों के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे जल्द पकड़ा जाए। इस घटना ने बाजार में खरीदारी के दौरान छोटे बच्चों के आभूषणों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ा दी है। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर अभिभावकों को सतर्क रहने की जरूरत है, ताकि इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके। पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही चोरी के आरोपी की पहचान और वारदात से जुड़ी अन्य जानकारियां स्पष्ट हो सकेंगी।

आजम खान और बेटे अब्दुल्ला आजम को इलाहाबाद हाईकोर्ट से जमानत, दो पैन कार्ड मामले में मिली राहत

जस्टिस समित गोपाल की पीठ ने सजा निलंबित करने का दिया आदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो



प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम खान को दो पैन कार्ड मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट से राहत मिली है। हाईकोर्ट ने दोनों की जमानत अर्जी मंजूर करते हुए उनकी सजा निलंबित करने का आदेश दिया है। हालांकि, अदालत ने दोषसिद्धि पर रोक लगाने की मांग को स्वीकार नहीं किया। जस्टिस समित गोपाल की एकल पीठ ने दोनों की याचिकाओं पर सुनवाई के बाद यह फैसला सुनाया। इस निर्णय के बाद मामले में आजम खान और अब्दुल्ला आजम को जमानत के स्तर पर राहत जरूर मिली है, लेकिन उनकी दोषसिद्धि का फैसला बरकरार है। वहीं, दोनों की जेल से रिहाई अन्य लंबित मामलों और उनमें लागू कानूनी स्थिति पर निर्भर करेगी। दो पैन कार्ड से जुड़ा यह मामला अब्दुल्ला आजम खान के नाम पर कथित रूप से दो अलग-अलग पैन कार्ड बनवाने से संबंधित है। इस मामले में निचली अदालत ने आजम खान और उनके बेटे को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई थी। ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए दोनों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट का रुख किया और आपराधिक पुनरीक्षण याचिका दाखिल की। याचिका में दोषसिद्धि पर रोक लगाने, सजा निलंबित करने और अंतरिम जमानत पर रिहा किए जाने की मांग की गई थी। मामले में दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने 15 अक्टूबर को सुनवाई पूरी कर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब अदालत ने जमानत देने और सजा निलंबित करने की मांग स्वीकार कर ली, जबकि दोषसिद्धि पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। कानूनी रूप से दोनों आदेशों के बीच अंतर महत्वपूर्ण है। सजा निलंबित होने से अपील या पुनरीक्षण की कार्यवाही लंबित रहने के दौरान राहत मिल सकती है, लेकिन दोषसिद्धि पर रोक नहीं लगने का अर्थ है कि निचली अदालत का दोषी ठहराने वाला फैसला फिलहाल प्रभावी बना हुआ है। आजम खान और अब्दुल्ला आजम से जुड़े इस मामले पर राजनीतिक और कानूनी हलकों में नजर बनी हुई थी। हाईकोर्ट के फैसले से दोनों को राहत मिलने के बावजूद यह कहना जल्दबाजी होगी कि उनकी जेल से रिहाई तत्काल हो जाएगी। इसके लिए यह देखना आवश्यक होगा कि उनके खिलाफ अन्य मामलों में कोई सजा, हिरासत का आदेश या कानूनी बाधा तो लागू नहीं है।

ग्वालियर में करवा चौथ के दिन पत्नी का मर्डर... दोनों ने लव मैरिज की थी, वारदात के बाद खुद थाने पहुंचा पति

महानगर मेट्रो ब्यूरो



ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में करवा चौथ के दिन एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। जिस दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र की कामना के लिए व्रत रखकर पूजा-अर्चना कर रही थीं, उसी दिन मुरार थाना क्षेत्र के त्यागी नगर में एक महिला की हत्या कर दी गई। मृतका की पहचान मधु श्रीवास्तव के रूप में हुई है, जबकि हत्या का आरोप उनके पति आनंद श्रीवास्तव पर लगा है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, मधु के सिर पर कई बार वार किए गए, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी पति खुद थाने पहुंच गया। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। त्योहार के दिन हुई इस वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई और घटना को लेकर आसपास के लोगों के बीच चर्चा शुरू हो गई। करवा चौथ का त्योहार पति-पत्नी के रिश्ते और वैवाहिक जीवन की खुशहाली से जुड़ा माना जाता है। इस दिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र और सुखी दांपत्य जीवन की कामना करते हुए व्रत रखती हैं। घरों में सुबह से ही त्योहार की तैयारियां शुरू हो जाती हैं और शाम को पूजा के बाद चंद्रमा के दर्शन कर व्रत खोला जाता है। लेकिन ग्वालियर के त्यागी नगर में इसी त्योहार के दिन हुई हत्या की घटना ने लोगों को स्तब्ध कर दिया। जिस घर में वैवाहिक जीवन से जुड़ी खुशियां होनी चाहिए थीं, वहां एक महिला की मौत की खबर सामने आई। हालांकि, घटना के समय घर में क्या परिस्थितियां थीं और वारदात से पहले क्या हुआ था, इसकी विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, मधु श्रीवास्तव के सिर पर कई बार वार किए गए थे। गंभीर चोटों के कारण उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी सामने आने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वारदात किन परिस्थितियों में हुई और घटना से पहले पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था या नहीं। फिलहाल पुलिस की ओर से हत्या के पीछे की वास्तविक वजह की पुष्टि नहीं की गई है। जांच पूरी होने के बाद ही घटना से जुड़े सभी तथ्यों का खुलासा हो सकेगा। इस मामले में सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि हत्या के आरोप में घिरा पति आनंद श्रीवास्तव वारदात के बाद खुद थाने पहुंच गया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, उसने पुलिस के सामने हत्या की बात स्वीकार की। इसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। पुलिस उसके बयान की जांच करने के साथ ही घटनाक्रम से जुड़े अन्य तथ्यों का भी पता लगा रही है। जांच एजेंसियां यह समझने का प्रयास कर रही हैं कि घटना से पहले क्या हुआ, वारदात किस परिस्थिति में हुई और आरोपी के थाने पहुंचने के पीछे पूरे घटनाक्रम की क्या कड़ी रही। बताया जा रहा है कि आनंद श्रीवास्तव और मधु श्रीवास्तव ने प्रेम विवाह किया था। दोनों ने अपनी पसंद से शादी की थी, लेकिन अब इस मामले में सामने आई हत्या की घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

चॉकलेट को लेकर हुआ झगड़ा... 12 साल की लड़की ने 4 साल के मासूम को पानी की टंकी में धकेला

पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर नाबालिग को बाल सुधार गृह भेजा

महानगर मेट्रो ब्यूरो



मंदसौर। मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले के शामगढ़ की पंजाबी कॉलोनी में एक मासूम बच्चे की मौत से पूरे इलाके में शोक और सनसनी का माहौल है। चॉकलेट को लेकर हुए विवाद के करीब 10 से 15 दिन बाद सामने आई इस घटना ने लोगों को झकझोर कर रख दिया है। मृतक बच्चे की पहचान कृष्णपाल उर्फ बाबू के रूप में हुई है। उसकी उम्र करीब साढ़े चार साल बताई गई है। पुलिस के अनुसार, पड़ोस में रहने वाली साढ़े 12 साल की एक नाबालिग बच्ची पर बच्चे को चॉकलेट देने के बहाने अपने घर बुलाने और पानी की टंकी में धकेलने का आरोप है। घटना 24 अक्टूबर की बताई जा रही है। मामले की जांच के बाद पुलिस ने हत्या का प्रकरण दर्ज किया और नाबालिग को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे बाल सुधार गृह भेज दिया गया। पुलिस के मुताबिक, घटना से करीब 10 से 15 दिन पहले चॉकलेट को लेकर दोनों बच्चों के बीच विवाद हुआ था। आरोप है कि उस दौरान नाबालिग बच्ची ने कृष्णपाल की चॉकलेट ले ली थी। इस बात की जानकारी मिलने पर बच्चे की मां ने पड़ोस में रहने वाली बच्ची को डांट दिया था। बताया जा रहा है कि इस घटना के बाद बच्ची के मन में नाराजगी थी। पुलिस को आशंका है कि इसी पुरानी बात को लेकर उसने बाद में यह कदम उठाया। हालांकि, घटना के पीछे की परिस्थितियों और नाबालिग की भूमिका से जुड़े सभी पहलुओं की जांच पुलिस की ओर से की जा रही है। 24 अक्टूबर की दोपहर करीब 2 बजे कृष्णपाल अचानक लापता हो गया। बच्चे के दिखाई नहीं देने पर परिजनों की चिंता बढ़ गई और उन्होंने उसकी तलाश शुरू कर दी। परिवार के लोगों ने आसपास के इलाकों और परिचित स्थानों पर बच्चे को तलाशा, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। काफी देर तक खोजबीन के बावजूद जब बच्चा नहीं मिला तो मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। इसके बाद पुलिस ने घटनास्थल के आसपास की परिस्थितियों की जांच शुरू की और आसपास के घरों में भी जानकारी जुटाई। जांच के दौरान पुलिस का संदेह पड़ोस के एक मकान पर गया, जहां तलाशी लेने पर पानी की टंकी से बच्चे का शव बरामद हुआ। मासूम का शव मिलने की खबर फैलते ही इलाके में हड़कंप मच गया और परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। पुलिस की प्रारंभिक जांच में आरोप सामने आया कि नाबालिग बच्ची ने कृष्णपाल को चॉकलेट देने के बहाने अपने घर बुलाया था। इसके बाद उसे पानी की टंकी में धकेल दिया। पुलिस के अनुसार, बच्ची पर टंकी का ढक्कन बंद करने और उसके ऊपर पत्थर रखने का भी आरोप है। इस घटना के सामने आने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच आगे बढ़ाई। हालांकि, नाबालिग की भूमिका और घटना के क्रम को लेकर पुलिस ने पूछताछ तथा अन्य उपलब्ध तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की है। मामले में दर्ज प्रकरण और पुलिस की जांच के आधार पर आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है। कृष्णपाल अपने परिवार में तीन बहनों का इकलौता भाई था। परिवार के लिए वह घर की खुशियों का केंद्र था। उसकी मौजूदगी से घर में रौनक रहती थी, लेकिन अचानक हुई इस घटना ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया। जिस बच्चे के साथ माता-पिता ने भविष्य के सपने संजोए थे, उसकी मौत के बाद परिवार की खुशियां मातम में बदल गईं। परिवार की आर्थिक स्थिति भी साधारण बताई गई है। परिजन पानी-पतासे का ठेला लगाकर परिवार का गुजारा करते थे।

शिवपुरी में एक ही परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़, दो सगी बहनों समेत 6 लोगों की मौत से दो गांवों में मातम

महानगर मेट्रो ब्यूर



शिवपुरी। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में एक ही परिवार से जुड़ी दो दर्दनाक घटनाओं ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। बुधवार को अलग-अलग थाना क्षेत्रों में दो सगी बहनों और उनके चार बच्चों की मौत हो गई। पहली घटना कोलारस थाना क्षेत्र के सेसई गांव से जुड़ी है, जहां करीब 40 वर्षीय सीता रावत और उनके तीन बच्चों की मौत हो गई। इसके बाद बैराड़ थाना क्षेत्र के गूंगरगांव में सीता की छोटी बहन अंजलि और उसके छह वर्षीय बेटे प्रशांत की मौत की खबर सामने आई। एक ही दिन में परिवार के छह लोगों की जान जाने से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। दोनों गांवों में शोक का माहौल है और ग्रामीण इस घटना से स्तब्ध हैं। पुलिस ने दोनों मामलों में अलग-अलग मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल दोनों घटनाओं के पीछे की परिस्थितियों और कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। पहली घटना कोलारस थाना क्षेत्र के सेसई गांव की है। यहां रहने वाली सीता रावत बुधवार को अपने तीन बच्चों, 14 वर्षीय राखी, 11 वर्षीय प्रियंका और छह वर्षीय श्लोक के साथ खोंकर गांव स्थित अपने खेत पर गई थीं। परिजनों के अनुसार, सीता दोपहर के समय बच्चों के साथ खेत पर गई थीं, लेकिन शाम तक घर वापस नहीं लौटीं। शाम करीब छह बजे तक उनके नहीं लौटने पर परिवार के लोगों को चिंता होने लगी। इसके बाद परिजन उन्हें तलाशते हुए खेत की ओर पहुंचे। वहां पहुंचने पर कुएं के पास चप्पल पड़ी दिखाई दी। जब परिजनों ने कुएं में झांककर देखा तो अंदर शव नजर आए। यह दृश्य देखकर परिवार के लोग घबरा गए और तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर कोलारस थाना पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से कुएं से शवों को बाहर निकालने की कार्रवाई शुरू की गई। पुलिस के अनुसार, बुधवार रात करीब 11 बजे तक सीता रावत और उनके तीनों बच्चों के शव कुएं से बाहर निकाल लिए गए थे। घटना की जानकारी फैलते ही आसपास के गांवों में शोक की लहर दौड़ गई। एक मां और उसके तीन बच्चों की एक साथ मौत की खबर से हर कोई स्तब्ध रह गया। परिवार के लोगों के लिए यह सदमा बेहद गहरा है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई की और मौत के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी। इसी परिवार से जुड़ी दूसरी घटना बैराड़ थाना क्षेत्र के गूंगरगांव की है। यहां रहने वाली करीब 35 वर्षीय अंजलि और उसके छह वर्षीय बेटे प्रशांत की भी बुधवार को मौत हो गई। अंजलि, सीता रावत की छोटी बहन थी। पुलिस के अनुसार, यह घटना बुधवार दोपहर करीब एक बजे की बताई जा रही है।

छतरपुर में रिश्वत लेने के लिए एएसआई ने लगाया दिमाग, फरियादी से 2 हजार रुपये लेते वीडियो वायरल

महानगर मेट्रो ब्यूर



छतरपुर। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। यहां सिविल लाइन थाना परिसर में पुलिस की गाड़ी में बैठकर एक सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) द्वारा कथित तौर पर रिश्वत लेने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में एएसआई सीताराम अहिरवार एक फरियादी से 2 हजार रुपये लेते दिखाई दे रहे हैं। मामला सामने आने के बाद पुलिस विभाग में हलचल मच गई। वीडियो वायरल होने से पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे। मामले की गंभीरता को देखते हुए छतरपुर पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा ने एएसआई सीताराम अहिरवार को निलंबित कर दिया है। उन्हें पुलिस लाइन से संबद्ध किया गया है। एसपी ने स्पष्ट किया है कि रिश्वत मांगने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार, यह पूरा मामला छतरपुर के सिविल लाइन थाने का बताया जा रहा है। भवानीदीन प्रजापति नाम का एक फरियादी अपने मामले के सिलसिले में एएसआई सीताराम अहिरवार से संपर्क कर रहा था। बताया जा रहा है कि संबंधित मामले की जिम्मेदारी एएसआई के पास थी। फरियादी को उम्मीद थी कि पुलिस उसकी समस्या का समाधान करेगी, लेकिन आरोप है कि मामले में राहत देने के नाम पर उससे पैसों की मांग की गई। बातचीत के दौरान कथित तौर पर 2 हजार रुपये में लेनदेन तय हुआ। इसके बाद फरियादी ने एएसआई को नकद राशि दी। आरोप है कि एएसआई ने थाने के परिसर में खड़ी पुलिस की गाड़ी में बैठकर रुपये लिए। रिश्वत लेते समय एएसआई की गतिविधियों को किसी व्यक्ति ने अपने मोबाइल कैमरे में रिकॉर्ड कर लिया। वायरल वीडियो में एएसआई पुलिस की गाड़ी में बैठे नजर आ रहे हैं और फरियादी से रुपये लेते दिखाई देते हैं। बताया जा रहा है कि इस दौरान एएसआई को वीडियो बनाए जाने का संदेह भी हुआ। वीडियो में उन्हें यह कहते हुए सुना जा सकता है कि वीडियो बना रहे हो क्या? इसके बावजूद कथित लेनदेन का दृश्य कैमरे में रिकॉर्ड हो गया। बाद में यह वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने लगा, जिसके बाद मामला चर्चा में आ गया। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठने लगे। लोगों ने थाने के परिसर में पुलिस की गाड़ी के भीतर कथित तौर पर रिश्वत लिए जाने पर नाराजगी जताई। वर्दी में तैनात पुलिसकर्मी पर लगे आरोपों ने मामले को और गंभीर बना दिया। सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के बाद अधिकारियों ने कार्रवाई की और एएसआई को निलंबित कर दिया। हालांकि, रिश्वत से जुड़े आरोपों की विस्तृत जांच और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जानी है।

mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो
अहमदाबाद, (शुक्रवार)
30 अक्टूबर 2026

दिल्ली के हिंदू महासभा भवन में जूना अखाड़े के मुख्य संरक्षक श्रीमहंत हरि गिरि जी महाराज का भव्य स्वागत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली स्थित ऐतिहासिक हिंदू महासभा भवन में श्री पंचदशनाम जूना अखाड़े के मुख्य संरक्षक एवं अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अंतरराष्ट्रीय महामंत्री श्रीमहंत हरि गिरि जी महाराज का भव्य स्वागत किया गया। उनके आगमन पर भवन परिसर में उत्साह और आध्यात्मिक वातावरण देखने को मिला।



उपस्थित संतों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने जयघोष तथा पुष्पवर्षा के साथ उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर सनातन धर्म के संरक्षण, गौ रक्षा, राष्ट्र रक्षा और भारतीय संस्कृति के संवर्धन जैसे विषयों पर संत समाज के बीच विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में दिल्ली स्थित हिंदू महासभा भवन में देश के प्रमुख अखाड़ों के संत-महात्माओं की सहभागिता से भव्य वैदिक अनुष्ठान आयोजित करने का प्रस्ताव भी सामने आया। श्रीमहंत हरि गिरि जी महाराज के स्वागत के लिए अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं श्री पंचदशनाम जूना अखाड़े के जगदुरु स्वामी चक्रपाणि नंद गिरि जी महाराज तथा जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीमहंत नारायण गिरि जी महाराज सहित अनेक संत और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। महाराजश्री के पहुंचने पर वैदिक बटुकों ने मंत्रोच्चार किया। इसके साथ ही छत्र, पुष्पमालाओं और पारंपरिक स्वागत के माध्यम से उनका अभिनंदन किया गया। पूरे कार्यक्रम में संत परंपरा और धार्मिक रीति-रिवाजों की झलक देखने को मिली। हिंदू महासभा भवन में प्रवेश करने के बाद श्रीमहंत हरि गिरि जी महाराज ने परिसर में स्थापित ऐतिहासिक शिव मंदिर श्री चक्रेश्वर हिन्देश्वर महादेव में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुए पूजन के दौरान उपस्थित संतों और श्रद्धालुओं ने आरती कर राष्ट्र कल्याण की कामना की। इसके बाद स्वामी चक्रपाणि महाराज और संत समाज ने भगवा वस्त्र धारण कराकर तथा पुष्पमालाएं अर्पित कर श्रीमहंत हरि गिरि जी महाराज का सम्मान किया। इस दौरान गुरु पूजन और संत सत्कार की परंपरा का निर्वहन किया गया। इसके बाद स्वामी चक्रपाणि महाराज ने श्रीमहंत हरि गिरि जी महाराज को हिंदू महासभा भवन का भ्रमण कराया और अपने विशेष कक्ष में उनका स्वागत किया। यहां संतों के बीच धर्म, राष्ट्र और सामाजिक विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। चर्चा में सनातन संस्कृति की परंपराओं को आगे बढ़ाने, गौ रक्षा के प्रयासों को मजबूत करने और राष्ट्र के आध्यात्मिक उत्थान के लिए संत समाज की भूमिका जैसे विषय प्रमुख रहे। संतों ने धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के लिए आपसी सहयोग और समन्वय की आवश्यकता पर भी विचार किया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट में वकीलों और पुलिस के बीच टकराव से गरमाया माहौल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट परिसर में वकीलों और पुलिस-प्रशासनिक व्यवस्था के बीच कथित टकराव का मामला चर्चा में है। अदालत कक्ष में बैठने की व्यवस्था, प्रोटोकॉल और अधिवक्ताओं के साथ व्यवहार को लेकर सामने आए विवाद ने न्यायिक और प्रशासनिक व्यवस्था में आपसी सम्मान तथा समन्वय की आवश्यकता को एक बार फिर रेखांकित किया है। न्यायालय परिसर में हुई इस घटनाक्रम से जुड़ी चर्चाओं के बीच यह सवाल भी उठ रहा है कि आखिर ऐसी परिस्थितियां क्यों बनती हैं, जिनसे न्यायिक कार्यवाही के दौरान तनाव की स्थिति पैदा हो जाती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, विवाद उस समय बढ़ा जब अदालत कक्ष में वकीलों के बैठने के निर्धारित स्थान पर पुलिस अधिकारियों के कथित हस्तक्षेप और अधिवक्ताओं के साथ अमर्यादित व्यवहार को लेकर नाराजगी सामने आई। बताया जा रहा है कि प्रोटोकॉल और सम्मान से जुड़े मुद्दों पर शुरू हुआ विवाद आगे बढ़ता गया और माहौल तनावपूर्ण हो गया। इस घटनाक्रम ने अदालत परिसर में व्यवस्था बनाए रखने, निर्धारित नियमों का पालन करने और सभी पक्षों के साथ मर्यादित व्यवहार सुनिश्चित करने की जरूरत पर ध्यान खींचा है। हालांकि, पूरे मामले की वास्तविक परिस्थितियों को स्पष्ट करने के लिए संबंधित पक्षों का आधिकारिक पक्ष सामने आना भी जरूरी है। अदालत परिसर केवल कानूनी बहस और न्यायिक कार्यवाही का स्थान नहीं, बल्कि संवैधानिक व्यवस्था और कानून के प्रति सम्मान का प्रतीक भी है। यहां न्यायाधीशों, अधिवक्ताओं, पुलिसकर्मियों और प्रशासनिक अधिकारियों की अपनी-अपनी जिम्मेदारियां होती हैं। ऐसे में किसी भी पक्ष की ओर से नियमों की अनदेखी या मर्यादा के विपरीत व्यवहार किए जाने का आरोप सामने आता है, तो मामले को गंभीरता से देखना आवश्यक हो जाता है। न्यायालय की गरिमा बनाए रखने के लिए यह जरूरी है कि सभी संबंधित पक्ष निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करें और विवाद की स्थिति में संयम तथा संवाद को प्राथमिकता दें।



वकीलों के दबाव के बाद सहायक पुलिस आयुक्त और थाना प्रभारी का तबादला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में वकीलों और पुलिस के बीच विवाद के बाद शाहदरा जिले में तैनात सहायक पुलिस आयुक्त मनस्वी वशिष्ठ और शाहदरा थाने के प्रभारी अरुण कुमार का तबादला कर दिया गया है। पुलिस अधिकारियों के तबादले और लंबित मामलों की जांच निर्धारित समय में पूरी करने पर सहमति बनने के बाद दिल्ली की सभी जिला अदालतों में वकीलों की अनिश्चितकालीन हड़ताल समाप्त हो गई है। वकीलों ने तत्काल काम पर लौटने का निर्णय लिया है। हालांकि, पुलिस ने अधिकारियों के तबादले को नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया बताया है, जबकि वकील इसे अपनी मांगों के संबंध में हुई कार्रवाई मान रहे हैं। जानकारी के अनुसार, कड़कड़डूमा अदालत के वकील ललित बंसल पर वाहन खड़ा करने को लेकर हुए विवाद में कुछ लोगों ने हमला किया था। इस घटना में उन्हें चोटें आई थीं। वकीलों का आरोप था कि पुलिस ने मामला दर्ज करने और आरोपियों को पकड़ने के बावजूद कथित रूप से रिश्वत लेकर उन्हें छोड़ दिया। इस कार्रवाई से नाराज वकील शाहदरा थाने पहुंचे और थाना प्रभारी अरुण कुमार के कमरे में विरोध जताया। इस दौरान पुलिसकर्मियों और वकीलों के बीच काफी गहमागहमी हुई। वकीलों ने सहायक पुलिस आयुक्त मनस्वी वशिष्ठ और थाना प्रभारी अरुण कुमार को निलंबित करने की मांग उठाई तथा कार्रवाई नहीं होने तक हड़ताल जारी रखने का निर्णय लिया। विवाद के बीच 26 अक्टूबर को सहायक पुलिस आयुक्त मनस्वी वशिष्ठ की शिकायत पर वकीलों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसके बाद मामला और गंभीर हो गया तथा जिला अदालतों में वकीलों की अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू हो गई। हड़ताल के कारण न्यायिक कामकाज पर असर पड़ा और कई महत्वपूर्ण मामलों की सुनवाई तथा आदेश प्रभावित हुए। बुधवार को दिल्ली पुलिस, दिल्ली बार परिषद और विभिन्न बार संगठनों के प्रतिनिधियों के बीच बैठक हुई। बैठक में विवाद का समाधान निकालने और लंबित शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई करने को लेकर सहमति बनी। इसके बाद दिल्ली पुलिस मुख्यालय की ओर से 28 अक्टूबर को तबादले के आदेश जारी किए गए।



बॉम्बे हाईकोर्ट में फैसले से नाराज महिला ने जज की ओर पर्स फेंकने की कोशिश, अदालत ने लगाई फटकार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान एक महिला के अप्रत्याशित व्यवहार से अदालत में हंगामे की स्थिति पैदा हो गई। अपने और बच्चों के खिलाफ आदेश आने से नाराज महिला रोने और चिल्लाने लगी। इसी दौरान उसने न्यायाधीश की ओर अपना पर्स फेंकने की कोशिश की, हालांकि वह ऐसा करने से रुक गई। महिला के इस व्यवहार पर न्यायालय ने कड़ी नाराजगी जताई और उसे फटकार लगाई। मामले की गंभीरता को देखते हुए न्यायालय ने अवमानना की कार्यवाही शुरू करने और भारी जुर्माना लगाने के संकेत दिए हैं। घटना के बाद पुलिस को बुलाया गया और महिला को अदालत कक्ष से बाहर ले जाया गया। मामले की अगली सुनवाई 30 अक्टूबर को निर्धारित की गई है। जानकारी के अनुसार, यह मामला ठुकराल परिवार से जुड़े संपत्ति विवाद और न्यायालय के आदेश के पालन से संबंधित है। न्यायमूर्ति माधव जामदार की पीठ इस प्रकरण में दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई कर रही थी। विवाद की शुरुआत

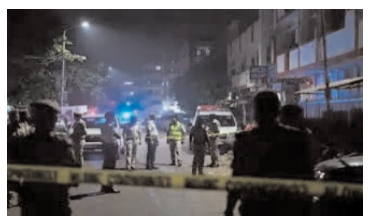


वर्ष 2009 में हुई थी, जब संपत्ति के मालिक ने ठुकराल के ससुर के खिलाफ मकान खाली कराने के लिए मुकदमा दायर किया था। इसके बाद लंबे समय तक कानूनी प्रक्रिया चली और अंततः मकान मालिक के पक्ष में फैसला आया। अप्रैल 2025 में इस आदेश को लागू किया गया था। आरोप है कि न्यायालय के आदेश के बावजूद ठुकराल परिवार ने संबंधित संपत्ति में दोबारा जबरन प्रवेश कर लिया। इसके बाद मकान मालिक के परिवार ने उच्च न्यायालय का रुख किया और आदेश का पालन सुनिश्चित कराने के लिए याचिका दायर की। इसी याचिका पर सुनवाई के दौरान अदालत ने संपत्ति का कब्जा उसके वास्तविक हकदारों को सौंपने के संबंध में निर्देश जारी किए। न्यायमूर्ति जामदार ने सुनवाई के दौरान आरोपियों के व्यवहार को न्यायिक प्रक्रिया में बाधा डालने वाला बताया। अदालत ने न्यायालय के रिसीवर को संपत्ति का कब्जा लेने और उसे याचिकाकर्ताओं को सौंपने का निर्देश दिया। साथ ही, कब्जा दिलाने की कार्रवाई के दौरान आवश्यकता पड़ने पर पुलिस सुरक्षा लेने की अनुमति भी प्रदान की। अदालत के इस फैसले से महिला नाराज हो गई और उसने न्यायालय कक्ष में ही अपना विरोध जताना शुरू कर दिया। बताया गया कि आदेश सुनने के बाद महिला रोने लगी और जोर-जोर से चिल्लाने लगी। इसी दौरान उसने न्यायाधीश की ओर अपना पर्स फेंकने की कोशिश की। हालांकि, उसने पर्स नहीं फेंका और खुद को रोक लिया। इसके बावजूद न्यायालय ने उसके व्यवहार को गंभीरता से लिया। अदालत में सुनवाई के दौरान इस तरह की घटना को न्यायिक अनुशासन और कार्यवाही की गरिमा से जुड़ा महत्वपूर्ण मामला माना गया। महिला के व्यवहार पर नाराजगी जताते हुए न्यायमूर्ति जामदार ने स्पष्ट किया कि किसी व्यक्ति के खिलाफ फैसला आने का यह अर्थ नहीं है कि वह अदालत में अनुचित व्यवहार करे। न्यायालय में प्रत्येक व्यक्ति से मर्यादा बनाए रखने और कानूनी प्रक्रिया का सम्मान करने की अपेक्षा की जाती है। किसी आदेश से असहमति होने पर उसके खिलाफ कानूनी उपाय अपनाए जा सकते हैं, लेकिन अदालत में हंगामा करना उचित नहीं है। घटना के बाद महिला ने न्यायालय को लिखित माफीनामा भी सौंपा। हालांकि, माफी दिए जाने के बावजूद अदालत ने मामले को हल्के में नहीं लिया। न्यायमूर्ति जामदार ने महिला के आचरण को अदालत की अवमानना के दायरे में आने की संभावना जताई और आगे की कार्रवाई के साथ भारी जुर्माना लगाए जाने के संकेत दिए। इसके बाद पुलिस को बुलाया गया और महिला को अदालत कक्ष से बाहर ले जाया गया, ताकि न्यायिक कार्यवाही आगे बढ़ाई जा सके। यह पूरा घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब संपत्ति विवादों में न्यायालय के आदेशों का पालन और उनके क्रियान्वयन का मुद्दा महत्वपूर्ण बना हुआ है।

दिल्ली के सिंघोला में कागज का भारी रोल गिरने से मजदूर की मौत, कंपनी मालिक पर मुकदमा दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के सिंघोला इलाके में एक कागज कंपनी के परिसर में काम करते समय हुए दर्दनाक हादसे में 27 वर्षीय मजदूर नीरज की मौत हो गई। नीरज वाहन में कागज के भारी रोल लादने का काम कर रहा था। इसी दौरान अचानक एक भारी रोल उसके ऊपर गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद उसे तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और कंपनी के मालिक के खिलाफ लापरवाही के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना 26 अक्टूबर को सिंघोला स्थित एक कागज कंपनी के परिसर में हुई। 27 वर्षीय नीरज दो अन्य लोगों के साथ वाहन पर कागज के भारी-भरकम रोल लादने के काम में लगा हुआ था। काम के दौरान अचानक एक रोल



असंतुलित होकर उसके ऊपर आ गिरा। भारी रोल की चपेट में आने से नीरज गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे बचाने और अस्पताल पहुंचाने का प्रयास किया। इसके बाद उसे उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इस मामले में कंपनी के मालिक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 106 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह धारा लापरवाही के कारण किसी व्यक्ति की मृत्यु होने से संबंधित है। पुलिस अब हादसे के पीछे की परिस्थितियों का पता लगाने में जुटी है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि दुर्घटना किस वजह से हुई और इसके लिए कौन जिम्मेदार है। प्रारंभिक जांच में काम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और संभावित लापरवाही से जुड़े पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। पुलिस यह जानने का प्रयास कर रही है कि वाहन पर कागज के भारी रोल लादते समय उन्हें सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक इंतजाम किए गए थे या नहीं। साथ ही, कंपनी परिसर में मजदूरों की सुरक्षा के लिए निर्धारित नियमों का पालन किया जा रहा था या नहीं, इसकी भी जांच की जा रही है। हालांकि, हादसे की वास्तविक वजह और जिम्मेदारी को लेकर अंतिम निष्कर्ष जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएगा। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए नीरज के शव का पोस्टमार्टम कराया और बाद में शव परिजनों को सौंप दिया। घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

वकालत छोड़ ड्रग्स सप्लाई के धंधे में उतरा गाजीपुर का युवक



महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मुंबई में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दिंडोशी पुलिस ने 1.28 करोड़ रुपये की एमडी ड्रग्स के साथ 31 वर्षीय शिवाजी जयप्रकाश सिंह को गिरफ्तार किया है। आरोपी उत्तर प्रदेश के गाजीपुर का रहने वाला बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, आरोपी पहले वकालत करता था, लेकिन अधिक कमाई के लालच में कथित तौर पर मादक पदार्थों की सप्लाई करने लगा। पुलिस अब उससे पूछताछ कर इस कारोबार से जुड़े अन्य लोगों और पूरी आपूर्ति श्रृंखला का पता लगाने में जुटी है। पुलिस के मुताबिक, दिंडोशी पुलिस थाने की मादक पदार्थ विरोधी टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि गोरेगांव पूर्व के फिल्म सिटी रोड स्थित हनुमान नगर में सैटेलाइट टावर के पास ड्रग्स की खेप पहुंचने वाली है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने इलाके में निगरानी बढ़ाई और जाल बिछाया। इसी दौरान संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर शिवाजी जयप्रकाश सिंह को पकड़ लिया गया। उसके पास मौजूद बैग की तलाशी लेने पर बड़ी मात्रा में एमडी ड्रग्स बरामद हुई। पुलिस के अनुसार, बरामद मादक पदार्थ का वजन और कीमत जांच के दौरान स्पष्ट की जा रही है। शुरुआती जानकारी में इसकी मात्रा करीब 640 से 680 ग्राम और अनुमानित कीमत 1.25 करोड़ से 1.28 करोड़ रुपये बताई गई है। आरोपी के पास से कुछ दस्तावेज भी मिले हैं, जिनकी जांच की जा रही है। जांच में यह बात भी सामने आई है कि आरोपी को कथित तौर पर प्रत्येक खेप पहुंचाने के बदले 12 प्रतिशत कमीशन मिलता था। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि मादक पदार्थों की खेप कहां से भेजी गई थी, मुंबई में इसे किस व्यक्ति तक पहुंचाया जाना था और इस कारोबार में अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आरोपी के मोबाइल संपर्कों, दस्तावेजों और पूछताछ से मिली जानकारियों के आधार पर पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है। मामले में स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस का मानना है कि इस जांच से मादक पदार्थों की आपूर्ति से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी मिल सकती है। फिलहाल, आरोपी के खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच जारी है।

मुंबई एयरपोर्ट के पास कथित अवैध मस्जिद का मामला गरमाया, किरीट सोमैया वकीलों के साथ पहुंचेंगे थाने

सरकारी जमीन पर करीब 5000 वर्ग फीट में निर्माण होने का भाजपा नेता ने लगाया आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। के सहार हवाई अड्डे के पास कथित अवैध मस्जिद का मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। भाजपा नेता और पूर्व सांसद किरीट सोमैया ने इस निर्माण के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराने का ऐलान किया है। उन्होंने बताया कि वह शाम 5 बजे करीब 100 वकीलों के साथ सहार हवाई अड्डा पुलिस थाने पहुंचेंगे और मामले में प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग करेंगे। उनके इस ऐलान के बाद हवाई अड्डा परिसर की सुरक्षा बढ़ाए जाने की जानकारी सामने आई है। किरीट सोमैया का आरोप है कि मुंबई हवाई अड्डे के टर्मिनल-2 के विशिष्ट अतिथि आगमन द्वार के पास सरकारी जमीन पर करीब 5000 वर्ग फीट क्षेत्र में अवैध रूप से मस्जिद का निर्माण किया गया है। उन्होंने इस निर्माण को हटाने की मांग उठाई है। हालांकि, निर्माण की वैधता और जमीन के स्वामित्व से जुड़े आरोपों की पुष्टि संबंधित सरकारी अभिलेखों और जांच के आधार पर ही हो सकेगी। सोमैया ने सामाजिक माध्यम 'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए



कहा कि वह इस मामले में कानूनी कार्रवाई के लिए पुलिस के पास जाएंगे। उन्होंने वकीलों के साथ थाने पहुंचकर प्राथमिकी दर्ज कराने की बात कही है। इस मामले को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज होने के बीच हवाई अड्डे की सुरक्षा व्यवस्था पर भी ध्यान दिया जा रहा है। इससे पहले 24 अक्टूबर को किरीट सोमैया ने अपने समर्थकों के साथ हवाई अड्डे के पास कथित अवैध निर्माण को हटाने की मांग को लेकर जेल भरो सत्याग्रह किया था। उनके साथ करीब 100 कार्यकर्ता मौजूद थे। प्रदर्शन के दौरान मुंबई पुलिस ने सोमैया और उनके समर्थकों को हिरासत में ले लिया था। बाद में उन्हें सहार पुलिस थाने ले जाने के बाद रिहा कर दिया गया था। सोमैया ने इस कार्रवाई की जानकारी अपने सामाजिक माध्यम खाते पर भी साझा की थी। प्रदर्शन के दौरान भाजपा नेता ने चेतावनी दी थी कि यदि कथित अवैध निर्माण को नहीं हटाया गया तो सरकारी जमीन पर स्थायी कब्जे की स्थिति बन सकती है। उनके अनुसार, हवाई अड्डे जैसे संवेदनशील क्षेत्र में इस तरह के निर्माण की जांच कराकर आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए। प्रदर्शन के दौरान कुछ कार्यकर्ताओं के हाथों में हथौड़े होने की बात भी सामने आई थी, जिसके बाद पुलिस ने हस्तक्षेप किया था। अब सोमैया ने वकीलों के साथ पुलिस थाने पहुंचकर प्राथमिकी दर्ज कराने की घोषणा की है। इस घटनाक्रम के बाद मामले में आगे की कार्रवाई पर नजर बनी हुई है। पुलिस शिकायत प्राप्त होने पर आरोपों और संबंधित दस्तावेजों की जांच करेगी। फिलहाल, कथित अवैध निर्माण को लेकर भाजपा नेता की ओर से लगाए गए आरोपों और उसके संबंध में होने वाली कानूनी कार्रवाई के बीच यह मामला मुंबई में राजनीतिक और प्रशासनिक चर्चा का विषय बना हुआ है।

मेयर ऋतु तावड़े का बीएमसी के 83000 कर्मचारियों को तोहफा, 33000 रुपये दीवाली बोनस देने का ऐलान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। दीपावली से पहले बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के हजारों कर्मचारियों के लिए खुशखबरी सामने आई है। मुंबई की महापौर ऋतु तावड़े ने महानगरपालिका के 83 हजार से अधिक कर्मचारियों को 33 हजार रुपये दीपावली बोनस देने की घोषणा की है। इस फैसले से कर्मचारियों को त्योहार के दौरान आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद है। पिछले वर्ष कर्मचारियों को 32 हजार रुपये बोनस दिया गया था। इस बार इसमें 1000 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। महापौर के अनुसार, कर्मचारियों के योगदान और उनकी मांगों को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। महापौर ऋतु तावड़े ने बताया कि बोनस को लेकर बुधवार को महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई थी। इसमें महानगरपालिका के प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में कर्मचारियों को दिए जाने वाले बोनस की राशि पर चर्चा हुई और 33 हजार रुपये देने पर सहमति बनी। कर्मचारी संगठनों की ओर से लंबे समय से बोनस बढ़ाने की मांग की जा रही थी। प्रशासन और कर्मचारी प्रतिनिधियों के बीच चर्चा के बाद इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। महापौर ने कहा कि मुंबई में विकास कार्यों और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाए रखने में महानगरपालिका के कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। शहर की सफाई, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा, जलापूर्ति और अन्य जरूरी सुविधाओं के संचालन में कर्मचारी लगातार योगदान देते हैं। ऐसे में उनके योगदान को ध्यान में रखते हुए बोनस की राशि बढ़ाने का फैसला लिया गया है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्षों में भी बोनस की राशि में वृद्धि की गई है और इस बार भी कर्मचारियों की मांग पर विचार किया गया। महानगरपालिका मुख्यालय में आयोजित बैठक में विभिन्न समूहों के नेताओं और कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया। कर्मचारी संगठन के नेता शशांक राव के अनुसार, 83 हजार से अधिक स्थायी कर्मचारियों और अन्य कर्मचारियों को बोनस देने पर सहमति बनी है। महापौर ने यह भी घोषणा की कि 2 नवंबर को कर्मचारियों के खातों में वेतन और बोनस का भुगतान एक साथ किया जाएगा, ताकि वे दीपावली की तैयारियां समय पर कर सकें। महापौर ने महाराष्ट्र में किसानों के सामने मौजूद चुनौतियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि राज्य की मौजूदा परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए संतुलित निर्णय लिया गया है। उनके अनुसार, मुंबई की सामाजिक जिम्मेदारी भी महत्वपूर्ण है और किसी भी निर्णय में समाज के विभिन्न वर्गों की परिस्थितियों को ध्यान में रखा जाना चाहिए। इस बैठक के दौरान बीएमसी के विद्यालयों में बच्चों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता का मुद्दा भी उठा। महापौर ने कहा कि यदि जांच में भोजन की गुणवत्ता खराब पाए जाने की पुष्टि होती है तो संबंधित गैर-सरकारी संस्था के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि बच्चों के स्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।



फडणवीस सरकार देगी 5,000 रुपये की आर्थिक सहायता; जानिए कौन होगा पात्र और कैसे मिलेगी राशि

लापुर जिला अध्यक्ष उमेश पाटिल को राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी का पक्ष रखने की जिम्मेदारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र विधान परिषद चुनावों के नतीजों के बाद सत्ताधारी महायुति गठबंधन के भीतर सीटों के बंटवारे और चुनावी तालमेल को लेकर मतभेद सामने आए हैं। भाजपा और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के बीच कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में उम्मीदवारों के समर्थन को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। भाजपा की ओर से आरोप लगाया गया है कि सहयोगी दलों के अलग-अलग उम्मीदवारों को समर्थन देने से मतों का बंटवारा हुआ, जिसका असर चुनावी नतीजों पर पड़ा। हालांकि, इन आरोपों को लेकर संबंधित दलों के पक्ष और विस्तृत आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आने के बाद ही पूरे घटनाक्रम की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। नागपुर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस के अभिजीत वंजारी की जीत के बाद भाजपा के स्थानीय राजनीतिक समीकरणों पर चर्चा तेज हो गई है। इस सीट पर भाजपा के सुधाकर कोहले को हार का सामना करना पड़ा। चुनाव परिणाम के बाद भाजपा के भीतर सहयोगियों के साथ तालमेल और मतों के संभावित बंटवारे को लेकर सवाल उठे हैं। पार्टी



के कुछ नेताओं का आरोप है कि गठबंधन में शामिल दलों के बीच बेहतर समन्वय नहीं होने से नुकसान हुआ। पुणे के निर्वाचन क्षेत्रों में भी उम्मीदवारों के समर्थन को लेकर दोनों सहयोगी दलों के बीच मतभेद की चर्चा है। पुणे शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के कौस्तुभ गावड़े की जीत के बावजूद सीटों के बंटवारे और निर्दलीय उम्मीदवार सचिन सानप को समर्थन देने का मुद्दा सामने आया है। बताया जा रहा है कि शिवसेना सीटों के बंटवारे के फार्मूले से संतुष्ट नहीं थी और उसने सानप का समर्थन किया। भाजपा की ओर से इस कदम पर नाराजगी जताए जाने की बात कही जा रही है। हालांकि, इसे गठबंधन के भीतर जानबूझकर किए गए भीतरघात का मामला मानने के लिए स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है। पुणे स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में भी भाजपा को झटका लगने की खबर है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के शरदचंद्र पवार गुट की उम्मीदवार हर्षदा देशमुख जाधव ने भाजपा की स्मिता जाधव को हराया। इस चुनाव में जीत का अंतर करीब 10 हजार मत बताया गया है। परिणाम को लेकर भाजपा के सामने अपने चुनावी प्रबंधन और स्थानीय स्तर पर सहयोगियों के साथ तालमेल की समीक्षा का मुद्दा आया है। छत्रपति संभाजीनगर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में भी सहयोगी दलों के बीच मुकाबले की स्थिति सामने आई। यहां राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के शरदचंद्र पवार गुट के प्रतापसिंह पाटिल ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार सतीश चव्हाण को पराजित किया। इस परिणाम के बाद गठबंधन के भीतर उम्मीदवारों के चयन और समर्थन को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज हुई हैं। भाजपा ने छत्रपति संभाजीनगर में सहयोगी दलों के खिलाफ प्रचार किए जाने को लेकर भी सवाल उठाए हैं। पार्टी का आरोप है कि गठबंधन के भीतर अलग-अलग रणनीतियां अपनाने से चुनावी लाभ प्रभावित होता है।

एप्पल ने लॉन्च किया पहला टचस्क्रीन मैकबुक-प्रो

भारत में 9 नवंबर से उपलब्ध, कीमत 3.49 लाख से शुरू

मुंबई ।

दिग्गज टेक कंपनी एप्पल ने अपने प्रो एंड टेल इवेंट में पहला टचस्क्रीन मैकबुक प्रो लॉन्च कर सालों पुरानी रणनीति को बदल दिया है। ओएलईडी डिस्प्ले, नई एम5 चिप्स और टच जेस्चर के साथ, यह लैपटॉप सीधे स्क्रीन पर इंटरेक्शन का अनूठा अनुभव प्रदान करेगा। यह नया टचस्क्रीन डिस्प्ले यूजर्स को सीधे स्क्रीन पर डॉक्यूमेंट स्क्रॉल करने, तस्वीरों को जूम करने, ड्राइंग बनाने और कंटेंट एनोटेट करने की सुविधा देता है। पहली बार मैकबुक में आईफोन का लोकप्रिय फीचर डायनामिक आइलैंड भी शामिल किया गया है। लैपटॉप में प्रोएलईडी एक्सडीआर नाम का नया टेंडेम ओएलईडी डिस्प्ले है, जो बेहतर कलर एक्यूरेसी और 2,000 निट्स की पीक ब्राइटनेस का वादा करता है। यह एम5 प्रो और एम5 मैक्स चिप्स से संचालित होता है, जो वीडियो एडिटिंग, थ्रीडी रेंडरिंग और एआई वर्कलोड जैसे भारी कामों के लिए डिजाइन की गई हैं। इनमें एआई से संबंधित कामों के लिए न्यूरल एक्सीलरेटर भी दिए गए हैं। भारत में 14-इंच मॉडल की कीमत 3,49,900 और 16-इंच मॉडल की कीमत 4,09,900 रुपए रखी गई है। नया मैकबुक प्रो भारत में 9 नवंबर से बिक्री के लिए उपलब्ध होगा। एप्पल का यह कदम कंपनी की पुरानी रणनीति से एक बड़ा बदलाव है, क्योंकि स्टीव जॉब्स ने कभी टचस्क्रीन लैपटॉप को इस्तेमाल में असुविधाजनक बताया था।

एसीएमई सोलर का मुनाफा दोगुना, आय में रिकॉर्ड उछाल

बीईएसएस और नवीकरणीय विस्तार से लाभ को मिला बढ़ावा

नई दिल्ली ।

एसीएमई सोलर होल्डिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में शानदार वित्तीय नतीजे पेश किए। कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ दोगुना से अधिक होकर 269 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 115 करोड़ रुपये से काफी अधिक है। कंपनी की कुल आय 67.5 फीसदी बढ़कर 1,007 करोड़ रुपये रही, जिसका मुख्य कारण बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) और नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का विस्तार था। कर पूर्व आय (ईबीआईटीडीए) भी 63.6त बढ़कर 874 करोड़ रुपये दर्ज हुई। तिमाही के दौरान, एसीएमई ने 2.1 गीगावाट-घंटा (जीडब्ल्यूएच) की नई बीईएसएस क्षमता चालू की, जिससे उसकी कुल बीईएसएस क्षमता बढ़कर 5.2 जीडब्ल्यूएच हो गई। कंपनी ने इस अवधि में 184 करोड़ यूनिट स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन भी किया। इस बीच कंपनी ने एनटीपीसी के साथ 400 मेगावॉट की फर्म एंड डिस्पैचेबल रिन्यूएबल एनर्जी (एफडीआरई) परियोजना के लिए 4.37 रुपये प्रति यूनिट की दर पर बिजली खरीद समझौता (पीपीए) किया है। यह समझौता एसीएमई मैरीगोल्ड ऊर्जा प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से किया गया है, जिसकी बिजली आपूर्ति 30 जून, 2028 तक अपेक्षित है।

रिलायंस ने भंग की हैमलीज की छोटी फ्रेंचाइजिंग इकाई

ब्रिटेन में स्वैच्छिक पंजीकरण समाप्त करने का आवेदन स्वीकृत

नई दिल्ली ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने घोषणा की है कि उसकी अनुषंगी की अनुषंगी कंपनी हैमलीज (फ्रेंचाइजिंग) लिमिटेड को भंग किया जा रहा है। यह निर्णय ब्रिटेन में कंपनी के स्वैच्छिक पंजीकरण को समाप्त करने के आवेदन के बाद आया है, जिसकी नियामकीय सूचना जारी कर दी गई है। यह इकाई रिलायंस समूह के कुल कारोबार में नगण्य योगदान देती थी, इसलिए इसे बंद करने का फैसला लिया गया है। ब्रिटेन के कंपनी पंजीयक ने इस संबंध में आधिकारिक राजपत्र में एक नोटिस प्रकाशित किया है। इसके अनुसार, हैमलीज (फ्रेंचाइजिंग) लिमिटेड को 27 अक्टूबर, 2026 से कम से कम दो महीने बाद कंपनी रजिस्टर से हटाकर भंग कर दिया जाएगा।

वित्तीय आंकड़ों के अनुसार, कैलेंडर वर्ष 2025 में हैमलीज (फ्रेंचाइजिंग) लिमिटेड का कारोबार 56.08 करोड़ रुपये था, जो वित्त वर्ष 2025-26 में रिलायंस इंडस्ट्रीज के कुल एकीकृत कारोबार का केवल 0.0048 प्रतिशत था। 31 दिसंबर, 2025 तक इसकी नेटवर्थ शून्य दर्ज की गई थी, जो इसके नगण्य महत्व को दर्शाता है। गौरतलब है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज की अनुषंगी रिलायंस ब्रांड्स लिमिटेड ने जुलाई 2019 में ब्रिटिश खिलौना खुदरा विक्रेता हैमलीज का अधिग्रहण 6.79 करोड़ पाउंड (लगभग 620 करोड़ रुपये) में किया था। लंदन में 1760 में स्थापित हैमलीज दुनिया के सबसे पुराने खिलौना खुदरा ब्रांडों में से एक है। इस फ्रेंचाइजिंग इकाई को भंग करने से मुख्य हैमलीज ब्रांड के वैश्विक संचालन पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 905 और निफ्टी 237 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दूनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 905.01 अंकों की शानदार उछाल के साथ बढ़कर 74,151.04 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी इंडेक्स भी 237.90 अंकों की तेजी के साथ ही 22,936.75 अंक पर पहुंच गया।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 लिस्टेड कंपनियों में से 26 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए, जबकि केवल 4 शेयरों में मामूली गिरावट दर्ज की गई। इसी तरह, निफ्टी 50 के 50 शेयरों में से 39 शेयरों ने तेजी के साथ कारोबार समाप्त किया, जबकि 11 कंपनियों के शेयर लाल निशान में बंद हुए। यह दिखात है कि बाजार की तेजी किसी एक सेक्टर या कुछ शेयरों तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह व्यापक थी।

तेजी वाले शेयरों की बात करें तो अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड के शेयरों में सबसे ज्यादा उत्साह देखने को मिला, जो 5.17 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। इसके बाद कोटक महिंद्रा बैंक , पावर ग्रिड , एटरनल , बजाज फाइनेंस , भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों में भी उछाल रहा। वहीं अन्य प्रमुख बढ़ने वाले शेयरों में टाइटन, एनटीपीसी , बीईएल , इन्फोसिस , आईटीसी, भारती एयरटेल, महिंद्रा एंड महिंद्रा



आदि रहे। इस दौरान कुछ कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। टाटा ग्रुप की कंपनी ट्रेंट के शेयर 1.44 फीसदी की सबसे बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए।

मारुति सुजुकी और , टेक महिंद्रा और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में भी गिरावट रही। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सेंसेक्स 400.28 अंक की बढ़त दर्ज करते हुए 73,646.31 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 110.41 अंक चढ़कर 22,809.25 के स्तर पर बना हुआ था।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।



अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार बढ़त पर बंद हुआ। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की नीतिगत घोषणा के बाद डॉलर में मामूली कमजोरी आने से गुरुवार को शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 11 पैसे मजबूत होकर 95.17 के स्तर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने बाजार की उम्मीदों के अनुरूप ब्याज दरों को 3.75 प्रतिशत से 4.00 प्रतिशत के दायरे में अपरिवर्तित रखा है। हालांकि, इस फैसले के बाद डॉलर पर हल्का दबाव देखने को मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.20 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद इसमें सुधार आया और यह 95.17 प्रति डॉलर तक पहुंच गया। बुधवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.28 पर बंद हुआ। कारोबारियों का कहना है कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और अमेरिका में बॉण्ड प्रतिफल का मजबूत स्तर रुपये पर दबाव बनाए हुए है। हालांकि, करीब 721 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार, हाल में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश के प्रवाह में सुधार और भारतीय रिजर्व बैंक की बाजार में मौजूदगी रुपये को सहारा दे रही है।

मारुति सुजुकी का इलेक्ट्रिक वाहन निर्यात 50,000 इकाई के पार

अगस्त 2025 से ई-विटारा की 50 देशों में धूम

नई दिल्ली ।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) निर्यात के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने अगस्त 2025 से अक्टूबर 2026 की अवधि के दौरान 50,000 से अधिक ईवी का निर्यात किया है, जो वैश्विक बाजारों में इसकी बढ़ती पकड़ और भारत के ईवी निर्यात में इसकी अग्रणी भूमिका को दर्शाता है।

कंपनी ने बताया कि अप्रैल-सितंबर 2026 के दौरान, भारत से हुए कुल इलेक्ट्रिक यात्री वाहन निर्यात में मारुति की हिस्सेदारी करीब 93 प्रतिशत रही। मारुति अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी 'ई-विटारा' का निर्यात ब्रिटेन, नॉर्वे, जर्मनी, जापान सहित करीब 50 देशों में कर रही है, जिसमें यूरोप इसका सबसे बड़ा बाजार है। 'ई-विटारा' का उत्पादन अगस्त 2025 में गुजरात स्थित हंसलपुर संयंत्र में शुरू हुआ था, जो सुजुकी के पहले वैश्विक बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन का एकमात्र निर्माण केंद्र है। मारुति सुजुकी इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ हिसाशी ताकेउची ने इस वैश्विक विस्तार पर खुशी जताई। हाल ही में, हंसलपुर संयंत्र की वार्षिक उत्पादन क्षमता बढ़ाकर 10 लाख वाहन कर दी गई है, जो इसे सुजुकी का दुनिया का पहला ऐसा विनिर्माण संयंत्र बनाती है। कुल 25,288.7 करोड़ रुपये के निवेश से निर्मित इस संयंत्र ने वित्त वर्ष 2025-26 में मारुति के कुल वाहन निर्यात में लगभग आधी हिस्सेदारी निभाई।

एचयूएल का दूसरी तिमाही में 38 फीसदी उछाल का अनुमान

दमदार प्रदर्शन, रिकॉर्ड वॉल्यूम ग्रोथ के बावजूद ब्रोकरेज ने घटाया टारगेट

नई दिल्ली ।

एफएमसीजी दिग्गज हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में बेहतरीन नतीजे पेश किए हैं। कंपनी का मुनाफा 4 फीसदी बढ़कर 2,790 करोड़ रुपए रहा, जबकि वॉल्यूम ग्रोथ 7 फीसदी दर्ज की गई, जो 21 तिमाहियों का उच्चतम स्तर है। इन शानदार नतीजों के साथ, कंपनी ने 19 रुपए प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड भी घोषित किया है। एचयूएल की नेट सेल्स में भी 14.8 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जो 14 तिमाहियों का सबसे मजबूत प्रदर्शन है। दमदार नतीजों के बावजूद, ब्रोकरेज फर्मों ने बाजार की मौजूदा स्थिति और एफएमसीजी सेक्टर के वैल्यूएशन में गिरावट को देखते हुए एचयूएल के शेयर पर अपने टारगेट प्राइस घटा दिए हैं।

नुवामा ने टारगेट 2,820 रुपए से घटाकर 2,510 रुपए और जेफरीज ने 2,450 रुपए से घटाकर 2,350 रुपए किया है, हालांकि दोनों ने बाय रेटिंग बरकरार रखी है। इस तिमाही में कच्चे माल की बढ़ती लागत के चलते मार्जिन पर दबाव साफ दिखा। ग्रॉस मार्जिन 47.1 फीसदी और एबिटा मार्जिन 22.6 फीसदी रहा, जिसमें गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर, होम केयर कारोबार ने 22 फीसदी की शानदार ग्रोथ दर्ज की, वहीं ब्यूटी एंड वेलबीइंग और फूड्स जैसे सेगमेंट में भी अच्छी बढ़ोतरी देखी गई।

कंपनी ने डव, वैसलीन जैसे प्रीमियम प्रोडक्ट्स पर भी जोर दिया है। एचयूएल को उम्मीद है कि ग्रामीण मांग में सुधार और नए आउटलेट्स जोड़ने के प्रयासों से वित्त वर्ष 2026-27 में प्रदर्शन बेहतर होगा, और एबिटडा मार्जिन 22-24 फीसदी के दायरे में रहेगा।

एचयूएल का दूसरी तिमाही में 38 फीसदी उछाल का अनुमान

दमदार प्रदर्शन, रिकॉर्ड वॉल्यूम ग्रोथ के बावजूद ब्रोकरेज ने घटाया टारगेट

नई दिल्ली ।

एफएमसीजी दिग्गज हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में बेहतरीन नतीजे पेश किए हैं। कंपनी का मुनाफा 4 फीसदी बढ़कर 2,790 करोड़ रुपए रहा, जबकि वॉल्यूम ग्रोथ 7 फीसदी दर्ज की गई, जो 21 तिमाहियों का उच्चतम स्तर है। इन शानदार नतीजों के साथ, कंपनी ने 19 रुपए प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड भी घोषित किया है। एचयूएल की नेट सेल्स में भी 14.8 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जो 14 तिमाहियों का सबसे मजबूत प्रदर्शन है।

दमदार नतीजों के बावजूद, ब्रोकरेज फर्मों ने बाजार की मौजूदा स्थिति और एफएमसीजी सेक्टर के वैल्यूएशन में गिरावट को देखते हुए एचयूएल के शेयर पर अपने टारगेट प्राइस घटा दिए हैं। नुवामा ने टारगेट 2,820 रुपए से घटाकर 2,510 रुपए और जेफरीज ने 2,450 रुपए से घटाकर 2,350 रुपए किया है, हालांकि दोनों ने बाय रेटिंग बरकरार रखी है।

इस तिमाही में कच्चे माल की बढ़ती लागत के चलते मार्जिन पर दबाव साफ दिखा। ग्रॉस मार्जिन 47.1 फीसदी और एबिटा मार्जिन 22.6 फीसदी रहा, जिसमें गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर, होम केयर कारोबार ने 22 फीसदी की शानदार ग्रोथ दर्ज की, वहीं ब्यूटी एंड वेलबीइंग और फूड्स जैसे सेगमेंट में भी अच्छी बढ़ोतरी देखी गई।

कंपनी ने डव, वैसलीन जैसे प्रीमियम प्रोडक्ट्स पर भी जोर दिया है। एचयूएल को उम्मीद है कि ग्रामीण मांग में सुधार और नए आउटलेट्स जोड़ने के प्रयासों से वित्त वर्ष 2026-27 में प्रदर्शन बेहतर होगा, और एबिटडा मार्जिन 22-24 फीसदी के दायरे में रहेगा।



घरेलू विमानन उद्योग को 38,000 करोड़ तक के घाटे का अनुमान

मुंबई।

भारतीय विमानन उद्योग को चालू वित्त वर्ष (2026-27) में 36,000 रुपए से 38,000 करोड़ रुपए तक का भारी घाटा होने का अनुमान है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने गुरुवार को यह चेतावनी जारी करते हुए बताया कि पिछले वित्त वर्ष (2025-26) के अनुमानित 28,000-30,000 करोड़ रुपए के घाटे की तुलना में यह नुकसान और बढ़ेगा, जो उद्योग के लिए बढ़ती चुनौतियों को दर्शाता है। इक्रा के मुताबिक, यात्री यातायात वृद्धि दर में नरमी, विमान ईंधन (एटीएफ) की लगातार बढ़ती कीमतें और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में तेज गिरावट के कारण विदेशी मुद्रा संबंधी नुकसान इस घाटे के प्रमुख कारण हैं। इसके अलावा, फरवरी 2026 के अंत में पश्चिम एशिया में संभावित युद्ध शुरू होने से हवाई यात्री यातायात प्रभावित होने की आशंका है। एजेंसी ने विमानों की लगातार आपूर्ति के कारण पट्टा किराये में वृद्धि को भी एयरलाइन कंपनियों की लागत बढ़ने का एक महत्वपूर्ण कारक बताया है। इन चुनौतियों के बावजूद, एयरलाइन कंपनियां अपनी लागत में हुई इस बढ़ोतरी की भरपाई के लिए हवाई किराये में पर्याप्त वृद्धि नहीं कर पा रही हैं, जिससे उनके वित्तीय प्रदर्शन पर गहरा दबाव बना हुआ है और घाटे की स्थिति बनी रहने की संभावना है।

निखिल द्विवेदी की सफॉन मैजिकवर्क्स को बड़ी राहत-आईएमपीपीए अवॉर्ड निरस्त

मुंबई ।

फिल्म निर्माता निखिल द्विवेदी की प्रोडक्शन कंपनी सफॉन मैजिकवर्क्स को बॉम्बे हाईकोर्ट से महत्वपूर्ण कानूनी राहत मिली है। न्यायमूर्ति अरिफ एस. डॉक्टर ने 23 अक्टूबर, 2026 को इंडियन मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (आईएमपीपीए) द्वारा 3 जुलाई, 2026 को पारित अवॉर्ड को निरस्त कर दिया। इस निर्णय से न्यायालय के समक्ष लंबित वाद और सभी संबंधित आवेदनों का निस्तारण हो गया है। न्यायालय ने आईएमपीपीए की विवाद निवारण समिति द्वारा पारित अवॉर्ड को रद्द करते हुए टिप्पणी की कि एसोसिएशन अपनी ही समिति द्वारा पारित अवॉर्ड के निरस्त होने पर स्वयं को पीड़ित पक्ष के रूप में प्रस्तुत नहीं कर सकती। न्यायालय ने उल्लेख किया कि नोटिस की तामील होने के बावजूद आईएमपीपीए कार्यवाही के दौरान उपस्थित नहीं हुई, जो उसके रुख को कमजोर करता है।

यह आदेश 9 सितंबर, 2026 को जारी अंतरिम निर्देश के बाद आया है, जिसमें आईएमपीपीए को विवादित अवॉर्ड के आधार पर सफॉन मैजिकवर्क्स को डिफॉल्टर घोषित करने से रोक दिया गया था। सफॉन मैजिकवर्क्स ने आईएमपीपीए के इस अवॉर्ड को चुनौती दी थी, क्योंकि इससे



कंपनी को संभावित प्रतिकूल परिणामों का सामना करना पड़ सकता था।

विनिर्माण और बिजली क्षेत्र के दम पर चमका औद्योगिक उत्पादन

विनिर्माण में 7.6 फीसदी और बिजली आपूर्ति में 11.2 फीसदी की वृद्धि ने संभाली कमान



नई दिल्ली ।

भारत के औद्योगिक क्षेत्र ने सितंबर 2026 में प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए अर्थव्यवस्था को नई गति दी है। हाल में जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में सालाना आधार पर 6.7 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है। इस तेजी में विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) और बिजली एवं गैस आपूर्ति क्षेत्रों की भूमिका अहम रही, जो देश की आर्थिक गतिविधियों में निरंतर मजबूती का संकेत है। सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा जारी त्वरित अनुमानों के अनुसार, सितंबर 2026 में ढुढ्ढक बढ़कर 124.3 पर पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने यह 116.5 था। इस वृद्धि में विनिर्माण क्षेत्र की 7.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी और बिजली एवं गैस आपूर्ति क्षेत्र की 11.2 प्रतिशत की शानदार वृद्धि का महत्वपूर्ण योगदान रहा। हालांकि, अगस्त 2026 में दर्ज 8 प्रतिशत की वृद्धि दर के मुकाबले सितंबर में यह गति कुछ धीमी रही, फिर भी समग्र प्रदर्शन उत्साहजनक रहा। विनिर्माण क्षेत्र के भीतर, कुल 23 उद्योग समूहों में से 17 ने सकारात्मक वृद्धि दर्ज की। मोटर वाहन, ट्रेलर और सेमी-ट्रेलर निर्माण क्षेत्र ने 19 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की, जिसमें ऑटो कंपोनेंट्स, यात्री और वाणिज्यिक वाहनों के उत्पादन ने अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा, इलेक्ट्रिकल उपकरण निर्माण क्षेत्र में 33.9 प्रतिशत और रबर एवं प्लास्टिक उत्पाद निर्माण क्षेत्र में 19.9 प्रतिशत की मजबूत बढ़ोतरी देखी गई। इलेक्ट्रिकल उपकरणों में स्विचगियर, सर्किट ब्रेकर और ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टर्स जैसे उत्पादों की मांग में उछाल आया।

फेड ने स्थिर रखीं ब्याज दरें, महंगाई पर पैनी नजर

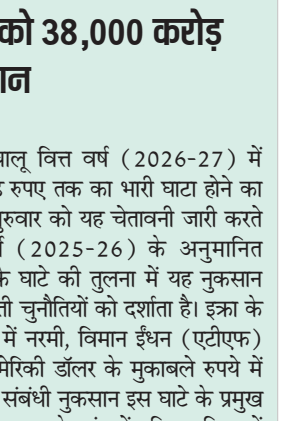
फेडरल रिजर्व ने अक्टूबर बैठक में थामीं दरें; दिसंबर में बढ़ोतरी की अटकलें

नई दिल्ली ।

अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने अक्टूबर की अपनी मौद्रिक नीति बैठक में ब्याज दरों को 3.75-4 फीसदी के दायरे में अपरिवर्तित रखने का फैसला किया है।

यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब अमेरिका में लगातार ऊंची महंगाई दर अभी भी एक बड़ी चुनौती है, हालांकि फेड ने अर्थव्यवस्था को पहले से मजबूत बताया है। फेडरल ओपन मार्केट कमेटी ने 10-2 के बहुमत से दरें स्थिर रखने का निर्णय लिया। सितंबर में 0.25 फीसदी की बढ़ोतरी के बाद यह ठहराव आया है। केंद्रीय बैंक ने संकेत दिया है कि वह अगला बदलाव करने से पहले महंगाई और रोजगार के नए आंकड़ों पर बारीकी से नजर रखेगा।

फेड चेयरमैन केविन वार्श ने दिसंबर की अगली बैठक के लिए कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिया है, लेकिन कुछ अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि दिसंबर में 0.25 फीसदी की और बढ़ोतरी हो



सकती है।

ब्याज दरों में बदलाव का अर्थव्यवस्था और बाजार पर सीधा असर पड़ता है। ऊंची ब्याज दरें कर्ज महंगा करती हैं, जिससे खर्च व निवेश घटता है, और महंगाई नियंत्रित होती है। हालांकि, यह शेयर बाजारों पर दबाव डाल सकता है। अमेरिकी फेड के इन फैसलों का असर भारत सहित वैश्विक बाजारों पर भी पड़ता है। यदि अमेरिका में दरें ऊंची रहती हैं या और बढ़ती हैं, तो विदेशी निवेशक भारतीय बाजारों से पूंजी निकाल सकते हैं, जिससे सेंसेक्स-निफ्टी पर दबाव बढ़ सकता है।

जुपिटर वैगन्स को रेलवे से मिला 1,140 करोड़ का ऑर्डर

कोलकाता ।

भारतीय रेलवे की बढ़ती माल ढुलाई क्षमता को मजबूती देते हुए जुपिटर वैगन्स लिमिटेड को रेल मंत्रालय से 1,140 करोड़ रुपये का एक अहम ऑर्डर मिला है। इस सौदे में कंपनी 2,583 अत्याधुनिक वैगन का विनिर्माण करेगी, जिससे देश की औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखला को गति मिलेगी। जुपिटर वैगन्स को बॉक्स एनएचएल और बॉक्स एनएस श्रेणी के वैगन बनाने का ठेका मिला है, जिसकी जानकारी कंपनी ने गुरुवार को दी। यह ऑर्डर राष्ट्रीय रेल योजना के तहत माल ढुलाई में रेलवे की हिस्सेदारी बढ़ाने के सरकार के लक्ष्य के अनुरूप है। कंपनी को निजी माल ढुलाई ऑपरेटरों, वैगन लीजिंग कंपनियों और प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों के ग्राहकों से भी लगातार ऑर्डर मिल रहे हैं, जिससे उसकी ऑर्डर बुक मजबूत बनी हुई है। कंपनी को वित्त वर्ष 2026-27 की चौथी तिमाही तक



करीब 2,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त ऑर्डर मिलने की उम्मीद है।

सर्दियों में आपकी सेहत



इन सर्दियों में यदि आप अपनी सेहत बनाने की सोच रहे हैं तो सबसे पहले पेट साफ करने की जरूरत है। पेट में कब्ज रहेगा तो कितने ही पौष्टिक पदार्थों का सेवन करें, लाभ नहीं होगा। भोजन समय पर तथा चबा-चबाकर खाना चाहिए, ताकि पाचन शक्ति ठीक बनी रहे, फिर पौष्टिक आहार या औषधि का सेवन करना चाहिए। आचार्य चरक ने कहा है कि पुरुष के शरीर में वीर्य तथा स्त्री के शरीर में ओज होना चाहिए, तभी चेहरे पर चमक व कांति नजर आती है और शरीर पुष्ट दिखता है। हम यहाँ कुछ ऐसे पौष्टिक पदार्थों की जानकारी दे रहे हैं, जिन्हें किशोरावस्था से लेकर युवावस्था तक के लोग सेवन कर लाभ उठा सकते हैं और बलवान बन सकते हैं-

- सोते समय एक गिलास मीठे गुनगुने गर्म दूध में एक चम्मच शुद्ध घी डालकर पीना चाहिए।
- दूध की मलाई तथा पिसी मिश्री जरूरत के अनुसार मिलाकर खाना चाहिए, यह अत्यंत शक्तिवर्द्धक है।
- एक बादाम को पत्थर पर घिसकर दूध में मिलाकर पीना चाहिए, इससे अपार बल मिलता है। बादाम को घिसकर ही उपयोग में लें।
- छाछ से निकाला गया ताजा माखन तथा मिश्री मिलाकर खाना चाहिए, ऊपर से पानी बिलकुल न पिएँ।
- 50 ग्राम उड़द की दाल आधा लीटर दूध में पकाकर खीर बनाकर खाने से अपार बल प्राप्त होता है। यह खीर पूरे शरीर को पुष्ट करती है।
- प्रातः एक पाव दूध तथा दो-तीन केले साथ में खाने से बल मिलता है, कांति बढ़ती है।



- एक चम्मच असगंध चूर्ण तथा एक चम्मच मिश्री मिलाकर गुनगुने एक पाव दूर के साथ प्रातः व रात को सेवन करें, रात को सेवन के बाद कुल्ला कर सो जाएँ। 40 दिन में परिवर्तन नजर आने लगेगा।
- सफेद मूसली या धोली मूसली का पावडर, जो स्वयं कूटकर बनाया हो, एक चम्मच तथा पिसी मिश्री एक चम्मच लेकर सुबह व रात को सोने से पहले गुनगुने एक पाव दूध के साथ लें। यह अत्यंत शक्तिवर्धक है।
- सुबह-शाम भोजन के बाद सेवफल, अनार, केले या जो भी मौसमी फल हों, खाएँ।
- सुबह एक पाव ठंडे दूध में एक बड़ा चम्मच शहद मिलाकर पीने से खून साफ होता है, शरीर में खून की वृद्धि होती है।
- प्याज का रस 2 चम्मच, शहद 1 चम्मच, घी चौथाई चम्मच मिलाकर सेवन करें और स्वयं शक्ति का चमत्कार देखें। यह नुस्खा यौन शक्ति बढ़ाने में अचूक है। ऊपर वर्णित नुस्खे स्त्री-पुरुष दोनों के लिए समान हैं। इन्हें अनुकूल मात्रा में उचित विधि से सुबह-रात को सेवन करना चाहिए।
- भोजन में घी, दूध, चावल, उड़द, नारियल, मलाई, मक्खन, शहद, मौसमी फल, हलवा, हरी साग-भाजी, टमाटर, गाजर, आँवला आदि का सेवन करना चाहिए।
- सर्दियों में बादाम का हलवा, दूध में पकाया हुआ छुहारा, मीठा अनार, प्याज का रस, नारियल की गिरी और दूध की खीर, उड़द दाल का लड्डू, गन्ना रस, सौंठ और काली मिर्च तथा मैथी का लड्डू बहुत फायदेमंद है। योग्य वैद्य की सलाह अवश्य लेनी चाहिए, ताकि अपने शरीर के अनुकूल पथ्य-अपथ्य का चयन किया जा सके।
- चिकनाईयुक्त, मधुर, लवण और अम्ल रस वाले पदार्थ का सेवन करके अपना स्वास्थ्य बनाए रखें। बासी, दुर्गंधयुक्त, अधिक चटपटे मसालेदार खानपान से बचना ही श्रेयस्कर है।
- ठीक समय पर, चबा-चबाकर प्रसन्नतापूर्वक भोजन करना चाहिए। भोजन के पूर्व नीबू पानी और भोजन के पश्चात छाछ पीना लाभदायक होता है।
- इस ऋतु में रूखे, कटु-तिक्त-कषाय, अति शीतल और वात प्रधान भोज्य पदार्थ न खाएँ । अन्यथा जोड़ों के दर्द, गठिया और सायटिका से पीड़ित हो सकते हैं। इसी प्रकार अधिक खटाई से भी बचें, ताकि खाँसी-सर्दी, जुकाम, नजला आदि से बचाव हो सके। नीबू और ताजा दही वर्जित नहीं है।
- शीतऋतु में अधिक देर तक भूखे न रहें, क्योंकि जठराग्नि की प्रबलता के कारण यथासमय भोजन नहीं करने से यह अग्नि शरीर की धातुओं को जला डालती है, जिससे जीवन-शक्ति का क्षय होता है।
- सेहत बनाने के लिए प्रतिदिन स्नान भी जरूरी है। कुछ लोग ठंड के डर से कई दिन तक नहाते नहीं, यह उचित नहीं। पानी कुनकुना कर लेना चाहिए। अत्यधिक ठंडा और अधिक गर्म पानी नुकसान पहुँचाता है।
- मल-मूत्र विसर्जन में आलस्य नहीं करना चाहिए। रात को सिर ढँककर सोना भी उचित नहीं होता।

स्वस्थ रहने के आसान उपाय



सुबह जल्दी उठो और 4- 6 किलोमीटर रोज टहलो। संभव हो तो शाम को भी थोड़ा टहलो। टहलते समय नाक से लम्बी- लम्बी सांसें लो तथा यह भावना करो कि टहलने से 2. टहलते समय नाक से लम्बी- लम्बी सांसें लो तथा यह भावना करो कि टहलने से आप अपने स्वास्थ्य को संवार रहे हैं।

टहलने के अलावा, दौडऩा, साइकिल चलाना, घुड़सवारी, तैरना या कोई भी खेलकूद, व्यायाम के अच्छे उपाय हैं। स्त्रियां चक्की पीसना,,रस्सीकूदना, पानी भरना, झाड़ू- पोछा लगाना आदि घर के कामों में भी अच्छा व्यायाम कर सकती हैं। रोज थोड़े समय छोटे बच्चों के साथ खेलना, 10- 15 मिनट खुलकर हंसना भी अच्छे व्यायाम के अंग हैं।

प्रातः टहलने के बाद भूख अच्छी लगती है। इस समय पौष्टिक पदार्थों का सेवन करें। अंकुरित अन्न, भीगी मूंगफली, आंवला या इससे बना कोई पदार्थ, संतरा या मौसम्मी का रस अच्छे नाश्ता का अंग होते हैं। भोजन सादा करो एवं उसे प्रसाद रूप में ग्रहण करो, शांत, प्रसन्न और निश्चिन्तता पूर्वक करो और उसे अच्छी तरह चबाचबा कर खाओ। खाते समय न बात करो और न हंसो। एकाग्र चित्त होकर भोजन करना चाहिए। भूख से कम खाओ अथवा आधा पेट खाओ, चौथाई पानी के लिए एवं चौथाई पेट हवा के लिए खाली छोड़ो।

भोजन में रोज अंकुरित अन्न अवश्य शामिल करो। अंकुरित अन्न में पौष्टिकता एवं खनिज लवण गुणात्मक मात्रा में बढ़ जाते हैं। इनमें मूंग सर्वोत्तम है। चना, अंकुरित या भीगी मूंगफली इसमें थोड़ी मेथी दाना एवं चुटकी भर- अजवायन मिला लें तो यह कई रोगों का प्रतिरोधक एवं प्रभावी ईलाज है।

मौसम की ताजा हरी सब्जी और ताजे फल खूब खाओ। जितना हो सके कच्चे खाओ अन्यथा आधी उबली/ उबली तथा कम मिर्च- मसाले, खटाई की सब्जियां खाओ। एक ग्रास रोटी के साथ चार ग्रास सब्जी के अनुपात का प्रयास रखो।

आटा चोकर समेत खाओ, सम्भव हो तो हाथ का पिसा हुआ खाओ। जौ, गेहूं, चना, सोयाबीन का मिस्सी रोटी का आटा सुपाच्य एवं पौष्टिक होता है। पौष्टिकता की दृष्टि से रोटी में हरी सब्जी, पालक, मेथी, बथुआ आदि पत्तीदार सब्जी मिलाकर बनायें / खायें। दलिया / खिचड़ी में भी पत्तीदार एवं हरी सब्जियाँ मिलाकर पौष्टिकता बढ़ाई जा सकती है। सब्जियों के सूप का नित्य सेवन पौष्टिक एवं हलके भोजन का अच्छा अंग हो सकता है। भोजन के साथ पानी कम से कम पियो। दोपहर के भोजन के घंटे भर बाद पानी पियें । भोजन यदि कड़ा और रूखा हो तो 2- 4 घूंट पानी अवश्य पियें।

प्रातः उठते ही खूब पानी पियो। दोपहर भोजन के थोड़ी देर बाद छाछ और रात को सोने के पहले उष्ण दूध अमृत समान है। दिन में कम से कम दो-तीन लीटर पानी अवश्य पियो। धूम्रपान, मादक पेय- पदार्थ (जरदा, गुटखा, सॉफ्ट ड्रिंक जैसे कोकाकोला, पेप्सी इत्यादि एवं शराब आदि) सर्वथा छोड़ दो। चाय- कॉफी आदि के स्थान पर सादा ठंडा या गुनगुना पानी, नींबू पानी, छाछ, गाजर, पालक चुकन्दर, लौकी, टमाटर इत्यादि सब्जियों का एव मौसम्मी या संतरा, पपीता इत्यादि फलों के रस का उपयोग लाभकारी होता है। डाइबीटीज (शक्कर) के रोगी को शक्कर या उससे बने पदार्थों से पूर्ण परहेज करना चाहिए। फलों में अधिक मीठे फल का सेवन कम करें। फल के रस के बजाय फल खायें। मेथी दाना और करेला मधुमेह रोग की राम बाण दवा है। मैथी दाना रोज 18/24 घंटे पानी में, जहां तक संभव हो सके मिट्टी के बर्तन में भिगोयें। दूसरे दिन सुबह नाश्ते के पहले या बाद में दानामेथी का पानी पी लें। दानामेथी अंकुरित कर सलाद में या नमक, नींबू लगाकर भी खा सकते हैं।

एरोबिक्स यानी डांस, फन, रिदम और हेल्थ



स्वस्थ और सुंदर दिखने के नुस्खे दादी मां के पिटारे से लेकर आधुनिक साजो-सामान में बिखरे पड़े हैं। प्रत्येक समय, काल में सुंदरता का पैमाना भी परि?वर्तित हुआ है। जहाँ प्राचीन समय में गहनों से लकदक, लहराती केश राशि से सुसज्जित, सजीली-लजीली सुंदरियों का वर्चस्व था तो आज टाईट जींसधारी, लंबी, दुबली, छरहरी काया सुंदरता के मानदंड में शामिल है। प्रत्येक स्त्री अपनी सुंदरता के प्रति सजग है। अधिक चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए डाइटिंग, योग, व्यायाम या एरोबिक्स का सहारा लेती है। बढ़ते हुए वजन या थुलथुल शरीर से चिंताग्रस्त, सदैव उदास और थका हुआ महसूस करने वाली स्त्रियां तथा जो अपनी व्यस्तता के कारण व्यायाम नहीं कर पाती या बेडौल काया के कारण योग क्लास, हेल्थ क्लब जाने में संकोच करने वाली स्त्रियों के लिए एरोबिक्स वरदान साबित हुआ है। एरोबिक्स यानी संगीत की धुन पर किया जाने वाला व्यायाम। इसके लिए कोई विशेष साजो-सामान की जरूरत नहीं होती। बस पर्याप्त स्थान हो, इस हेतु आप कमरे से फर्नीचर हटाकर स्थान बना सकती है। पॉप, रॉक, जाज संगीत का कोई कैसेट या कर्णप्रिय धुन तथा तेज लय वाला कोई भी कैसेट लेकर उसी आधार पर नृत्य करें। कैसेट लेते समय इस बात का ध्यान अवश्य रखें कि व्यायाम के समय जिन अंगों को रिद?म पर थिरकन देना है उसके लिए सही रिद?म और संगीत उस कैसेट में अवश्य हो। इन धुनों पर जॉगिंग, रनिंग, साइकिलिंग, तैराकी, जैसी गति में थिरकन की जाती है। इस हेतु जेनफोंडा द्वारा तैयार किए गए लयात्मक योग व्यायाम की कैसेट बाजार में उपलब्ध है। भारतीय सिने अभिनेत्री रेखा ने भी एरोबिक्स पर एक ऑडियो कैसेट माइंड एंड बॉडी तैयार किया है। इसमें योग और व्यायाम को लेकर एरोबिक्स के लिए धुन तैयार की है। अनीता राज, शिल्पा शेट्टी ने भी वीडियो कैसेट तैयार किए हैं। एरोबिक्स व्यायाम अकेले भी किए जा सकते हैं और समूह के साथ भी। समूह के साथ करने का अलग ही मजा है। सप्ताह में तीन-चार बार या समय उपलब्ध होने पर प्रतिदिन भी व्यायाम किया जा सकता है। वैसे भी अपेक्षाकृत इसमें बहुत ही कम समय लगता है। लगभग दस से बीस मिनट लगते हैं।

एरोबिक्स करने वाले लोगों का कहना है कि वे इस अनूठे नृत्य व्यायाम से तन-मन की प्रसन्नता महसूस करते हैं और शरीर पर जमी अनावश्यक चर्बी गायब हो जाती है। इन्हें करने के लिए कोई शिक्षक हो यह आवश्यक नहीं। एरोबिक्स के बारे में संगीत के रसिक तथा उद्योगपति का मानना है कि इस व्यायाम से उनमें अधिक चुस्ती-फुर्ती आती है और वे अधिक हल्का महसूस करते हैं। संगीत की सुमधुर आवाज तनाव, चिंता दूर करने में सहायक है। एरोबिक्स निश्चय ही जीवन में अनोखा बदलाव लाता है। होटलों, हेल्थ क्लबों, ब्यूटी पार्लर्स, यहां तक की कई लोगों ने निजी कक्षाएँ भी खोल ली हैं, जहां 100 रुपए से लेकर 5000 रुपए तक फीस वसूली जाती है। आप अपने स्टैंडर्ड के अनुसार इन कक्षाओं में शामिल हो सकते हैं या घर में ही मफ्त



लाभदायक है सर्दियों में सिंघाड़े का सेवन



सर्दियां शुरू होते ही बाजार में सिंघाड़े आसानी से प्राप्त हो जा और यह खाने में बहुत स्वादिष्ट होते है। सिंघाड़ा हमारी सेहत के लि बहुत लाभदायक होता है इसमें पाएं जानें वाले पौष्टिक तत्व हमारी श को तंदरूस्त रखने में मदद करते है। सिंघाड़े में वैसे तो विटा बी,फाइबर और भी कई पौष्टिक तत्त्व पाएं जाते है पर विटामिन ए सी भरपूर मात्रा में पाए जाते है जो हमारी त्वचा को सुंदर बनाने मदद करते है। हमारे शरीर को भी शक्ति प्रदान करता है।

- सिंघाड़े का सेवन करने से त्वचा में चमक तो आती है और त्वचा निखारने में भी मदद करता है।
- कच्चे सिंघाड़े का सेवन करने से शरीर में खून की म बढ़ जाती है।
- सर्दियों में सिंघाड़े का सेवन करना काफी लाभदायक है है ,सिंघाड़े खाने से त्वचा तो निखरती ही है और साथ खुश्की की समस्या भी दूर हो जाती है।
- सिंघाड़े का सेवन करने से त्वचा संबंधी सभी रोगों छुटकारा मिलता है जैसे धूप की अल्ट्रावायलेट किरणों भी त्वचा की रक्षा करता है।
- सिंघाड़े का सेवन करने से गले में होने वाली खराश से र मिलती है और खांसी से भी छुटकारा मिलता है।
- सिंघाड़े का सेवन करने से हमें कई रोगों से राहत मिलती है पीलिया के रोगियों के लिए भी काफी फायदेमंद होता है।
- सिंघाड़े खाने से त्वचा पर पड़ने वाली झुर्रियों से भी र मिलती है।

औषधीय गुणों से भरपूर अजवायन



- अजीर्ण की शिकायत होने पर अजवायन का तेल तथा अ शीघ्र लाभ देते हैं।
- उदर शूल होने पर भी अजवायन का अर्क या तेल दें।
- दांत दर्द करते हों तो अजवायन को धीरे-धीरे चब चबाते समय दबाव कम डालें। रस निगल जाएं।
- मुंह से दुर्गंध आती हो तो भी अजवायन चबाया करें।
- सर्दी का बुखार परेशान करता हो तो अजवायन को गुड़ साथ खाया करें। 5-6 दिनों में पूर्ण ठीक हो जाएंगे।
- जिन्हें सूतिका बुखार हो जाए, वह अजवायन का सेवन क
- प्रसूता नारियों को अजवायन खिलाने पर उनकी भूख र जाती है। उनकी पाचन शक्ति में वृद्धि होने लगती है।
- वायु गोला की शिकायत होने पर अजवायन एक चम्म काला नमक चौथाई चम्मच, पीस-छानकर ताजा पानी लें।
- बार-बार पेशाब की शिकायत होने पर अजवायन तथा मिलाकर रोगी को खिलाएं।
- गुर्दे का दर्द हो तो गुड़, पिसी कच्ची अजवायन, दोनों समान मात्रा में लें। मात्रा एक चम्मच, दिन में 4 बार।
- शरीर में शक्ति संचार करने के लिए यह चूर्ण, दिन में 2 आधा चम्मच एक समय, ताजा पानी से दें।
- फोड़ा-फुंसी की सूजन होने पर नींबू के रस में अजवा पीसकर दिन में 2 बार लेप करें।

घर के कामकाज से कम होता है तनाव

अगर आप तनाव के दौर से गुजर रहे हैं तो घरेलू कामक कीजिए। महज 20 मिनट का घरेलू काम आपको राहत दे आपका तनाव भागेगा और मानसिक रूप से आप स्वस्थ महस करेंगे। ब्रिटेन के अनुसंधानकर्ताओं का मानना है कि सप्ताह में से कम एक बार घरेलू कामकाज जैसी शारीरिक गतिविधियों जरिये तनाव को कम किया जा सकता है। इसमें साफ-सफ बाग-बगीचे की देखभाल, मकान का रखरखाव आदि भी शा हैं। इस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए लंदन के यूनिवर्सिटी कॉल के मार्क हेमर के नेतृत्व में एक अध्ययन किया गया। उन्होंने अ अध्ययन में 20000 लोगों को शामिल किया और उनकी दिन हालत को जानने का प्रयास किया।

यूं तो नियमित कसरत को मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहु माना जाता है, लेकिन विशेषज्ञ कभी इस बात पर राजी नहीं हो कि किस तरह की और कितनी कसरत करना चाहिए।



रणजी ट्रॉफी रिकॉर्ड.... सरफराज के भाई मुशीर खान ने किया कमाल

मुंबई।रणजी ट्रॉफी में मुंबई के युवा ऑलराउंडर मुशीर खान ने गेंद और बल्ले से शानदार प्रदर्शन कर इतिहास रच दिया। हरियाणा के खिलाफ एलीट ग्रुप डी मुकाबले में मुशीर ने शतक लगाने के साथ पांच विकेट लेने का कारनामा किया। वह 21वीं सदी में एक ही रणजी ट्रॉफी मैच में शतक और पांच विकेट लेने वाले मुंबई के पहले खिलाड़ी बन गए। उनसे पहले 1990-91 सत्र में रवि शास्त्री ने यह उपलब्धि हासिल की थी।

मुशीर के शानदार प्रदर्शन से मुंबई ने पहली पारी में हरियाणा पर 160 रन की बढ़त हासिल की। मुंबई ने पहली पारी में 430 रन बनाए, जिसके जवाब में हरियाणा की टीम 270 रन पर सिमट गई। मुशीर ने 85 रन देकर छह विकेट झटके और हरियाणा के शुरुआती पांच विकेट भी अपने नाम किए।

हरियाणा पर फॉलोऑन का दबाव

मुंबई ने हरियाणा को फॉलोऑन खेलने पर मजबूर किया। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक हरियाणा ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 73 रन बना लिए थे। टीम अभी भी 87 रन पीछे थी और उसके आठ विकेट बाकी थे। मुशीर ने पिच के मिजाज पर कहा, 'पिच की रफ्तार काफी धीमी हो गई है। हमारे स्पिनर उन जगहों पर गेंद डालने की कोशिश कर रहे हैं, जहां गेंद ज्यादा उछल रही है और टर्न मिल रहा है।'

हरियाणा की ओर से निशांत सिंधु ने संघर्ष करते हुए पहली पारी में नाबाद 105 रन बनाए। उन्होंने 251 गेंदों का सामना किया और आठ चौके तथा एक छक्का लगाया। दूसरी पारी में भी वह 22 रन बनाकर नाबाद थे। सिंधु ने घरेलू मैदान पर टर्न लेती पिचों पर खेलने के अनुभव को उपयोगी बताया। उन्होंने कहा, 'वहां लंबे समय से सीम की तुलना में गेंद ज्यादा स्पिन हो रही है। वहां खेलने के बाद यहां बल्लेबाजी करना आसान लगा।'

आईपीएल से भी सीखा टीम के लिए खेलना

चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के आईपीएल शिविरों का हिस्सा रह चुके सिंधु ने बताया कि अनुभवी खिलाड़ियों से बातचीत ने उनकी सोच बदली है। उन्होंने कहा, 'जब आप युवा होते हैं, तो सोचते हैं कि यह मेरा खेल है और मैं इसे अपने तरीके से खेलूंगा। लेकिन एमएस धोनी और दूसरे खिलाड़ियों से बात करके मैंने हालात के हिसाब से टीम के लिए खेलना सीखा है।' मुंबई की नजर अब लगातार तीसरी जीत बोनस अंक के साथ हासिल करने पर थी। वहीं, मुशीर का ऑलराउंड प्रदर्शन टीम के लिए निर्णायक साबित हुआ।



डबलिन एयरपोर्ट पर हुआ गलत व्यवहार श्रीलंकाई दिग्गज संगकारा भड़के

डबलिन। श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा ने आयरलैंड के डबलिन एयरपोर्ट पर एयरलाइन कर्मचारियों के कथित व्यवहार को लेकर नाराजगी जताई है। संगकारा ने आरोप लगाया कि रायनएयर के गेट स्टाफ ने उनके परिवार के साथ भेदभावपूर्ण और धमकी भरा व्यवहार किया। 48 वर्षीय पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज ने बुधवार, 28 अक्तूबर को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपना अनुभव साझा करते हुए इसे चौंकाने वाला और अस्वीकार्य बताया। एयरलाइन की ओर से इन आरोपों पर अभी तक सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।संगकारा ने एक्स पर रायनएयर के कर्मचारियों के व्यवहार पर सवाल उठाते हुए दूसरे यात्रियों से भी अपने अनुभव साझा करने को कहा। उन्होंने लिखा, 'क्या डबलिन में किसी और यात्री को रायनएयर के भेदभावपूर्ण गेट स्टाफ का सामना करना पड़ा है? मेरे और मेरे परिवार के साथ अभी ऐसा ही हुआ और यह चौंकाने वाला था। बात करने का लहजा, प्रक्रिया को गलत तरीके से संभालना और धमकी भरा व्यवहार। किसी भी यात्री के साथ ऐसा व्यवहार अस्वीकार्य है।

स्मिथ की वापसी के लिए करना होगा दिसम्बर तक इंतजार

केप टाउन। ऑस्ट्रेलिया को स्टीव स्मिथ की वापसी के लिए दिसंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली घरेलू टेस्ट सीरीज तक इंतजार करना होगा। स्कैन से पता चला है कि उन्हें 'सर्वाइकल फैसेट जॉइंट' (गर्दन के जोड़) में चोट लगी है। इस चोट के कारण अनुभवी बल्लेबाज को केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रहे निर्णायक टेस्ट मैच से बाहर होना पड़ा।

पिछले हफ्ते गकेबेरहा में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन स्टीव स्मिथ को गर्दन में दर्द महसूस हुआ। यह समस्या बनी रही और गर्दन की सीमित हलचल के कारण उन्हें तीसरे टेस्ट मैच से बाहर होना पड़ा, जो मंगलवार से शुरू हुआ है। इसके बाद में हुई मेडिकल जांच से चोट की प्रकृति साफ हो गई है और उनके ठीक होने के समय के बारे में भी स्पष्ट जानकारी मिल गई है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पुष्टि की है कि 37 वर्षीय खिलाड़ी आगामी घरेलू सीरीज तक चयन के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। इस दौरान उनका इलाज और रिहैबिलिटेशन (पुनर्वास) जारी रहेगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक बयान में कहा, 'पिछले हफ्ते गेबेरहा में दूसरे टेस्ट के चौथे दिन स्टीव स्मिथ को गर्दन में दर्द हुआ। बाद में एमआरआई स्कैन से 'सर्वाइकल फैसेट जॉइंट' में चोट की पुष्टि हुई। इस चोट और गर्दन की



सीमित हलचल के कारण, वह मौजूदा टेस्ट मैच में खेलने के लिए फिट नहीं थे। स्टीव का इलाज और रिहैबिलिटेशन जारी रहेगा। उम्मीद है कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए पूरी तरह फिट होकर वापसी करेंगे।'

स्मिथ के बाहर होने से जोश इंग्लिस के लिए टेस्ट टीम में वापसी का रास्ता खुल गया। बुधवार को मिले इस मौके का उन्होंने पूरा फायदा उठाया। ऑस्ट्रेलिया के दो विकेट जल्दी गिर जाने के बाद दबाव में बल्लेबाजी करते हुए इंग्लिस 85 रन बनाकर नाबाद रहे। उनकी पारी की मदद से मेहमान टीम ने 330/4 का स्कोर बना लिया है और साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहली पारी में एक रन की मामूली बढ़त हासिल कर ली है।पिछले साल एशेज सीरीज के अंतिम मुकाबले के बाद यह इंग्लिस का पहला टेस्ट है। जल्दी सेट होने और दबाव का सामना करने की उनकी क्षमता की उनके साथी खिलाड़ी मैथ्यू रेनशॉ ने तारीफ की।

बैलोन डी'ओर ऑफ ऑल टाइम: फैंस ने चुना सर्वकालीन सर्वश्रेष्ठ

मेसी पर भारी पड़े रोनाल्डो!



लंदन, एजेंसी। फुटबॉल की दुनिया में क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनल मेसी के बीच सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी की बहस लंबे समय से जारी है। अब फैंस की वोटिंग में रोनाल्डो ने मेसी को पीछे छोड़ते हुए बैलोन डी'ओर ऑफ ऑल टाइम (B.O.A.T.) का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस वोटिंग में पुर्तगाल के दिग्गज खिलाड़ी के 2008 के सीजन को बैलोन डी'ओर के इतिहास में किसी विजेता का सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत सीजन चुना गया। वहीं, मेसी का 2012 का ऐतिहासिक सीजन दूसरे स्थान पर रहा।

बैलोन डी'ओर संगठन ने 2026 के गोल्डन बॉल पुरस्कार के नतीजे सामने आने के कुछ दिन बाद इस वोटिंग के परिणाम जारी किए। इंग्लैंड और बायर्न म्यूनिख के स्ट्राइकर हैरी केन ने 2026 का गोल्डन बॉल पुरस्कार जीता था। हालांकि, बी.ओ.ए.टी का फैसला फैंस की वोटिंग के आधार पर हुआ।

रोनाल्डो ने मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ 2007-08 के सीजन में शानदार प्रदर्शन किया था। उनके दमदार खेल की बदौलत क्लब ने प्रीमियर लीग और यूईएफए चैंपियंस लीग का खिताब जीता। रोनाल्डो ने सभी प्रतियोगिताओं में कुल 42 गोल किए और आठ असिस्ट दिए। इस दौरान उन्होंने कई बड़े व्यक्तिगत पुरस्कार भी अपने नाम किए। वह प्रीमियर लीग के गोल्डन बूट विजेता बने और चैंपियंस लीग में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी रहे। इसके अलावा, उन्होंने यूरोपियन गोल्डन शू भी जीता।रोनाल्डो को प्रीमियर लीग प्लेयर ऑफ द सीजन, पीएफए प्लेयर्स प्लेयर ऑफ द ईयर, एफडब्ल्यूए फुटबॉलर ऑफ द ईयर, यूईएफए क्लब फुटबॉलर ऑफ द ईयर और फीफा वर्ल्ड प्लेयर ऑफ द ईयर जैसे सम्मान भी मिले। इस तरह 2008 उनके करियर के सबसे यादगार वर्षों में शामिल हो गया। बैलोन डी'ओर ऑफ ऑल टाइम की अंतिम रैंकिंग में रोनाल्डो और मेसी का पूरी तरह दबदबा रहा। शीर्ष 10 में इन दोनों के अलावा किसी अन्य खिलाड़ी को जगह नहीं मिली। रोनाल्डो ने अपने पांच सीजन के दम पर सूची में जगह बनाई। इनमें 2008, 2017, 2016, 2014 और 2013 शामिल हैं। वहीं, मेसी के 2012, 2023, 2015, 2011 और 2009 के सीजन शीर्ष 10 में शामिल रहे।मेसी के नाम किसी भी खिलाड़ी से ज्यादा बैलोन डी'ओर खिताब हैं, लेकिन इस खास वोटिंग में रोनाल्डो का 2008 का प्रदर्शन सबसे आगे रहा।

वनडे और टेस्ट सीरीज के लिए बनाई रणनीति... तिलक ने किया खुलासा

भारत के टी-20 खिलाड़ियों को कोच गंभीर की दो टूक!

ऑकलैंड, एजेंसी। भारतीय टी20 टीम के उपकप्तान तिलक वर्मा ने बताया कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टीम बैठकों में खिलाड़ियों को स्पष्ट कर दिया है कि टी20 टीम का प्रदर्शन आगामी वनडे और टेस्ट टीमों के लिए भी गति तय करेगा। तिलक के मुताबिक, यह लंबा दौरा है और भारतीय खिलाड़ियों को अपने प्रदर्शन का स्तर बनाए रखना होगा। भारत न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना चुका है और अब उसकी नजर क्लीन स्वीप पर है।

तिलक वर्मा ने बताया कि भारत को घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज खेलने के तुरंत बाद न्यूजीलैंड पहुंचना पड़ा। ऐसे में परिस्थितियों और समय क्षेत्र के अनुसार खुद को ढालना आसान नहीं था। हालांकि, उन्होंने कहा कि इस स्तर पर खेलने वाले खिलाड़ी इन चीजों का बहाना नहीं बना सकते।

तिलक ने कहा, 'इस स्तर पर हम बहाने नहीं बना सकते। हम सर्वोच्च स्तर पर खेल रहे हैं और हमें उन युवा खिलाड़ियों के लिए मानक तय करने होंगे, जो हमें देखकर प्रेरित होते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'गौतम सर ने टीम बैठकों में स्पष्ट कर दिया कि यह लंबा दौरा है और टी20 टीम के तौर पर हम जो स्तर तय करेंगे, उससे वनडे और टेस्ट टीमों को भी गति मिलेगी।'

पांच पर बल्लेबाजी करने से बदला अंदाज

तिलक ने बताया कि नंबर तीन के बजाय पांच या छह पर बल्लेबाजी करने से उनकी सोच में थोड़ा बदलाव आया है। पहले से ही बड़े शॉट खेलने की क्षमता होने के बावजूद अब वह परिस्थितियों के अनुसार पारी आगे बढ़ाने पर ध्यान देते हैं उन्होंने कहा, 'मेरे पास पहले भी पावर गेम था और मैंने नंबर तीन पर भी रन बनाए हैं। अब नंबर पांच या छह पर बल्लेबाजी करते हुए, अगर पहली गेंद पर बाउंड्री लगाने का मौका मिलता है, तो मैं उसका फायदा उठाने के बारे में सोचता हूं।' उन्होंने आगे बताया कि अगर पहली गेंद पर बड़ा शॉट खेलने का मौका नहीं मिलता, तो वह पारी को गहराई तक ले जाने पर ध्यान देते हैं। इस दौरान सिंगल और डबल लेकर गैप तलाशना उनकी रणनीति का हिस्सा होता है।

दबाव को बनाते हैं हथियार

तिलक ने कहा कि लक्ष्य का पीछा करते समय वह गेंदबाजों की मानसिक स्थिति को भी ध्यान में रखते हैं। उनके मुताबिक, आखिरी ओवरों में बल्लेबाज की तुलना में गेंदबाज पर ज्यादा दबाव होता है। उन्होंने कहा, 'मेरे दिमाग में यह सकारात्मक सोच रहती है कि गेंदबाज पर ज्यादा दबाव है और ऐसे में उससे रन देने की गलती हो सकती है।' न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में नीतीश रेड्डी के साथ अहम साझेदारी पर तिलक ने बताया कि उन्होंने रेड्डी से कहा था, 'अगर हम यहां से मैच जिता देते हैं, तो बहुत मजा आएगा। मैदान पर टिके रहो, मैच को आखिर तक ले चलो और फिर देखते हैं कि क्या होता है।'

5-0 से सीरीज जीतने पर नजर

भारत पांच मैचों की सीरीज में 3-0 से आगे है। तिलक ने कहा कि टीम के पास क्लीन स्वीप हासिल करने का शानदार मौका है और खिलाड़ी अगले मैच को जीतकर भारतीय प्रशंसकों को 5-0 की सीरीज जीत का मौका देना चाहते हैं।



टी20 सीरीज....न्यूजीलैंड को झटका!

भारत के खिलाफ आखिरी दो मैचों से बाहर हुए तेज गेंदबाज फर्ग्यूसन



ऑकलैंड। भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में न्यूजीलैंड को बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज लोकी फर्ग्यूसन पिंडली की चोट के कारण आखिरी दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। उन्हें पांच मैचों की सीरीज के दूसरे मुकाबले के दौरान चोट लगी थी। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने फर्ग्यूसन की जगह मैट फिशर को टीम में शामिल किया है। भारत सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना चुका है। चौथा टी20 मुकाबला शुक्रवार को ऑकलैंड में खेला जाना है।

फर्ग्यूसन की पिंडली में लगी चोट

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने गुरुवार को बताया कि फर्ग्यूसन को हेग्ले ओवल में खेले गए दूसरे टी20 के दौरान दाहिनी पिंडली में दर्द महसूस हुआ था। इसके बाद कराए गए स्कैन में हल्का मांसपेशियों का खिंचाव सामने आया। उन्हें वापसी के लिए लगभग एक सप्ताह और आराम की जरूरत होगी।न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा, 'लोकी और मैट के चोटिल होने से हम निराश हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में चोटें खेल का हिस्सा हैं, लेकिन जब आपको मुकाबलों से बाहर होना पड़ता है तो निराशा होती ही है।' वाल्टर ने उम्मीद जताई कि दोनों गेंदबाज चार नवंबर से भारत के खिलाफ शुरू होने वाली वनडे सीरीज में खेल सकेंगे।

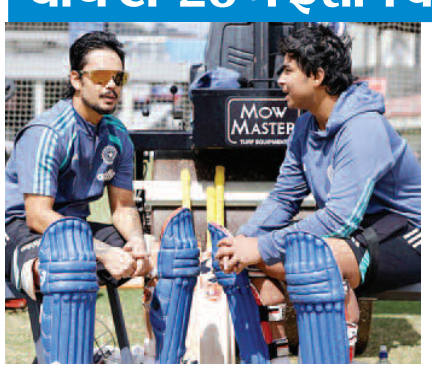
मैट हेनरी भी चोट से परेशान

न्यूजीलैंड के एक और तेज गेंदबाज मैट हेनरी भी टी20 सीरीज से बाहर हैं। दूसरे मुकाबले के दौरान उनकी दाहिनी जांघ की मांसपेशियों में दर्द हुआ था। स्कैन में उन्हें भी हल्का खिंचाव होने की पुष्टि हुई है। उनके ठीक होने में एक से दो सप्ताह लग सकते हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुताबिक, हेनरी को पहले से तय कार्यभार प्रबंधन के तहत वनडे सीरीज के लिए टीम में लौटना था। चोट के बावजूद वह वनडे सीरीज के लिए तय कार्यक्रम के अनुसार वापसी की राह पर हैं। वाल्टर ने कहा, 'मैट को बाकी टी20 मुकाबलों से पहले ही आराम दिया जाना था, ताकि वह गर्मियों के व्यस्त कार्यक्रम के लिए तैयार रह सकें। हमें उम्मीद है कि वह वनडे सीरीज में अहम भूमिका निभाएंगे।'

जेमीसन भी वनडे सीरीज के लिए तैयार

टी20 टीम में गेंदबाजी कवर के तौर पर वेलिंगटन पहुंचे मैट फिशर अब सीरीज के बाकी मुकाबलों में फर्ग्यूसन की जगह लेंगे। उनकी जगह न्यूजीलैंड ए टीम में तेज गेंदबाज ब्रेट रैंडेल को शामिल किया गया है, जो भारत ए के खिलाफ दूसरे मैच में खेलेंगे। वहीं, काइल जेमीसन तय कार्यभार प्रबंधन के तहत वेलिंगटन में ही रहेंगे और शनिवार को कैंटरबरी के लिए फोर्ड ट्रॉफी का मुकाबला खेल सकते हैं। इसके बाद वह सोमवार को न्यूजीलैंड की टीम से जुड़ेंगे। वाल्टर ने कहा कि फर्ग्यूसन ईडन पार्क में घरेलू दर्शकों के सामने खेलने को लेकर उत्साहित थे, लेकिन अब उनका ध्यान वनडे सीरीज तक फिट होने पर है।

चौथे टी-20 में ईशान की होगी वापसी... नेट्स पर बहाया पसीना



ऑकलैंड, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का चौथा मुकाबला ऑकलैंड में खेला जाएगा। यह मुकाबला 30 अक्तूबर को खेला जाएगा। मैच से पहले बीसीसीआई ने ऑकलैंड से प्रैक्टिस की तस्वीरें साझा की हैं। तस्वीरों में ईशान किशन भी बल्लेबाजी अभ्यास करते दिख रहे हैं। ऐसे में कयास लग रहे हैं कि उनकी अगले टी20 में प्लेइंग-11 में वापसी हो सकती है। वहीं, वैभव सूर्यवंशी, तिलक वर्मा और शिवम दुबे भी बल्लेबाजी अभ्यास करते दिखे। भारतीय टीम सीरीज में पहले ही 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर चुकी है। बीसीसीआई ने तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, 'ईडन पार्क, ऑकलैंड। चौथे टी20 से पहले मैच रेडी होते हुए खिलाड़ी।' तस्वीरों में तिलक शॉट्स लगाते दिख रहे हैं। वहीं, कोच गौतम गंभीर वैभव सूर्यवंशी को बल्लेबाजी के गुर सिखाते दिखे। नेट्स के दौरान वैभव ईशान किशन के साथ मस्ती मजाक भी करते दिखे।



उदिति सिंह के साथ रिश्ते को शादी तक ले जाना चाहते थे करण वाही

बिग बॉस 20 में उदिति सिंह लगातार एक्टर करण वाही के साथ अपने पुराने रिश्ते को लेकर बात करती रहती हैं। वह शो में अपने ब्रेकअप की वजह भी बता चुकी हैं। साथ ही, उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि करण ने उनके साथ बुरा बर्ताव किया था और उनके डॉगी को भी गलत तरीके से ट्रीट किया था। अब करण वाही ने इस पूरे मामले पर खुद चुप्पी तोड़ी है। एक्टर ने चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि वह इस रिश्ते को शादी तक ले जाना चाहते थे। करण ने उन अटकलों पर भी विराम लगाया, जिनमें दावा किया जा रहा था कि ब्रेकअप से पहले दोनों की शादी होने वाली थी।

करण वाही ने बातचीत में उदिति सिंह के साथ अपने रिश्ते और ब्रेकअप की वजह पर बात की। उन्होंने बताया कि जब दोनों ने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया, तब वह करीब 33 साल के थे और जिंदगी के उस पड़ाव पर थे, जहां किसी रिश्ते में आने से पहले उसके भविष्य के बारे में सोचना जरूरी मानते थे। करण के मुताबिक, वह इस रिश्ते को शादी तक ले जाने के इरादे से आगे बढ़े थे, लेकिन इसका मतलब यह नहीं था कि दोनों की शादी की तारीख या कोई पक्की योजना तय हो चुकी थी।

शादी का इरादा था, लेकिन कोई पक्की योजना नहीं थी

करण वाही ने बताया कि उदिति को डेट करते समय उनके मन में शादी का विचार था। उन्होंने कहा, 'जब मैंने उन्हें डेट करना शुरू किया, तब मैं 33-34 साल का था। इसलिए, मैं ऐसी उम्र में था जहां मेरा सोचना था कि अब अगर मैं किसी रिश्ते में आता हूं, तो वह शादी में बदलना चाहिए। वरना, मुझे ऐसा कोई रिश्ता नहीं चाहिए।' करण ने यह भी स्पष्ट किया कि उनके रिश्ते को लेकर शादी की योजना बनने की खबरें सही नहीं थीं। लॉकडाउन के दौरान दोनों ने साथ समय बिताया था और अपने भविष्य को लेकर बातचीत भी की थी, लेकिन इसे शादी तय होने के रूप में देखना गलत होगा। एक्टर ने कहा कि उनका इरादा रिश्ते को शादी तक ले जाने का था, जिसे लोगों ने शायद इस तरह समझ लिया कि दोनों जल्द शादी करने वाले थे।

करण वाही ने ब्रेकअप की वजह पर की बात

उदिति सिंह से अलग होने के कारण पर बात करते हुए करण ने कहा कि दोनों एक-दूसरे के साथ उतने अनुकूल नहीं थे। उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि हम एक-दूसरे के साथ उतने कम्पेटिबल नहीं थे। कम से कम मेरे लिए तो यही सच है।' करण ने उन अटकलों को भी खारिज किया कि उनके माता-पिता के दखल या आपत्ति की वजह से रिश्ता खत्म हुआ था। दोनों की उम्र में करीब 10 साल का अंतर भी उनके रिश्ते को लेकर चर्चा का विषय रहा था, लेकिन करण ने इसे ब्रेकअप की वजह साफ नहीं की।

उदिति के लिए मन में नहीं है कड़वाहट

करण वाही ने बातचीत में यह भी साफ किया कि उदिति से अलग होने के बाद उनके मन में कोई कड़वाहट नहीं है। भले ही उनका रिश्ता शादी तक नहीं पहुंच पाया, लेकिन वह बीते समय को लेकर कोई शिकायत नहीं रखते। करण ने उदिति के प्रति सकारात्मक भाव जाहिर करते हुए कहा कि वह उनके लिए खुश हैं। करण के इस बयान के बाद उनके और उदिति के रिश्ते को लेकर चल रही चर्चाओं में एक नया पहलू सामने आया है। एक्टर ने स्पष्ट किया कि रिश्ता शादी के इरादे से शुरू हुआ था, लेकिन दोनों के बीच अनुकूलता की कमी के कारण वह आगे नहीं बढ़ पाया।





एक्ट्रेस प्रिया ठाकुर ने टीवी शो 'वसुधा' के बारे में दी अपडेट

टीवी एक्ट्रेस प्रिया ठाकुर इन दिनों अपने शो 'वसुधा' में देव और वसुधा की शादी के ट्रैक को लेकर एक्साइटेड हैं। जी टीवी के इस शो में दोनों की जिंदगी एक नया मोड़ लेने जा रही है। खास बात यह है कि इस बार वसुधा को चंद्रिका की मंजूरी भी मिल रही है। शो में देव का किरदार अभिषेक शर्मा निभा रहे हैं, जबकि वसुधा के रोल में प्रिया ठाकुर नजर आ रही हैं। शादी के इस ट्रैक को लेकर प्रिया ने बताया कि पर्दे पर दुल्हन बनना उन्हें हमेशा पसंद रहा है, हालांकि भारी लहंगे, जूलरी और घंटों तक शूटिंग करना आसान नहीं होता। शो में देव और वसुधा की शादी पहले भी हो चुकी है, लेकिन इस बार उनकी शादी का मतलब दोनों के लिए काफी अलग है। इसकी सबसे बड़ी वजह चंद्रिका का वसुधा को अपनी बड़ी बहू के रूप में स्वीकार करना है। दर्शक लंबे समय से इस पल का इंतजार कर रहे थे और अब पूरे परिवार को दोनों के रिश्ते का जश्न मनाते देखना उनके लिए खास होगा।

शादी के ट्रैक के बारे में बात करते हुए प्रिया ने कहा, ''दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे थे कि चंद्रिका वसुधा को अपनी बड़ी बहू के रूप में स्वीकार करें। मुझे लगता है कि यही बात इस शादी को खास बनाती है। भले ही देव और वसुधा की पहले भी शादी हो चुकी है, लेकिन इस बार चंद्रिका की मंजूरी और आशीर्वाद के साथ पूरा परिवार उनके रिश्ते का जश्न मना रहा है। सभी को उनके लिए खुश होते देखना हमारे लिए भी खास पल है और उन फैंस के लिए भी, जो लंबे समय से देव और वसुधा को इस तरह एक होते देखना चाहते थे।'' प्रिया ने कहा, ''शो में शादी से जुड़े कई शानदार फंक्शन दिखाए गए हैं और यह उन सभी फैंस के लिए एक छोटा सा तोहफा है, जिन्होंने देव और वसुधा के सफर में उनका साथ दिया है। शादी के ट्रैक की शूटिंग हमेशा मजेदार होती है, लेकिन इसके साथ कई चुनौतियां भी आती हैं। भारी कपड़े, जूलरी और सेट पर लंबे समय तक काम करना आसान नहीं होता। मुझे स्क्रीन पर दुल्हन बनना हमेशा पसंद रहा है।



म्यूजिकल लव स्टोरी में बनी आदित्य रॉय कपूर और तारा सुतारिया की जोड़ी

बॉलीवुड अभिनेता आदित्य रॉय कपूर और अभिनेत्री तारा सुतारिया जल्द ही बड़े पर्दे पर स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आने वाले हैं। दोनों फिल्म निर्माता भूषण कुमार की आगामी इंटेंस म्यूजिकल लव स्टोरी में लीड रोल प्ले करते हुए दिखाई देंगे। इस फिल्म का निर्देशन मिलाप मिलन जावेरी करेंगे। वहीं, शिव चानना को-प्रोड्यूसर के तौर पर फिल्म से जुड़े हैं। बता दें कि यह फिल्म प्यार, भावनाओं और संगीत से भरपूर होने वाली है। खास बात यह है कि दर्शकों को आदित्य और तारा की नई ऑनस्क्रीन जोड़ी देखने को मिलेगी।

पहली बार साथ नजर आएंगे आदित्य और तारा

आदित्य रॉय कपूर बॉलीवुड में अपनी रोमांटिक फिल्मों के लिए खास पहचान रखते हैं। 'आशिकी 2' जैसी फिल्म में उनके अभिनय और रोमांटिक अंदाज को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। वहीं तारा सुतारिया भी अपनी खूबसूरती, अभिनय और स्क्रीन प्रेजेंस के लिए जानी जाती हैं। ऐसे में दोनों को एक इंटेंस म्यूजिकल लव स्टोरी में साथ देखना दर्शकों के लिए दिलचस्प होगा।

टी-सीरीज के साथ तारा का तीसरा प्रोजेक्ट

इस प्रोजेक्ट में तारा 'मरजावां' के बाद भूषण कुमार और मिलाप मिलन जवेरी के साथ फिर से काम कर रही हैं । उन्होंने पहले भी टी-सीरीज के साथ 'एक विलेन रिटर्न्स' में काम किया था और अब यह बैनर के साथ उनका तीसरा काम है। एक रॉ और इमोशनल लव स्टोरी के सेंटर में, इस फिल्म का मकसद लड़ाई और हाई-स्टेक ड्रामा के बैकग्राउंड में रोमांस को दिखाना है।

कब सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

निर्माताओं की योजना के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग इसी साल के अंत तक शुरू होगी और इसे 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिलहाल फिल्म के आधिकारिक नाम और रिलीज डेट की घोषणा होना बाकी है। अब देखना दिलचस्प होगा कि आदित्य रॉय कपूर और तारा सुतारिया की यह नई रोमांटिक जोड़ी बड़े पर्दे पर दर्शकों का दिल जीतने में कितनी सफल होती है।





'रामायण' के कर्नाटक डिस्ट्रीब्यूशन की कमान संभालेंगे यश!

'रामायण' में रावण के किरदार में नजर आने वाले रॉकिंग स्टार यश अब सिर्फ पर्दे पर ही नहीं, पर्दे के पीछे भी मचाएंगे धमाल! नमित मल्होत्रा के साथ फिल्म के प्रोड्यूसिंग पार्टनर यश की कंपनी मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस का डिस्ट्रीब्यूशन विंग अब कर्नाटक में फिल्म की रिलीज की जिम्मेदारी संभालेगा। रावण बनकर बड़े पर्दे पर छाने की तैयारी कर रहे रॉकिंग स्टार यश का 'रामायण' से जुड़ाव अब माइंड क्रिएशंस का डिस्ट्रीब्यूशन विंग कर्नाटक में इस मेगा प्रोजेक्ट की रिलीज की कमान संभालने जा रहा है। यानी यश अब सिर्फ अपनी दमदार मौजूदगी से दर्शकों को दीवाना नहीं बनाएंगे, बल्कि अपनी कंपनी के जरिए इस महागाथा को कर्नाटक के दर्शकों तक पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभाएंगे। डिस्ट्रीब्यूशन विंग की शुरुआत के साथ मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस ने प्रोडक्शन से आगे बढ़ते हुए अपने बिजनेस का दायरा बढ़ाया है। भारतीय सिनेमा के सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स में शामिल 'रामायण' को बड़े पैमाने पर दर्शकों तक पहुंचाने की दिशा में यह एक अहम कदम है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही 'रामायण' भारतीय महाकाव्य की दो हिस्सों में पेश की जाने वाली भव्य सिनेमाई गाथा है। शानदार स्टारकास्ट और बड़े स्केल पर तैयार हो रही यह फिल्म सदियों पुरानी कहानी को नए सिनेमाई अंदाज में बड़े पर्दे पर जीवंत करने के लिए तैयार है। फिल्म की रिलीज को देश और दुनिया के अलग-अलग बाजारों में पहुंचाने के लिए बड़ी जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इंटरनेशनल डिस्ट्रीब्यूशन की कमान सोनी पिक्चर्स संभालेगा, जबकि करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस उत्तर भारत में फिल्म को रिलीज करेगी। दिल राजू आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की जिम्मेदारी संभालेंगे, वहीं कर्नाटक में मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस का डिस्ट्रीब्यूशन विंग मोर्चा संभालेगा।

साइकोलॉजिकल थ्रिलर 'जॉन डो' में अर्जुन दास निभाएंगे 'चंद्रू' का किरदार

तमिल सिनेमा के उभरते सितारे अर्जुन दास निर्देशक मधुमिता की आगामी साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म 'जॉन डो' में 'चंद्रू' नाम का किरदार निभाते नजर आएंगे। फिल्म निर्माताओं ने इसका खुलासा किया। अर्जुन दास ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म से जुड़ा अपना फर्स्ट लुक पोस्टर साझा करते हुए लिखा, ''नान पोधुमा? (क्या मैं पर्याप्त हूं?)' यह एक सवाल है जो चंद्रू को लगातार परेशान करता है। शायद यह वह सवाल है जो हम सभी ने कभी न कभी खुद से पूछा है। उसकी तलाश में कहीं न कहीं मुझे खुद का भी एक हिस्सा मिला। 'जॉन डो' की दुनिया के चंद्रू से मिलिए। यह फिल्म नवंबर में आपके नजदीकी सिनेमाघरों में रिलीज होगी।' उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म का लेखन और निर्देशन मधुमिता ने किया है। फिल्म का निर्माण अर्का मीडिया वर्क्स ने किया है और इसे एजीएस सिनेमाज प्रस्तुत कर रही है। फिल्म में संचना नटराजन मुख्य अभिनेत्री की भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा श्रुष्टि, जारा विनीत चांधोके और निरव भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म को लेकर दर्शकों और सिनेप्रेमियों में कई कारणों से उत्सुकता बनी हुई है। सबसे खास बात यह है कि अर्जुन दास अपने करियर में पहली बार एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा फिल्म का निर्माण अर्का मीडिया वर्क्स कर रही है, जिसने पैन इंडिया ब्लॉकबस्टर फिल्म 'बाहुबली' का भी निर्माण किया था। फिल्म को शोभू यारलागड्डा और प्रसाद देविनेनी प्रोड्यूस कर रहे हैं। किशोर केदारी और मधुमिता इसके सह निर्माता हैं, जबकि सौम्या शर्मा क्रिएटिव प्रोड्यूसर की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। फिल्म की तकनीकी टीम भी काफी मजबूत मानी जा रही है। इसका संगीत प्रसिद्ध संगीतकार मुजीब माजीद ने तैयार किया है, जबकि अतिरिक्त संगीत द आर्टिस्ट 404 ने दिया है। फिल्म की कहानी और पटकथा मधुमिता और निकोलस शेवेलियर ने मिलकर लिखी है। सिनेमैटोग्राफी प्रीथा जयरामन ने की है और संपादन विजय वेंकटरमणन ने संभाला है। फिल्म के एक्शन सीक्वेंस दिनेश सुब्बारायन और एक्शन संतोष ने तैयार किए हैं। प्रिया करन और प्रिया हैरी ने कॉस्ट्यूम डिजाइन किए हैं, जबकि अश्विनी काले ने प्रोडक्शन डिजाइन का काम संभाला है। सूत्रों के अनुसार, फिल्म लगभग तैयार है और निर्माता इसे इस साल नवंबर में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।



कॉकरोच जनता पार्टी ने इंडिया ब्लॉक की रैली को दिया समर्थन, राहुल गांधी ने छात्रों से की दिल्ली पहुंचने की अपील

एसआईआर और मतदाता सूची से नाम हटाने के मुद्दे पर मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली इंडिया ब्लॉक की रैली को समर्थन दिया है। सीजेपी नेता आशुतोष रांका ने कहा कि पार्टी के समर्थक रैली में शामिल हो सकते हैं। पार्टी ने इंडिया ब्लॉक में शामिल होने की संभावनाओं पर भी विचार शुरू किया है और इस संबंध में कार्यकर्ताओं से प्रतिक्रिया मांगी है। इस बीच, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को छात्र संगठनों से 1 नवंबर के 'दिल्ली चलो मार्च' में शामिल होने की अपील की। उन्होंने सोशल मीडिया पर जारी वीडियो में प्रदर्शनकारियों से पुलिस की कार्रवाई या लाठीचार्ज की आशंका से नहीं घबराने को कहा। राहुल ने कहा कि यह किसी एक राजनीतिक दल का मार्च नहीं, बल्कि देश की आत्मा, लोकतंत्र और संविधान की रक्षा की लड़ाई है। राहुल गांधी ने कहा कि देश के लोकतंत्र, संविधान, विचारों की स्वतंत्रता और अपनी बात रखने के अधिकार पर हमला महसूस करने वाले लोगों को इस मार्च में शामिल होना चाहिए। विपक्ष इस प्रदर्शन के जरिए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और मतदाताओं के नाम हटाए जाने के मुद्दे को प्रमुखता से उठाने की तैयारी में है। गठबंधन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी कर रहा है। रैली की तैयारियों को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर इंडिया ब्लॉक के नेताओं की बैठक हुई। इसमें प्रियंका गांधी सहित गठबंधन के कई नेता शामिल हुए। बैठक में प्रदर्शन की रणनीति और विभिन्न संगठनों की भागीदारी पर चर्चा की गई। विपक्षी गठबंधन शुक्रवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दिल्ली में 'पब्लिक महाभियोग' कार्यक्रम भी आयोजित करेगा। इसमें राहुल गांधी सहित विपक्ष के कई नेताओं के शामिल होने की संभावना है। दूसरी जगह कार्यक्रम की अनुमति नहीं मिलने के बाद इसे दोपहर 3:30 बजे, 10 राजाजी मार्ग पर आयोजित करने की तैयारी है। यह कार्यक्रम रामलीला मैदान की रैली से एक दिन पहले होगा। इंडिया ब्लॉक के नेता एसआईआर और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर अक्टूबर में कई बैठकें और प्रदर्शन कर चुके हैं। सीजेपी और वामपंथी संगठनों ने भी 10 अक्टूबर को इसी मुद्दे पर प्रदर्शन का आह्वान किया था, लेकिन दिल्ली पुलिस से अनुमति नहीं मिलने के कारण कार्यक्रम नहीं हो सका। उस दौरान शहर के कुछ हिस्सों में बैरिकेडिंग की गई थी और मेट्रो सेवाओं पर भी प्रतिबंध लगाए जाने की बात सामने आई थी। विपक्ष का आरोप है कि मतदाता सूची



के पुनरीक्षण की प्रक्रिया में मतदाताओं के नाम हटाए जाने से लोकतांत्रिक अधिकार प्रभावित हो सकते हैं। वहीं, 1 नवंबर की रैली के जरिए विपक्ष इन मुद्दों पर सरकार और निर्वाचन आयोग के खिलाफ अपना विरोध तेज करने की तैयारी में है।

कलेक्टर ने प्रयास आवासीय विद्यालय के संचालन एवं शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा की



महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में प्रयास आवासीय विद्यालय के संचालन एवं शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा बैठक ली। कलेक्टर ने विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार लाने तथा नीट एवं जेईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने प्रयास आवासीय विद्यालय में कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों के अध्यापन एवं कोचिंग कार्य की समीक्षा की। उन्होंने विद्यार्थियों की नीट एवं जेईई की तैयारी के लिए प्रारंभिक स्तर से ही शैक्षणिक आधार मजबूत करने कहा, ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर सकें। कलेक्टर ने शिक्षकों को पूरी जिम्मेदारी एवं निष्ठा के साथ अध्यापन कार्य करते हुए विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यार्थियों की संख्या के अनुरूप एजुकेशन हब में संचालित विद्यालय की कक्षाओं का विभाजन करने तथा आवश्यक स्टाफ रूम की व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा। बैठक में डिप्टी कलेक्टर श्री श्रीकांत कोराम, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास, प्रयास आवासीय विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

प्रयागराज में जमीन में गाड़कर रखे थे करोड़ों रुपये, नीले ड्रमों से 5 करोड़ की नकदी बरामद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में एक मकान के अंदर जमीन में दबाकर रखी गई करोड़ों रुपये की नकदी मिलने से हड़कंप मच गया। नवाबगंज क्षेत्र के बरईपुर गांव में बुधवार रात पुलिस ने राकेश यादव उर्फ महाकाल के पुरुतैनी मकान में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान जमीन में दबाए गए तीन नीले ड्रमों से 500-500 रुपये के नोटों की गड्डियां बरामद होने की बात सामने आई। बरामद नकदी की कीमत करीब 5 करोड़ रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने मकान को सील कर दिया और आसपास के क्षेत्र की घेराबंदी कर दी जानकारी के मुताबिक, करीब पांच-छह दिन पहले राकेश यादव का पड़ोस में रहने वाले कुछ लोगों से विवाद हुआ था। इस मामले में राकेश के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। पुलिस जब मामले की जांच के लिए उसके घर पहुंची तो राकेश की एक दरोगा से बहस हो गई। इसके बाद पुलिस ने मामले की पड़ताल तेज की। इसी दौरान पुलिस को घर में चोरी की रकम छिपाकर रखने की सूचना मिली, जो अधिकारियों तक पहुंची। चना के आधार पर बुधवार शाम करीब छह बजे डीसीपी गंगानगर सोनम कुमार और एडीसीपी पुष्कर वर्मा सहित पुलिस की टीम बरईपुर गांव पहुंची। तलाशी अभियान के दौरान गांव की बिजली कटवाई गई और घर की सघन जांच शुरू की गई। मौके पर सोरांव के एसीपी श्यामजीत प्रमिला सिंह भी मौजूद रहे। पुलिस के मुताबिक, मकान के अंदर जमीन में दबाकर रखे गए तीन नीले ड्रम मिले। इनमें कपड़े में लपेटकर नोटों की गड्डियां रखी गई थीं।



बैंक की लापरवाही से साइबर ठगी होने पर पीड़ितों को मुआवजा देने का प्रस्ताव; संदिग्ध लेन-देन रोकने और वित्तीय संस्थानों की जवाबदेही तय करने पर जोर

सुप्रीम कोर्ट की चिंता, पढ़े-लिखे लोग भी डिजिटल अरेस्ट के जाल में क्यों फंस रहे हैं?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। डिजिटल अरेस्ट के नाम पर बढ़ती साइबर ठगी पर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर चिंता जताई है। अदालत ने सवाल उठाया कि लगातार जागरूकता अभियान चलने और इस तरह की घटनाओं की खबरें सामने आने के बावजूद शिक्षित लोग भी ठगों के जाल में कैसे फंस रहे हैं। सुनवाई के दौरान बैंकिंग व्यवस्था की जवाबदेही, संदिग्ध लेन-देन की निगरानी और ठगी रोकने के लिए समय रहते कदम उठाने की जरूरत पर जोर दिया गया। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि यदि बैंक की लापरवाही के कारण साइबर ठगी होती है, तो पीड़ित को मुआवजा देने और जिम्मेदारी तय होने पर संबंधित संस्था के खिलाफ कार्रवाई करने की व्यवस्था पर विचार किया जाना चाहिए। हालांकि, यह टिप्पणी एक प्रस्ताव के तौर पर सामने आई है, इसे अदालत का अंतिम आदेश नहीं माना जाना चाहिए। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि साइबर ठगी की घटना होने के बाद केवल रिपोर्ट तैयार करना पर्याप्त नहीं है। जरूरी है कि ऐसी व्यवस्था विकसित की जाए, जिससे संदिग्ध गतिविधियों का समय रहते पता चल सके और पीड़ित की रकम ठगों तक पहुंचने से पहले संभावित नुकसान को रोका जा सके। बैंक संदिग्ध लेन-देन की जांच करें और जरूरत पड़ने पर अस्थायी रोक लगाने की व्यवस्था विकसित



करें। अदालत ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से अधिकृत वित्तीय संस्थानों की सूची पेश करने और प्रस्तावित केवाईसी संशोधन निर्देश, 2026 की समीक्षा करने को भी कहा। अदालत का जोर इस बात पर रहा कि ठगी रोकने की जिम्मेदारी केवल ग्राहक पर नहीं छोड़ी जा सकती, बल्कि बैंकों और संबंधित संस्थानों को भी सक्रिय भूमिका निभानी होगी। सुनवाई के दौरान न्यायमित्र और वरिष्ठ अधिवक्ता एनएस नप्पिनई ने एक महिला से डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 2.5 करोड़ रुपये की ठगी का उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि ठग पुलिस, जांच एजेंसी या अन्य सरकारी अधिकारी बनकर वीडियो कॉल करते हैं और पीड़ित को किसी मामले में फंसाने या गिरफ्तार करने की धमकी देते हैं। बदनामी और गिरफ्तारी के डर से लोग मानसिक दबाव में आकर उनकी बात मान लेते हैं और अपनी जीवनभर की जमा-पूंजी गंवा बैठते हैं। डिजिटल अरेस्ट वास्तव में कोई कानूनी गिरफ्तारी प्रक्रिया नहीं है। साइबर अपराधी सरकारी एजेंसियों का नाम लेकर लोगों को घर में ही वीडियो कॉल पर निगरानी में रहने के लिए मजबूर करते हैं। इसके बाद जांच, जमानत या रकम के सत्यापन के बहाने पैसे ट्रांसफर करवाते हैं। बुजुर्ग और सेवानिवृत्त लोग भी इन गिरोहों के निशाने पर रहते हैं। डिजिटल अरेस्ट के मामलों पर सुप्रीम कोर्ट पहले भी कड़ी टिप्पणी कर चुका है। 28 जुलाई को अदालत ने केंद्र सरकार से इस तरह की ठगी को आपराधिक कानून में अलग अपराध के रूप में शामिल करने और कड़ी सजा के प्रावधान पर विचार करने को कहा था। अदालत ने ठोस सबूत मिलने पर आरोपियों की संपत्ति फ्रीज करने की संभावना पर भी जोर दिया था। 8 अक्टूबर की सुनवाई में अदालत ने डिजिटल अरेस्ट के जरिए होने वाली ठगी को 'डिजिटल डकैती' जैसा गंभीर अपराध बताया था। सुनवाई में वरिष्ठ नागरिकों और सेवानिवृत्त लोगों को निशाना बनाए जाने पर चिंता जताई गई। एक अन्य मामले में 12 राज्यों में दर्ज 35 साइबर अपराध मामलों को एक जगह स्थानांतरित करने की मांग की गई थी। अदालत ने स्पष्ट किया कि आरोपियों की सुविधा के लिए अलग-अलग राज्यों के पीड़ितों को दिल्ली बुलाना या स्थानीय जांच को प्रभावित करना उचित नहीं होगा।

दिवाली से पहले मध्यप्रदेश के 12 लाख कर्मचारियों-पेंशनर्स को मिल सकता है 5% महंगाई भत्ता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। दिवाली से पहले मध्यप्रदेश के करीब 12 लाख सरकारी कर्मचारियों और पेंशनर्स को महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में बढ़ोतरी की सौगात मिल सकती है। राज्य सरकार जनवरी और जुलाई 2026 से लंबित बढ़ोतरी को मिलाकर कुल 5 प्रतिशत अंक की वृद्धि देने पर विचार कर सकती है। इस संबंध में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जल्द फैसला ले सकते हैं, हालांकि सरकार की ओर से आधिकारिक घोषणा होना बाकी है। केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी किए जाने के बाद मध्यप्रदेश के कर्मचारियों और पेंशनर्स की नजरें राज्य सरकार के फैसले पर टिकी हैं। प्रदेश में फिलहाल सातवें वेतनमान के तहत कर्मचारियों को 58 प्रतिशत महंगाई भत्ता और पेंशनर्स को 58 प्रतिशत महंगाई राहत मिल रही है। प्रस्तावित बढ़ोतरी लागू होने पर यह दर 63 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। केंद्र सरकार ने 1 जुलाई 2026 से केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 3 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी को मंजूरी दी है। इसके बाद केंद्रीय कर्मचारियों का डीए 63 प्रतिशत हो गया है। वहीं, मध्यप्रदेश में फिलहाल 58 प्रतिशत डीए और डीआर मिल रही है। इस तरह दोनों के बीच 5 प्रतिशत अंक का अंतर है। राज्य सरकार यदि जनवरी 2026 से 2 प्रतिशत अंक और जुलाई 2026 से 3 प्रतिशत अंक की बढ़ोतरी का ऐलान करती है, तो कर्मचारियों और पेंशनर्स को राहत मिल सकती है। हालांकि, बढ़ोतरी की प्रभावी तारीख, भुगतान की प्रक्रिया और बकाया राशि को लेकर अंतिम स्थिति सरकारी आदेश जारी होने के बाद ही स्पष्ट होगी।



यूपी के 60 जिलों में कल 12वीं तक के स्कूल रहेंगे बंद, PET परीक्षा के चलते फैसला

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी)-2026 के आयोजन के चलते शुक्रवार, 30 अक्टूबर को 60 जिलों में कक्षा 12वीं तक के स्कूल बंद रहेंगे। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष डॉ. एसएन साबत ने इसकी पुष्टि की है। संबंधित जिलों में जिला विद्यालय निरीक्षक और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को स्कूलों में अवकाश के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि, शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों को छुट्टी नहीं रहेगी। आयोग के अनुसार, पीईटी-2026 के लिए करीब 35 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। परीक्षा के दौरान केंद्रों पर अभ्यर्थियों के साथ उनके परिजनों की भी आवाजाही रहेगी। इससे कई शहरों में भीड़ और यातायात का दबाव बढ़ने की आशंका है। इसी को देखते हुए संबंधित जिलों में स्कूल बंद रखने का निर्णय लिया गया है। लखनऊ, प्रयागराज और अलीगढ़ समेत कई जिलों में स्कूल बंद रखने के आदेश जारी किए गए हैं। लखनऊ के जिला विद्यालय निरीक्षक के अनुसार, परीक्षा 25 और 30 अक्टूबर के साथ 1 नवंबर को आयोजित की जा रही है। 25 अक्टूबर को दो पालियों में परीक्षा हो चुकी है, जबकि 30 अक्टूबर और 1 नवंबर को भी दो-दो पालियों में परीक्षा कराई जाएगी। प्रत्येक पाली में करीब 20 से 25 हजार अभ्यर्थियों के पहुंचने की संभावना है। उनके साथ अभिभावकों के आने से भी शहरों में भीड़ बढ़ सकती है। स्कूलों में अवकाश का उद्देश्य परीक्षा के दौरान व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखना है। पीईटी-2026 के पहले दिन 25 अक्टूबर को प्रदेश के 60 जिलों में 1,372 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की गई थी।



ईंधन की ऊंची कीमतों और वैश्विक तनाव के बीच एयरलाइन का राजस्व बढ़ा, EBITDAR मार्जिन 6% से बढ़कर 10.5% हुआ

इंडिगो का घाटा 27% घटकर 1,879 करोड़ रुपये रहा, आय में 26% की बढ़ोतरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड को वित्त वर्ष 2026-27 की जुलाई-सितंबर तिमाही में 1,879 करोड़ रुपये का समेकित शुद्ध घाटा हुआ। यह पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही के 2,582 करोड़ रुपये के घाटे से करीब 27' कम है। कंपनी का घाटा बाजार के 2,063 करोड़ रुपये के अनुमान से भी कम रहा। घाटे में कमी के साथ कंपनी के राजस्व और परिचालन प्रदर्शन में भी सुधार दर्ज किया गया। कंपनी का तिमाही राजस्व सालाना आधार पर 25.9' बढ़कर 23,364 करोड़ रुपये पहुंच गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 18,555 करोड़ रुपये था। सितंबर तिमाही में परिचालन से जुड़ी कमाई का प्रमुख संकेतक ईबीआईटीडीएआर 120.8' बढ़कर 2,459.9 करोड़ रुपये रहा। पिछले साल यह 1,114.3 करोड़ रुपये था। इस दौरान ईबीआईटीडीएआर मार्जिन भी 6' से बढ़कर 10.5' हो गया, यानी इसमें 4.5 प्रतिशत अंक का सुधार हुआ। इंडिगो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीटर एल्बर्स ने कहा कि सितंबर तिमाही आमतौर पर विमानन कारोबार के लिहाज से अपेक्षाकृत सुस्त रहती है। इस बार ईंधन की ऊंची कीमतों और वैश्विक तनाव ने चुनौतियां बढ़ा दीं। कंपनी के मुताबिक, इन परिस्थितियों का वित्तीय प्रदर्शन पर असर पड़ा और तिमाही में करीब 1,900



करोड़ रुपये का घाटा दर्ज हुआ। हालांकि, उड़ानों के संचालन और टिकट दरों के बेहतर प्रबंधन से परिचालन प्रदर्शन को मजबूती मिली। कंपनी का ध्यान भारतीय विमानन बाजार में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने, उड़ानों की सुरक्षा बनाए रखने, लागत पर नियंत्रण और लंबी अवधि में टिकाऊ वृद्धि हासिल करने पर है। सितंबर 2026 के अंत तक इंडिगो का कुल कर्ज सालाना आधार पर 16.7' बढ़कर 87,303.1 करोड़ रुपये हो गया। एक साल पहले यह 74,813.8 करोड़ रुपये था। इसमें 55,159.2 करोड़ रुपये की पूंजीकृत परिचालन लीज देनदारी भी शामिल है। विमान पट्टे पर लेने से जुड़ी यह देनदारी एयरलाइन की कुल वित्तीय प्रतिबद्धताओं का बड़ा हिस्सा है। शेयर बाजार में इंडिगो का शेयर मामूली गिरावट के साथ 4,675 रुपये पर बंद हुआ। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, इस साल अब तक शेयर में करीब 9' की गिरावट दर्ज की गई है। इसी अवधि में निफ्टी 50 में 12.9' की गिरावट बताई गई है। बाजार हिस्सेदारी के लिहाज से इंडिगो भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन है। कंपनी की स्थापना 2006 में राहुल भाटिया और राकेश गंगवाल ने की थी। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, एयरलाइन रोजाना 2,200 से अधिक उड़ानें संचालित करती है। इसका घरेलू और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क 90 से ज्यादा घरेलू तथा 40 से अधिक विदेशी गंतव्यों तक फैला है। कंपनी के बेड़े में 400 से अधिक विमान शामिल हैं। तिमाही नतीजे बताते हैं कि इंडिगो के राजस्व और परिचालन मार्जिन में सुधार हुआ है, लेकिन ईंधन की लागत, वैश्विक परिस्थितियों और बढ़ती वित्तीय देनदारियों का दबाव बना हुआ है। आने वाली तिमाहियों में कंपनी की लाभप्रदता इस बात पर निर्भर करेगी कि वह लागत को किस हद तक नियंत्रित कर पाती है और बढ़ती हवाई यात्रा की मांग का कितना लाभ उठा पाती है।

नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के विरूद्ध सख्त कार्रवाई जारी रखने के दिए निर्देश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में नार्को कोऑर्डिनेशन सेंटर (एनसीओआरडी) की जिला स्तरीय बैठक ली। कलेक्टर ने मादक पदार्थों के अवैध कारोबार की रोकथाम एवं नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने नशीले पदार्थों के अवैध विक्रय एवं तस्करी के विरूद्ध सख्त कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए। साथ ही स्कूलों एवं महाविद्यालयों को नशामुक्त बनाने के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाने तथा युवाओं को खेल गतिविधियों से जोड़ने कहा। बैठक में बताया गया कि माह अक्टूबर 2026 में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के विरूद्ध कार्रवाई करते हुए 4 प्रकरणों में 17.11 किलोग्राम गांजा, 2 हजार 990 रूपए नगद एवं 2 वाहन जब्त किए गए तथा 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। कलेक्टर ने स्वापक एवं मनः प्रभावी औषधियों के अनधिकृत व्यापार पर प्रभावी नियंत्रण रखने तथा अवैध विक्रय के विरूद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत युवाओं को नशे से दूर रखने एवं खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए वार्षिक खेल कैलेंडर तैयार करने तथा खेल गतिविधियों में अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने जेल में निरूद्ध नशे के आदी व्यक्तियों में नशीले पदार्थों के सेवन बंद होने से उत्पन्न स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं एवं उनके समुचित प्रबंधन के लिए जेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा सितम्बर 2026 में 65 मेडिकल स्टोर्स का निरीक्षण किया गया। जिले के कुल 723 मेडिकल स्टोर्स में से 720 में सीसीटीवी कैमरे लगाए जा चुके हैं। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित नशामुक्ति केन्द्र में वर्तमान में नशे के आदी 9 व्यक्तियों का उपचार किया जा रहा है।



उज्जैन विश्वकर्मा धर्मशाला के नवनिर्माण पर बनी सहमति, 4.53 लाख सहयोग की घोषणा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। कहारवाड़ी स्थित श्री विश्वकर्मा धर्मशाला के जीर्णोद्धार एवं नवनिर्माण को लेकर 28 अक्टूबर को समाजजनों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी सिंहस्थ को देखते हुए धर्मशाला की मरम्मत, नवनिर्माण और भविष्य की आवश्यकताओं पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में वर्तमान धर्मशाला को तोड़कर उसी स्थान पर आधुनिक सुविधाओं से युक्त भवन बनाने के प्रस्ताव को उपस्थित समाजजनों का व्यापक समर्थन मिला। साथ ही, तत्काल आवश्यक मरम्मत कर यात्रीगृह शुरू करने तथा भविष्य में नई भूमि खरीदने पर भी विचार किया गया। समिति संरक्षक श्री राधेश्याम शर्मा ने प्रस्तावित भवन में बेसमेंट, दो बड़े हॉल और 10 से 12 कमरों की व्यवस्था की जानकारी दी। समाज अध्यक्ष श्री गोवर्धन विश्वकर्मा ने सभी समाजजनों से एकजुट होकर आर्थिक सहयोग देने और नवनिर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। बैठक में ?4,53,222 की सहयोग राशि घोषित की गई। बैठक की अध्यक्षता श्री मोहनलाल जी धनेशा ने की। मुख्य अतिथि श्री कंवरलाल जी विश्वकर्मा रहे। कार्यक्रम का संचालन समिति संरक्षक श्री राधेश्याम शर्मा ने किया। समाजजनों ने आने वाली पीढ़ियों के लिए सुव्यवस्थित एवं सुविधायुक्त धर्मशाला निर्माण हेतु सामूहिक प्रयास करने का संकल्प व्यक्त किया। प्रस्तुतकर्ता: श्री गोवर्धन विश्वकर्मा, अध्यक्ष, श्री जूना गुजराती सुथार विश्वकर्मा समाज।

फिल्म में महिला किरदार के सेक्सुअलाइजेशन और ऑब्जेक्टिफिकेशन पर जताया अफसोस, अभिनेत्री ने माना- अब कोशिश रहेगी कि ऐसा दोबारा न हो

जाह्नवी कपूर ने 'पेद्दी' विवाद पर तोड़ी चुप्पी, बोलीं- मुझे और मजबूती से आवाज उठानी चाहिए थी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। अभिनेत्री जाह्नवी कपूर ने फिल्म 'पेद्दी' में अपने किरदार अचियम्मा को दिखाने के तरीके पर हुए विवाद को लेकर अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने स्वीकार किया कि फिल्म में किरदार के सेक्सुअलाइजेशन और ऑब्जेक्टिफिकेशन को लेकर उन्हें अपनी बात और मजबूती से रखनी चाहिए थी। जाह्नवी ने कहा कि वह उस समय स्थिति को बेहतर बनाने की कोशिश कर रही थीं, लेकिन अब उन्हें लगता है कि वह अधिक स्पष्टता और दृढ़ता के साथ अपनी आवाज उठा सकती थीं। जाह्नवी ने यह बात करण जौहर के चैट शो 'कॉफी विद करण' के सीजन 9 में बातचीत के दौरान कही। शो में करण ने उनसे 'पेद्दी' विवाद के बारे में सवाल किया और बताया कि घटना के दिन उन्होंने जाह्नवी से बात भी की थी। करण ने कहा कि इस मामले में कुछ लोग अभिनेत्री के समर्थन में थे, क्योंकि उन्हें लगा कि उनके किरदार को जरूरत से ज्यादा सेक्सुअलाइज किया गया। वहीं, कुछ लोगों ने सवाल उठाया कि जाह्नवी फिल्म की शूटिंग का हिस्सा थीं, तो उन्होंने उस समय इस पर आपत्ति क्यों नहीं जताई। जाह्नवी ने माना कि इस पूरे मामले ने उन्हें भावनात्मक रूप से प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि फिल्म से जुड़े कई लोगों ने मेहनत की थी, इसलिए उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि इस मुद्दे पर क्या कहना उचित होगा। उन्हें यह भी स्पष्ट नहीं था कि उस समय अपनी बात किस तरह रखनी चाहिए। जाह्नवी ने कहा कि इस विवाद में उनकी जितनी भी भूमिका रही, उसकी जिम्मेदारी उन्हें स्वीकार करनी चाहिए। उनके मुताबिक, किसी फिल्म में महिला किरदार को जिस तरह पेश किया जाता है, उसका समाज पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। उन्होंने इस बात पर भी चिंता जताई कि ऐसे चित्रण का प्रभाव महिलाओं को लेकर लोगों की सोच पर पड़ सकता है। अभिनेत्री ने स्वीकार किया कि वह इस मामले को लेकर अधिक मजबूती से आवाज उठा सकती थीं और समय रहते ज्यादा सतर्कता बरत सकती थीं। उन्होंने माना कि किरदार के चित्रण में ऑब्जेक्टिफिकेशन की समस्या थी और कहानी के स्तर पर भी कुछ पहलुओं पर सवाल उठाए जा सकते थे। जाह्नवी ने कहा कि अब वह यह सुनिश्चित करने की कोशिश करेंगी कि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न बने। जाह्नवी ने यह भी बताया कि फिल्म की शूटिंग के दौरान कलाकार कई बार निर्देशक के निर्देशों के अनुसार काम करते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह अपनी जिम्मेदारी किसी दूसरे पर नहीं डालना चाहतीं, लेकिन फिल्म निर्माण की प्रक्रिया में कलाकारों के सामने कुछ व्यावहारिक सीमाएं भी होती हैं। उनके



मुताबिक, स्क्रिप्ट में हमेशा यह स्पष्ट नहीं होता कि किसी दृश्य को कैमरे के सामने किस तरह फिल्माया जाएगा। कैमरा एंगल और दृश्य के अंतिम रूप का पूरा अंदाजा कई बार शूटिंग के दौरान ही मिलता है।

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.